भोपाल, शनिवार 03 जून 2023 भोपाल से प्रकाशित वर्ष 52/ अंक 283/ पृष्ठ 8 / मूल्य 2.10 dainiksandhyaprakash.in
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

दैनिक साध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

@ बालासोर रेल हादसा 288 की मौत

पीएम मोदी ने विशेष बैठक बुलाई, घटनास्थल जाएंगे

ओडिशा में राजकीय शोक, रेलमंत्री वैष्णव और ओडिशा के सीएम पटनायक पहुंचे मौके पर, भाजपा ने देश भर में कार्यक्रम रद्द किए

नई दिल्ली। ओडिशा में शुक्रवार शाम हुए भीषण रेल हादसे में मृतकों का आंकड़ा 288 हो गया है। वहीं 850 के करीब लोग घायल हैं। इस घटना के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद ओडिशा जाएंगे। इससे पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी घटनास्थल पर पहुंचे थे और हालात का जायजा लिया था। हादसे की गंभीरता को देखते हुए युद्धस्तर पर बचाव और राहत कार्य चल रहे हैं और सेना को भी बचाव कार्यों में लगा दिया गया है। हादसे को लेकर पीएम मोदी ने बैठक भी बुलाई है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि पहले शालीमार-चेन्नई कोरोमंडल एक्सप्रेस डिरेल हुई थी। इसके कुछ डिब्बे दूसरी पटरी पर पलट गए। दूसरी तरफ से आ रही यशवंतपुर-हावड़ा एक्सप्रेस इनसे टकरा गई। इसके बाद दोनों ट्रेन की कुछ बोगियां पटरी से उतर गईं। ये बोगियां दूसरे ट्रैक पर खड़ी मालगाड़ी से जा भिड़ी। कोरोमंडल एक्सप्रेस का इंजन और कुछ बोगियां मालगाड़ी के ऊपर चढ़ गईं। अधिकारियों ने बताया कि ओडिशा के बहनगाबाजार में हावड़ा से बेंगलुरु जा रही 12864 एक्सप्रेस के कई कोच शुक्रवार शाम करीब 7 बजे पटरी से उतरकर साथ वाले ट्रैक पर जा गिरे। इसी दौरान, उस ट्रैक पर 12841 शालीमार-चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस आ गई और पलटे डिब्बों से टकरा गई। इससे कोरोमंडल के कई डिब्बे पटरी से उतर गए और बगल के ट्रैक से गुजर रही मालगाड़ी से टकरा गए। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने यात्रियों को निकालना शुरू किया। बाद में एनडीआरएफ, राज्य सरकार और वायुसेना ने बचाव और राहत कार्य शुरू किया। हादसे में कोरोमंडल एक्सप्रेस के सात कोच पलट गए, चार कोच रेल बाउंड्री के बाहर चले गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, कुल 15 डिब्बे पटरी से उतरे।

पीएम मोदी ने बुलाई उच्चस्तरीय बैठक, करेंगे समीक्षा

बालासोर भयानक ट्रेन दुर्घटना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में रेलवे से संबंधित सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री इस हादसे को लेकर समूचे मामले की समीक्षा करेंगे। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायल लोगों के लिए 2 लाख रुपए और मामूली चोटों वाले लोगों के लिए 50,000 रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

एक दिन का राजकीय शोक, वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन टला

इस भीषण ट्रेन हादसे के बाद ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने आज एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। वहीं गोवा-मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन समारोह रद्द कर दिया गया। इस रेल हादसे के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णवी भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और वहां चल रहे हैं राहत कार्यों को भी उन्होंने देखा। इसे अब तक का सबसे बड़ा रेल हादसा बताया जा रहा है अनुमान लगाया जा रहा है कि मरने वालों की संख्या 300 तक पहुंच सकती है।

घायलों की मदद के लिए 2000 से अधिक लोग अस्पताल पहुंचे

घायलों की मदद के लिए बालासोर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में रात में 2,000 से अधिक लोग इकट्ठा हुए और कई ने रक्तदान भी किया। मुख्य सचिव जेना ने जरूरत की घड़ी में दुर्घटना पीड़ितों को रक्तदान करने वाले स्वयंसेवकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, बालासोर में रात भर में पांच सौ यूनिट रक्त एकत्र किया गया। वर्तमान में स्टॉक में नौ सौ इकाइयां हैं। इससे दुर्घटना पीड़ितों के इलाज में मदद मिलेगी। मैं व्यक्तिगत रूप से उन सभी स्वयंसेवकों का ऋणी और आभारी हूं जिन्होंने एक नेक काम के लिए रक्तदान किया है। रक्तदान करने आए एक व्यक्ति ने कहा, लोगों की स्थिति बहुत नाजुक है, कई लोग ऐसे हैं जिनके पैर-हाथ नहीं है। मैंने रक्तदान कर दिया जिससे किसी की जान बच सके और वे अपने घर जा सकें।

अब तक 48 ट्रेनें रद्द, कई के रूट में बदलाव

दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर डिवीजन में हावड़ा-चेन्नई मुख्य लाइन पर हुए हादसे के कारण अब तक लंबी दूरी की 48 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है. साथ ही कई ट्रेनों का रूट भी बदला गया है। गाड़ी संख्या 12841 शालीमार-चेन्नई कोरोमंडल एक्सप्रेस से टकरा गए और इसके डिब्बे भी पलट गए. फिर कोरोमंडल एक्सप्रेस के डिब्बे पटरी से उतरने के बाद एक मालगाड़ी भी दुर्घटना की चपेट में आ गई.एक साथ तीन ट्रेनों के चपेट में आने से कई अन्य ट्रेनों पर भी असर पड़ रहा है. दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर डिवीजन में हावड़ा-चेन्नई मुख्य लाइन पर हुए हादसे के कारण अब तक लंबी दूरी की 18 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है. साथ ही कई ट्रेनों का रूट भी बदला गया है।

अंधेरे में तलाशते रहे अपनों को, क्षत-विक्षत शव देख कांपी रूह

हादसा इतना भयानक था कि कोरोमंडल एक्सप्रेस ट्रेन के कई कोच तबाह हो गए। एक इंजन तो मालगाड़ी के रैक पर ही चढ़ गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि खिड़कियों के कांच टूट गए और करीब 50 लोग बाहर जाकर गिरे। अंधेरा होने के कारण रोते-बिलखते लोग अपनों को तलाशते रहे। कुछ को धड़ मिला, तो सिर नहीं। लोग चीखते हुए अपनों के टुकड़े बटोरते दिखे। हालात ऐसे थे कि बोगियों में फंसे बच्चों और महिलाओं को कोच से बाहर निकालने के लिए सीढ़ी का सहारा लेना पड़ा। ट्रेन में फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने के स्थानीय लोग भी देर रात तक जी-जान से जुटे दिखे। अस्पताल में भी घायलों की मदद के लिए कई लोग खड़े थे।

एक पैसेंजर ने बताया कि हम एस5 बोगी में थे और जिस समय हादसा हुआ उस उस समय मैं सोया हुआ था। तेज आवाज से मेरी नींद खुली। मैंने देखा कि ट्रेन पलट गई है। मेरी सीट ऊपर वाली थी, मैं वहां पंखा पकड़ कर बैठा रहा। ट्रेन में भगदड़ मच गई थी। लोग बचाओ-बचाओ चिल्ला रहे थे। तभी पैंट्री कार में आग लग गई। हम दूसरी तरफ भागे, तो हमने देखा कि वहां मरे हुए लोग पड़े हैं जिसमें किसी का हाथ नहीं है, किसी का पैर नहीं है। तब तक कोई बाहरी व्यक्ति मदद के लिए नहीं आ पाया था। ट्रेन से बाहर निकलकर लोग ही एक-दूसरे की मदद कर रहे थे। हमारी सीट के नीचे एक 2 साल का बच्चा था, जो बिल्कुल सुरक्षित था। हमने उसके परिवार को बचाने में मदद की।

रेल मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए

विपक्ष के नेताओं ने हादसे के लिए जिम्मदार सिग्नल फेल्योर के लिए आरोप लगाने शुरू कर दिए हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता अजित पवार ने कहा कि जब पहले इस तरह की दुर्घटनाएं होती थीं तो रेल मंत्री इस्तीफा दे देते थे। पवार ने कहा, लेकिन इस मामले में कोई बोलने को तैयार नहीं है। भाकपा नेता बिनय विश्वम ने कहा कि सरकार का ध्यान केवल लक्जरी ट्रेनों पर है जबकि आम लोगों के लिए ट्रेनें और पटरियां उपेक्षित हैं। बिनॉय विश्वम ने ट्वीट किया, सरकार केवल लक्जरी ट्रेनों पर ध्यान केंद्रित करती है। आम लोगों की ट्रेनों और पटरियों की उपेक्षा की जाती है। उड़ीसा में हुई मौतें इसी का परिणाम हैं। रेल मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए।

तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता साकेत गोखले ने कहा कि सिग्नल फेल होने से इतना बड़ा हादसा विश्वास से परे और आश्चर्यजनक है। हादसे ने कुछ गंभीर सवाल खड़े किए हैं जिनका जवाब दिया जाना चाहिए। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि तीनों ट्रेनें एक-दूसरे पर कैसे ढेर हो गईं। शुरुआती खबरों में कहा गया है कि डाउन लाइन पर बेंगलुरु-हावड़ा ट्रेन शाम 6.55 बजे पटरी से उतर गई और कोरोमंडल शाम 7 बजे अप लाइन पर पटरी से उतर गई। कोरोमंडल के पटरी से उतरे डिब्बे पहले बेंगलुरु-हावड़ा और फिर मालगाड़ी से टकरा गए।

कवच होता तो टल सकती थी ओडिशा ट्रेन त्रासदी

रेलवे प्रवक्ता अमिताभ शर्मा के मुताबिक, इस रूट पर कवच उपलब्ध नहीं था। दरअसल, भारतीय रेलवे ने चलती हुई ट्रेनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कवच नामक एक स्वचलित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली विकसित की है। यह प्रणाली ट्रेन ड्राइवरों की एक विश्वसनीय साथी है। यदि ड्राइवर कहीं स्पीड कंट्रोल करना या ब्रेक लगाना भूल जाता है तो कवच प्रणाली ब्रेक इंटरफेस यूनिट द्वारा ट्रेन को कंट्रोल कर लेती है।

कवच सिस्टम भी जुमला निकला?

सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा कि जब इंजन में रेल मंत्री सवार रहता है तो दो ट्रेनें एक दूसरे से 380 मीटर दूर ही रुक जाती है। वीडियो बना के वाहवाही लूटना तो ठीक है पर अब दुर्घटना की जवाबदारी लेने के वक्त किसी को बलि का बकरा बनाया जाएगा। एक अन्य यूजर ने लिखा कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव कवच सिस्टम भी जुमला निकला? एक यूजर ने लिखा कि कुछ महीने पहले ट्रेन की टक्कर रोकने के लिए बनाए गए कवच सिस्टम के लिए रेल मंत्री छाती ठोक रहे थे।

रेल सुरक्षा के नाम पर लाखों खर्च

सोशल मीडिया पर अन्य एक यूजर ने रेल सुरक्षा के नाम पर लाखों-करोड़ो रुपये खर्च पर सवाल उठाए। यूजर ने लिखा कि ट्रेनों की टक्कर रोकने के लिए कवच के नाम पर 50 लाख प्रतिकिलोमीटर खर्च किए गए। इसके बावजूद लेकिन अभी भी लोग मर रहे हैं। यूजर ने सवाल उठाया कि आखिर टैक्सपेयर्स के पैसों का क्या हो रहा है। सेफ्टी अपग्रेड के नाम 34 हजार करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर विमानतल पर नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल प्रचंड को मध्यप्रदेश की सकुशल यात्रा के पश्चात विदाई दी।

सांध्यप्रकाश विशेष

23 आईएएस सचिव स्तर के पदों के लिए इम्पेनल्ड

मप्र के 3 वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के 23 आईएएस अधिकारियों को सेक्रेटरी या उसके समान स्तर के पदों पर एंपेनल्ड करने के आदेश जारी कर दिए हैं। ये अधिकारी भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1990,91 और 92 बैच के अधिकारी हैं।

इन अधिकारियों में मध्यप्रदेश के तीन अधिकारी शामिल हैं। ये है नीलम शमी राव, पंकज अग्रवाल और वीएल कांता राव। यह तीनों अधिकारी भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1992 बैच के अधिकारी हैं।

देश के अन्य आईएएस अधिकारियों में विभु नायर,पुनीत कुमार, अरुणिश चावला, चंचल कुमार, निधि खरे, विनीत जोशी, विमलुनमंग व्यालनाम, रजत कुमार मिश्रा, संजय जाजू, जे राधाकृष्णन, नीरज मित्तल,नरेंद्र भूषण, सुभाष चंद्र लाल दास, प्रदीप कुमार मोहपात्रा, आशीष कुमार भूटानी, राकेश रंजन, राजेंद्र कुमार, शशि रंजन कुमार, श्रीराम तरानीकांति और विजय कुमार शामिल हैं।

Jagat Prakash Nadda
@JPNadda

ओडिशा के बालासोर में कल शुक्रवार शाम को हुआ भयावह रेल हादसा अत्यंत ही दुखद और मन को शोकाकुल कर देने वाला है। मैं इस हृदय विदारक घटना से मर्माहत हूं।

इस भीषण रेल दुर्घटना को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने केंद्र सरकार के 9 वर्ष पूरे होने के अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों के साथ-साथ देश भर में होने वाले अपने सारे कार्यक्रमों को आज के लिए स्थगित कर दिया है।

मैं परमपिता परमेश्वर से शोक संतप्त परिवारों को इस असहनीय पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना करता हूं। ईश्वर मृत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान दें।

ॐ शांति।

Translate Tweet

7:05 AM · 03/06/23 from Earth · 5,382 Views

72 Retweets 2 Quotes 277 Likes

मुंबई पुलिस के हाथ लगी ड्रग्स की भारी खेप, 4860 करोड़ रुपए बताई जा रही कीमत

मुंबई। मुंबई पुलिस के एंटी नार्कोटिक्स सेल ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने 2400 किलो से ज्यादा एमडी ड्रग्स नष्ट किया है, जिसकी कीमत 4860 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

रेल मंत्री का कवच सिस्टम बनाम बालासोर का खौफनाक मंजर

विशेष टिप्पणी
संजय सक्सेना

बालासोर का खौफनाक मंजर। अंधेरे में अपनों को तलाशते दहशतजदा लोग। बिखरे शव। सैकड़ों जिंदा लोग, किसी का हाथ कट गया है तो किसी का पांव। कोई बिलख रहा है। कोई अपनी चोट भूल कर अपने परिजनों को तलाश रहा है। दिल दहलाने वाला दृश्य। खबर पढ़ते-पढ़ते आंखों में आंसू ही नहीं आते, फूट-फूटकर रोने को दिल करता है। लेकिन क्या किसी का इस्तीफा हुआ? क्यों हो? मरने वालों को कुछ नकद, घायलों को कुछ मदद। बैठकें, बयान और फिर जांच की नौटंकी। बस...।

रेलवे स्टेशन निजी हाथों में दे दो। ट्रेन भी निजी हाथों में दे दो। फिलहाल, हम नई-नई वंदे भारत ट्रेन शुरू करवा रहे हैं, जो एक जानवर से भी टकराकर टूट जाती है। और हरी झंडी दिखवा रहे हैं प्रधानमंत्री से। लेकिन रेलवे के उस कवच का क्या हुआ, जिसकी बड़ी पब्लिसिटी की जा रही थी। किराया से लेकर सब कुछ बढ़ा दिया, रेलवे बेचने तक की तैयारी है, लेकिन रेल दुर्घटनाएं रोकने की ठोस बात नहीं हो रही। ओडिशा के बालासोर में हुई रेल दुर्घटना ने रेलवे के तमाम दावों की बखिया उधेड़ दी है। सारे सिस्टम की पोल खुल गई है। और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एकदम नाकारा ही साबित हो रहे हैं।

और रेल मंत्री का कवच सिस्टम, वो भी जुमला निकला? रेलवे प्रवक्ता कहते हैं, इस रूट पर कवच उपलब्ध नहीं था। दरअसल, भारतीय रेलवे ने चलती हुई ट्रेनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कवच नामक एक स्वचलित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली विकसित की है। यह प्रणाली ट्रेन ड्राइवरों की एक विश्वसनीय साथी है। यदि ड्राइवर कहीं स्पीड कंट्रोल करना या ब्रेक लगाना भूल जाता है तो कवच प्रणाली ब्रेक इंटरफेस यूनिट द्वारा ट्रेन को कंट्रोल कर लेती है।

अब इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा? एक या कुछ रेल अधिकारी? फिर, मंत्रालय क्या घास खोदने के लिए बनाया गया है? क्या रेल मंत्री और दिल्ली में बैठे उनके अफसर केवल मुफ्त की तनख्वाह लेने और ऐश करने के लिए बने हैं?

कुछ महीने पहले ट्रेन की टक्कर रोकने के लिए बनाए गए कवच सिस्टम के लिए रेल मंत्री छाती ठोक रहे थे, अब ये क्या हुआ हर किसी को यह पूछना चाहिए। जब एक ट्रेन डिरेल होकर दूसरे ट्रैक पर आ गयी थी, तब कवच कहाँ था? 300 के आसपास मौतें, करीब 1000 लोग घायल। इन दर्दनाक मौतों के लिए कोई तो जिम्मेदार होगा? एक नही, दो नही, 3-3 ट्रेनें आपस में टकराई, तब भारत का कवच कहां था? सिग्नल फेल होने से इतना बड़ा हादसा विश्वास से परे और आश्चर्यजनक है। हादसे ने कुछ गंभीर सवाल खड़े किए हैं जिनका जवाब आना चाहिए। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि तीनों ट्रेनें एक-दूसरे पर कैसे चढ़ गईं। शुरुआती खबरों में कहा गया है कि डाउन लाइन पर बेंगलुरु-हावड़ा ट्रेन शाम 6.55 बजे पटरी से उतर गई और कोरोमंडल शाम 7 बजे अप लाइन पर पटरी से उतर गई। कोरोमंडल के पटरी से उतरे डिब्बे पहले बेंगलुरु-हावड़ा और फिर मालगाड़ी से टकरा गए। सरकार का ध्यान केवल लक्जरी ट्रेनों पर है जबकि आम लोगों के लिए ट्रेनें और पटरियां उपेक्षित हैं। उड़ीसा में हुई मौतें इसी का परिणाम हैं। रेल मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए।

रेल सुरक्षा के नाम पर लाखों-करोड़ो रुपये खर्च पर भी सवाल उठना लाजिमी है। सोशल मीडिया पर लिखा गया है कि ट्रेनों की टक्कर रोकने के लिए कवच के नाम पर 50 लाख प्रतिकिलोमीटर खर्च किए गए। इसके बावजूद लेकिन अभी भी लोग मर रहे हैं। आखिर टैक्सपेयर्स के पैसों का क्या हो रहा है? टैक्सपेयर्स तो ठीक, जो लोग किराया देकर रेलों में यात्रा कर रहे हैं, उनके पैसे काहे में जा रहे हैं? कर्मचारियों, अधिकारियों के वेतन में? सेफ्टी अपग्रेड के नाम 34 हजार करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। काहे में खर्च हुए? क्या हम दुर्घटना में मृत लोगों की जिंदगी वापस दे सकते हैं? अपंग होने वालों के अंग वापस दे सकते हैं? संवेदनाओं के नाम पर बयानबाजी..और बयानबाजी..। तर्क-कुतर्क..। और फिर सब कुछ सामान्य। चलाओ दुरंतो। चलाओ वंदे भारत। और करते रहो हजारों लोगों को शहीद।

और अंत में..

संदर्भ के अनुसार देश के पूर्व रेल मंत्री रहे सर्वश्री लालबहादुर शास्त्री, जगजीवन राम, कमलापति त्रिपाठी एवं माधवराव सिंधिया ने रेल दुर्घटना के बाद नैतिकता के आधार पर जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दिया था। अब देखना है वर्तमान रेल मंत्री का इस्तीफा कब होता है? और होता भी है या नहीं?

रोटरी क्लब ने तत्काल मरीज को दिलाई मशीन

भोपाल। रोटेरीयन अनिल कुमार गुप्ता रोटरी क्लब भोपाल हिल्स के सक्रिय सदस्य हैं। एक मरीज़ को कन्सनट्रेटर मशीन की आवश्यकता थी। अजीत सिंह उबेजा ने व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सुबह 9:31 बजे मरीज़ तक कन्सनट्रेटर मशीन इमरजेंसी में पहुंचाने का अनुरोध किया। रोटे अनिल कुमार गुप्ता जो समूचे भारत के विभिन्न स्वास्थ्य सेवी संस्थाओं से जुड़े हुए हैं उन्होंने अपने स्वास्थ्य सेवा पर आधारित शक्तिशाली नेटवर्क पर काम शुरू कर दिया। सुबह 11:38 पर मशीन मरीज़ तक पहुंच गई, इस 2 घंटे 7 मिनिट में काम हो गया। रोटरी अजीत सिंह उबेजा ने राहत की सांस लेते हुए न केवल मरीज़ की सहायता की बल्कि अपेक्षाकृत कम समय में मशीन को उपलब्ध कराने पर रोटेरीयन अनिल कुमार गुप्ता को हार्दिक धन्यवाद दिया। यह मानवसेवा रोटरी क्लब भोपाल हिल्स के कर्मठ, सक्रिय कार्यकर्ता रोटे अनिल कुमार गुप्ता ने कर दिखाया। रोटे कर्नल डी सी वर्मा , क्लब प्रशिक्षक ने बताया कि रोटेरीयन अनिल कुमार गुप्ता ने पिछ्ले कुछ वर्षो में सैंकड़ों लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और परेशानियों से निजात दिलाने में महारत हासिल की है।

एलएनसिटी में युवा उद्यमी सम्मेलन आज

भोपाल। शहर के रायसेन रोड स्थित एलएनसीटी कॉलेज मे युवा उद्यमिता सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है7 यह सम्मेलन 3 जून को कॉलेज परिसर में सुबह 10 बजे से प्रारम्भ होगा, जो शाम 5 बजे तक चलेगा। इस सम्मेलन मे भोपाल शहर के 10 से अधिक युवा उद्यमि आ रहे हैं, जो अपनी सफलता कि कहनी युवाओं से साझा करेंगे। इनमे कुल्लड़वाला के संस्थापक लक्ष्य मीना, शाही दरबार के संस्थापक आकाश वीरानी, नेस्टऑफिक्स के अभय गुप्ता, वमोस इलेक्ट्रिक के आर्यन्स व्यास और मानसी माथुर, श्री धननारायण प्राइवेट लिमिटेड के अमर शर्मा आदि शामिल है। समनेलन मे युवाओं को इन सफल उद्यमियों से सीधा संवाद करने का अवसर मिलेगा। सम्मेलन में लकी ड्रा भी निकाला जायेगा, जिसमें विजेता को 20 हजार रूपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सम्मेलन में शामिल होने वाले सभी युवाओं को पंजीयन कराना आवश्यक है। पंजीकरण शुल्क 200 रुपये निर्धारित है।

इंपीरियल हायर सेकेंडरी स्कूल छावनी का परीक्षा परिणाम अव्वल

भोपाल। 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा में इंपीरियल सेकेंडरी स्कूल बेहतरीन प्रदर्शन किया है यहां 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा में ज्यादातर छात्रों ने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है। इंपीरियल हाई सेकेंडरी स्कूल के संचालक यासीन अहमद खान ने बताया कि विगत 2 साल करोना के बाद छात्रों के अध्ययन के लिए टीचर्स को काफी मेहनत करनी पड़ी और 10वीं 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम में अध्यापकों द्वारा की गई इस मेहनत का बेहतर प्रतिसाद मिला है दसवीं की परीक्षा में 56 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी एवं 12वीं की परीक्षा में 28 विद्यार्थियों में द्वितीय श्रेणी प्रथम श्रेणी मेरे पास की है 12वीं में उच्चतम अंक 84.9 प्रतिशत रहे।

सूरज प्रीमियम हाई सेकेंडरी स्कूल का बेहतर प्रदर्शन

भोपाल। सूरज प्रीमियम हाई सेकेंडरी स्कूल में दसवीं बारहवीं की बोर्ड परीक्षा परिणाम में बेहतर प्रदर्शन किया है सूरज प्रीमियम हायर सेकेंडरी स्कूल के संचालक अजय साहू ने बताया कि 10वीं की बोर्ड परीक्षा में 70 बच्चों ने प्रथम श्रेणी से परीक्षा पास की है जबकि 12वीं की परीक्षा में 45 छात्रों ने प्रथम श्रेणी हासिल की है एवं उच्चतम अंक 94 प्रतिशत हासिल किए हैं। अजय साहू बताते हैं कि उनके स्कूल पर शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाता है यह शहर के उन चुनिंदा स्कूलों में से एक है जिसे आईएसओ सर्टिफिकेट प्राप्त है अजय साहू ने कहा कि शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के चलते ही उनके द्वारा जूनियर सेक्शन और हायर सेकेंडरी सेक्शन को अलग-अलग भवनों से संचालित किया जाता है सूरज प्रीमियर हर सेकेंडरी स्कूल में लगभग 1600 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

कलेक्टर और विधायक के साथ सिंधी समाज के प्रतिनिधियों की बैठक

70 साल से लंबित पट्टे, सिंधी समाज की समस्या के निराकरण की बंधी उम्मीद

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विभाजन के समय पश्चिमी पाकिस्मान (सिंध प्रदेश) से आकर विस्थापित किए गए संत हिरदाराम नगर के सिंधी परिवारों को एक बार फिर पट्टा समस्या के निराकरण की उम्मीद बंधी है। हुजूर के भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा की पहली पर शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर आशीष सिंह, एसडीएम मनोज उपाध्याय, सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के अध्यक्ष चन्दप्रकाश ईसरानी, महासचिव सुरेश जसवानी, संरक्षक ईश्वरदास हिमथानी, वासुदेव वाधवानी, पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष साबूमल रीझवानी, महासचिव माधु चांदवानी, उपाध्यक्ष नंदलाल दादलानी, कोषाध्यक्ष गुलाब जेठानी, कपड़ा एसोसियेशन के अध्यक्ष कन्हैयालाल ईसरानी, समाज सेवी डा. अर्जुनदास मंगतानी, शिक्षाविद एवं साधु वासवानी स्कूल संस्थान के सचिव विष्णु गेहानी, संस्कार संस्था के सचिव बसंत चेलानी, गांधीनगर सिंधी पंचायत के अध्यक्ष रमेश हिंगोरानी, सिंधु समाज के अध्यक्ष मोहनलाल चंदनानी, भाजपा मण्डल अध्यक्ष कमल वीधानी, के अलावा समाज सेवी शंकर मेंघानी, मोहन मीरचंदानी आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

1000 फार्म वितरित किए जाएंगे: बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि चूंकि पट्टा प्रदान करने का अन्य कोई उपाय नहीं है इस लिए 31 मार्च 2023 को राजस्व विभाग द्वारा नगरीय क्षेत्रों की शासकीय भूमि में के धारकों के धारणाधिकार के अन्तर्गत सिंधी विस्थापितों के पट्टे प्रदान किए जाएंगे। इसके लिए एक हजार फार्म शनिवार 3 जून से सिंधी सेन्ट्रल पंचायत एवं पूज्य सिंधी पंचायत के माध्यम से संत हिरदाराम नगर के सिंधी परिवारों को घर घर बांटे जाएंगे।

12 जून से लगेगा शिविर: बैठक में यह भी तय किया गया कि एक हजार आवेदन पत्र बांटने के बाद 12 जून सोमवार से साधु वासवानी स्कूल में जिला प्रशासन की तरफ से शिविर का आयोजन किया जाएगा जिसमें सिंधी विस्थापित परिवार जिन्हें मकान, दुकान एवं प्लाट के पट्टे नहीं हैं, आवश्यक कागजातों के साथ फार्म भरकर शिविर में अधिकारियों के पास जमा करेंगे। अधिकारी इनका परीक्षण कर अगले कदम के रूप में पट्टे तैयार कर वितरित करने का काम करेंगे।

वन ट्री हिल्स भूखण्डधारियों के लिए पृथत फार्म: बैठक में यह भी तय किया गया कि चूंकि वन ट्री हिल्स के 500 भूखण्डधारियों की बनी हुई तीन गृह निमार्ण समितियां नव युवक गृह निमार्ण समिति, भारतीय सिंधु गृह निर्माण समिति एवं गांधीनगर सुधार गृह निमार्ण समिति चूंकि भंग है, इसलिए उनके लिए अलग से फार्म छपवाकर जल्द ही वितरित किए जाएंगे।

जमा करनी होगी राशि: बैठक में एसडीएम मनोज उपाध्याय ने बताया कि नव युवक गृह निर्माण समिति को लगभग 7.50 लाख रूपए 200 सदस्यों के जमा करना है, जिसका लेटर उन्हें दे दिया गया है। लगभग इतनी ही राशि भारतीय सिंधु गृह निमार्ण समिति को भी जमा करनी है, जबकि इससे लगभग आधी राशि गांधीनगर सुधार गृह निमार्ण समिति को जमा करनी है। भारतीय सिंधु गृह निर्माण एवं गांधीनगर सुधार गृह निर्माण समिति को भी राशि जाम करने का लेटर जारी किया जा रहा है।

एक व दो प्रतिशत लगेगी प्र-ब्याज राशि: बैठक में विधायक रामेश्वर शर्मा ने यह भी जानकारी दी कि प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री मान्नीय श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर अब पूर्व में जहां 10 प्रतिश्ता प्र-ब्याजी राशि वसूल की जा रही थी, उसे घटाकर 2 प्रतिशत एवं जहां पूर्व 5 प्रतिशत प्र-ब्याजी राशि वसूलने का प्रावधान था, उसे घटाकर एक प्रतिशत किया गया है। इसी तरह 20 वर्गमीटर तक के भूखण्ड वर्तमान बाजार मूल्य के 05 प्रतिशत के बराबर प्रब्याज लेकर वार्षिक भू-भाटक लिया जाएगा।

ईसरानी ने कहा हम जमा करेंगे राशि: बैठक के दौरान कपड़ एसोसियेशन के अध्यक्ष कन्हैयालाल ईसरानी जो कि वन ट्री हिल्स के भूखण्डस्वामी भी हैं, ने घोषणा की कि नव युवक गृह निर्माण समिति को जो 7.50 लाख की राशि का लेटर जारी हुआ है, वह राशि दो दिन के भीतर जमा कर दी जाएगी बाद में प्रत्येक सदस्य से उसका हिस्सा लिया जाएगा। इसका सभी ने तालियां बजाकर स्वागत किया।

सिंधी सेन्ट्रल पंचायत ने सौंपा ज्ञापन: बैठक के दौरान सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी ने विधायक रामेश्वर शर्मा के माध्यम से कलेक्अर आशीष सिंह को 7 सूत्रीय ज्ञापन प्रस्तुत किया जिसमें कलेक्टर को बताया गया कि राजस्व एवं पुर्नवास विभाग के आदेश क्रमांक 6-115/आठ(9)/77 दिनांक 9 जुलाई 1986 एवं क्रमांक 6-144/सात-2बी/89 दिनांक 18-2-1994 के अलावा परिपत्र दिनांक 9 जुलाई 1986 की कंडिका 1(6) के अलावा क्रमांक एफ 22-15/83/28 दिनांक 5 नवम्बर 1998 एवं सितम्बर 1986 अनुसार व्यवस्थापनों को पट्टे देने, नवीनीकरण करने, वारिसों के नाम कन्वेयन्स डीड नामांतरण करने के स्पष्ट आदेश हैं। जिसमें खासतौर पर 4800 वर्गफीट तक की भूमि के लिए प्रब्याजी रूपए 500 तथा वार्षिक भू-भाटक 31.25 रूपए वसूल किया जाए, निर्देश हैं। पट्टा समस्या का किस तरह से निराकरण हो, इसकी जानकारी भी दी गई।

मुख्यंत्री शिवराज सिंह की घोषणाएं: बैठक में जसवानी ने कलेक्टर एवं विधायक को यह भी जानकारी दी कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 28 अप्रैल 2011 को संत हिरदाराम नगर के नव युवक सभा भवन में, 14 अप्रैल 2013 सीएम हाऊस में, 9 फरवरी 2015 को गांधीनगर में, 12 अप्रैल 2015 को फिर मुख्यमंत्री निवास पर, 27 नवम्बर 2016 को न्यू मार्केट स्थित समन्वय भवन में एवं 20 दिसम्बर 2016 को लाल परेड ग्राऊंड के अलावा हाल ही में 20 फरवरी 2023को संत हिरदाराम नगर के हायर सेकण्डरी स्कूल ग्राऊंड पर घोषणा कर चुके हैं कि जो सिंधी परिवार जहां काबिज है, उन्हें वहां का पट्टा प्रदान किया जाए। इसलिए समस्या का जल्द से जल्द निराकरण आवश्यक है।

संत हिरदाराम नगर की बदली तस्वीर, करोड़ों के विकास कार्यों की सौगात

सिंधी सेन्ट्रल पंचायत करेगी विधायक रामेश्वर शर्मा का नागरिक अभिनंदन

संत हिरदाराम नगर। उपनगर की सामाजिक संस्था सिंधी सेन्ट्रल पंचायत ने अरबों के विकास कार्यो से संत हिरदाराम नगर की तस्वीर व तकदीर बदलने वाले हुजूर के भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा का नागरिक अभिनंदन करने का निर्णय लिया है। पंचायत महासचिव सुरेश जसवानी ने बताया कि सालों से उपेक्षित संत हिरदाराम नगर की बीते दो तीन सालों में पूरी तरह से तस्वीर बदलने का प्रयास किया जा रहा है और करोड़ों नहीं बल्कि अरबों के विकास कार्य या तो किए जा रहे हैं, या सम्पन्न हो चुके हैं। इसलिए आगामी विधानसभा चुनाव के पहले रामेश्वर शर्मा का नागरिक अभिनंदन किया जाएगा।

जसवानी ने बताया कि विधायक रामेश्वर शर्मा के प्रयासों से दिसम्बर 2022 से लेकर जून 2023 तक लगभग 20 करोड़ की लगात से सड़कों का कायाकल्प किया जा रहा है, ऐसा आजादी के बाद पहली बार हो रहा है, जब चप्पे चप्पे को पक्का किया जा रहा है। पंचायत पदाधिकारियों ने बताया कि जब से 1948 से तत्कालीन बैरागढ़ की बसावट शुरू हुई, तब से ओवर ब्रिज की मांग की जा रही थी कई सरकारें आई लेकिन मांग पूरी नहीं हो सकी लेकिन विधायक रामेश्वर शर्मा के प्रयासों से न केवल 27 करोड़ की लागत से बिना किसी तोड़फोड और नुकसान पहुंचाए ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य किया जा रहा है बल्कि इसी साल पूरा करने का संकल्प भी लिया गया है। इधर, विधायक रामेश्वर शर्मा के प्रयासों से ही राजधानी का सबसे बड़ा एवं आलीशान संत हिरदाराम गुलाब उद्यान भी बनकर तैयार हो गया है जिसका लोकार्पण स्वामी हिरदाराम के अवतरण दिवस 21 सितम्बर को करने का निर्णय लिया गया है यह उपनगर के बाशिंदों के लिए बहुत बड़ी सौगात है। गुलाब उद्यान में ही स्वामी हिरदाराम जी की पहली प्रतिमा भी स्थापित होगी।

50 लाख का पगड़ी रस्म हाल: जसवानी ने बताया कि तत्कालीन महापौर आलोक शर्मा ने पगड़ी रस्म हाल के लिए 2 करोड़ की राशि स्वीकृत की थी लेकिन उपयुक्त जगह नहीं मिलने के कारण उसका निर्माण आधे में छूट गया लेकिन इस मांग को विधायक रामेश्वर शर्मा ने पूरा कर समस्त सिंधी समाज का दिल जीत लिया है। लगभग 50 लाख की लागत से बोरवन पार्क में पगड़ी रस्म के साथ योगा हाल का निर्माण प्रगति पर है।

डबल डेकर एलेवेटेट ओवर ब्रिज: सिंधी सेन्ट्रल पंचायत ने बताया कि राजधानी भोपाल ही नहीं मध्यप्रदेश में पहला डबल डेकर एलीवेटेड ओवर ब्रिज भी संत हिरदाराम नगर में बनना प्रस्तावित है जिसके लिए लगभग 270 करोड़ की राशि खर्च किए जाने का निर्णय लिया गया है यह डबल डेकर एलीवेटेड ओवर ब्रिज ग्राम लाउखेड़ी से विसर्जन घाट तक लगभग 3 किलो मीटर क्षेत्र में बनेगी जो बहुत बड़ी सौगात होगी।

कथा वाचक प्रदीप मिश्रा की कथा में सिंधी समाज सेवा ट्रस्ट करेगा जल सेवा

संत हिरदाराम नगर। देश के जाने माने सुप्रसिद्ध कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की 10 जून से 14 जून तक 5 दिवसीय शिव पुराण कथा पीपुल्स माल के पीछे होने जा रही है। कथा 2 बजे से 5 बजे तक होगी। कथा में अलग-अलग जगहों से लगभग 5 से 7 लाख लोगों के पहुंचने की संभावना है। इस बड़े आयोजन में सिंधी समाज को जल सेवा का दायित्व दिया गया है यह सेवा सिंधी समाज सेवा ट्रस्ट संत हिरदाराम नगर करेगा। सिंधी समाज सेवा ट्रस्ट लगभग 20 वर्षो से समाज के अतिरिक्त अन्य सभी सभाजों एवं धर्मो की सेवा कर रहा है। श्रद्धालुओं को उक्त सेवा की व्यवस्था के लिये एक बैठक हुई जिसमें यह तय किया किया गया कि जल सेवा के 10 काउन्टर लगाए जायेगें और प्रत्येक काउन्टर पर 10-10 सेवादारी सेवा के लिये मौजूद रहेंगे। शुद्ध जल के लिये वाटर केन एवं बाटल की व्यवस्था की गई है। बैठक में सिन्धी समाज सेवा के ट्रस्टीगण के अतिरिक्त सभी समाज संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कम्युनिकेटिंग विथ कॉन्फिडेंस विषय पर कार्यशाला का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा कम्युनिकेटिंग विथ कॉन्फिडेंस विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं को आवश्यक संचार कौशल से अवगत कराना था। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि छात्राओं को व्यवहारिक प्रायोगिक ज्ञान होना आवश्यक है। अकादमिक और इंडस्ट्री के बीच प्रभावी संबंध स्थापित करने के लिए यह कार्यशालाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विषय विशेषज्ञ डॉ. यशी तिवारी ने विभिन्न जीवंत उदाहरणों द्वारा प्रभावी संगठनात्मक संचार, संचार का महत्व, अनुभूति एवं दृष्टिकोण इत्यादि को सविस्तार प्रभावी ढंग से बताया। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस युग में संचार कौशल की जानकारी होना आवश्यक है। इस कार्यशाला में भोपाल के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों की छात्राओं ने भाग लिया।

थिंक गैस ने बैरागढ़ में सीएनजी स्टेशन खोला

भोपाल। थिंक गैस ने भोपाल के बैरागढ़ में अपना कंप्रेस्ड प्राकृतिक गैस (सीएनजी) स्टेशन लांच कर दिया है। इस नए स्टेशन के खुलने के साथ भोपाल में थिंक गैस का नेटवर्क बढ़कर 26 सीएनजी स्टेशनों पर पहुंच गया है जिससे इस क्षेत्र में लोगों को पर्यावरण अनुकूल एवं सुगम ईंधन विकल्प उपलब्ध कराने की इस कंपनी की दृढ़ प्रतिबद्धता का पता चलता है।

भोपाल-इंदौर राज्य राजमार्ग 28 पर स्थित यह नया सीएनजी स्टेशन, भोपाल में संत हिरदाराम नगर और कॉमर्शियल बस डिपो के पास एक प्रमुख स्थान पर है। इस आदर्श स्थान की वजह से इस क्षेत्र के निवासियों और कारोबारियों के लिए यहां पहुंचना आसान होगा और इस संस्थागत केंद्र की अधिक यातायात की मांग पूर्ति सुनिश्चित होगी। इस इलाके में संत हिरदाराम कोऑपरेटिव सोसाइटी कॉलेज, स्कूल, चिरायु मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल और विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेज और स्कूल मौजूद हैं।

थिंक गैस बैरागढ़ स्टेशन ऑटो, एससीवी, एलसीवी, वाणिज्यिक वाहनों और स्कूल बसों के लिए एक ही जगह पर सभी समाधान उपलब्ध कराएगा और इन वाहनों की सीएनजी भराने की जरूरत प्रभावी और सुविधाजनक तरीके से पूरी करेगा। पारंपरिक ईंधनों का एक विश्वसनीय और किफायती विकल्प पेश कर रही थिंक गैस स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल परिवहन समाधानों को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित है। इसके अलावा, भोपाल के प्रवेश द्वार पर इस स्टेशन का स्थान इंदौर से उज्जैन और देवास यात्रा कर रहे ग्राहकों के लिए अतिरिक्त लाभकारी होगा। इन क्षेत्रों से गुजर रहे लोग अब थिंक गैस बैरागढ़ स्टेशन के साथ एक स्वागत योग्य बदलाव का अनुभव कर सकते हैं जिससे उनकी यात्रा ना केवल सुगम बल्कि पर्यावरण अनुकूल होगी।

अभिजीत देशमुख ने दिव्यांगों के लिए एआई तकनीक का एक्सेसरी डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम लांच किया

भोपाल। डॉ अभिजीत, एक विख्यात सर्जिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट है, जिन्होंने एआई तकनीक के उपयोग के माध्यम से, दिव्यांग समुदाय को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण शुरुआत की। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति का लाभ उठाते हुए, उन्होंने एक अत्याधुनिक सहायक वितरण प्रणाली विकसित करवाई है जो दिव्यांगों को सहायक उपकरण प्रदान करने के तरीके में क्रांति लाएगी।

यह अग्रणी प्रणाली प्रत्येक व्यक्ति की अनूठी जरूरतों और प्राथमिकताओं को समझती है, जो उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप सहायक उपकरण की अनुशंसा और वितरण करने में सक्षम है। एआई की शक्ति का उपयोग करके, दिव्यांग व्यक्तियों को अपने घर के आराम में उच्च-गुणवत्ता, सहायक सामान की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंच प्राप्त होगी, जो उनकी स्वतंत्रता और जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएगी। एआई-संचालित एक्सेसरी डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम विभिन्न स्रोतों से डेटा एकत्र करके काम करता है, जिसमें यूजर फीडबैक, विशेषज्ञ कंसल्टेशन और एक्सेसिबिलिटी दिशानिर्देश शामिल हैं। यह व्यापक दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि चयनित सामान न केवल तकनीकी रूप से उन्नत हैं बल्कि दिव्यांग समुदाय की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एर्गोनॉमिक रूप से डिज़ाइन किए गए हैं। उपयोगकर्ता के फीडबैक के आधार पर सिस्टम निरंतर सीखता और स्वयं को अनुकूलित करता है। डॉ. अभिजीत देशमुख ने कहा कि उनका मिशन विकलांग व्यक्तियों की बाधाओं को दूर करने और पूरी तरह से जीवन जीने के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है। इस अभिनव एआई-संचालित प्रणाली के साथ, उनका लक्ष्य बाधाओं को तोड़ना और अधिक समावेशी समाज बनाना है। सहायक उपकरणों तक आसान पहुंच सुनिश्चित करके, उनका मानना है कि वे विकलांग व्यक्तियों के लिए अधिक स्वतंत्रता, गतिशीलता और समग्र कल्याण के उनके लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। सहायक वितरण प्रणाली के अलावा डॉ. अभिजीत, दिव्यांगों को उनकी यात्रा के दौरान व्यापक समर्थन और मार्गदर्शन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनके विशेषज्ञों की टीम व्यक्तिगत सहायता प्रदान करने, प्रश्नों का उत्तर देने और सभी उपयोगकर्ताओं के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए उपलब्ध है।

अभूतपूर्व एआई-संचालित सहायक वितरण प्रणाली का शुभारंभ, विकलांग समुदाय को सशक्त बनाने की सतत प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर दर्शाता है । इस पहल से अनगिनत विकलांग व्यक्तियों के जीवन पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव को लेकर समुदाय उत्साहित है। हितग्राही से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि सरकार हमें सामान बांटती है लेकिन हमें इतनी गर्मी में वितरण केंद्र के चक्कर लगाने पड़ते हैं। डॉ. अभिजीत देशमुख के प्रयासों से, हमें अपने घर के आराम में उच्च-गुणवत्ता, सहायक सामान की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंच प्राप्त होगी।

छतरपुर नपा होगी नगर निगम, बनेगा मेडिकल कॉलेज का नया भवन

मुख्यमंत्री, छतरपुर के गौरव दिवस और महिला सम्मेलन में हुए शामिल, दी 790 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि महाराज छत्रसाल की स्मृति को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिये छतरपुर में उनका विशाल स्मारक बनाया जायेगा। छतरपुर नगरपालिका को नगर निगम बनायेंगे। जिले के विकास में कोई कोर-कसर छोड़ी नहीं जायेगी। उन्होंने कहा कि छतरपुर मेडिकल कॉलेज के पुराने टेंडर को निरस्त कर नये टेंडर के आदेश दिए गए हैं। जल्द ही छतरपुर में 300 करोड़ रूपये की लागत से नवीन मेडिकल कॉलेज के भवन का निर्माण किया जायेगा। मुख्यमंत्री आज छतरपुर के गौरव दिवस और महिला सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने छतरपुर जिले को अनेक सौगातें देते हुए 790 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि महाराजा छत्रसाल महान योद्धा और शौर्य के प्रतीक थे। उन्होंने हिन्दू स्वराज को स्थापित किया। ऐसे शूरवीर और महापुरुष से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि छतरपुर मेडिकल कॉलेज का निर्माण जिस ठेकेदार द्वारा काफी लम्बे समय से प्रारंभ नहीं किया था उसका टेंडर निरस्त कर दिया गया है। अब नये टेंडर के आदेश दिये गये हैं। शीघ्र ही छतरपुर में मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य शुरू हो जायेगा। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि एक समय था जब बेटियों को बोझ समझा जाता था। प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी योजना ने समाज की सोच को बदल कर बेटी को वरदान बना दिया है। महिला सशक्तिकरण के लिये प्रदेश में अभियान चल रहा है। अनेक योजनाओं से उन्हें आत्म-निर्भरता की ओर अग्रसर किया जा रहा है। हमने स्थानीय चुनावों में आधी सीटें महिलाओं के लिये आरक्षित की हैं, जिसके फलस्वरूप बड़ी संख्या में महिलाएँ आज पंच, सरपंच, पार्षद आदि पदों पर विराजमान है। बेटियों और महिलाओं के महत्व को बढ़ाने के लिये मध्यप्रदेश में सामाजिक क्रांति हुई है। महिलाओं के नाम संपत्ति खरीदने पर पंजीयन शुल्क में छूट दी गई है। प्रधानमंत्री आवास पति-पत्नि दोनों के नाम से है। भू-अधिकार पट्टे भी पति-पत्नि के नाम से दिये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने गरीब बहनों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये लाड़ली बहना योजना को लागू कर प्रदेश की सवा करोड़ बहनों के खाते में एक-एक हजार रूपये 10 जून से डालने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि 8 जून को प्रदेश में विशेष ग्रामसभाएँ होगी, जिसमें पात्र बहनों के नाम बताये जायेंगे। स्वीकृति-पत्र घर पहुँचाया जाएगा। उन्होंने लाड़ली बहनों से कहा कि वे 9 जून की शाम गाँव में गीत गाये, उनके खाते में पैसा आने वाला है। सभी गाँवों में 10 जून की शाम 5 बजे कार्यक्रम होंगे और शाम 6 बजे मैं स्वंय महिलाओं से वर्चुअली चर्चा करूँगा। उसके बाद बहनों के खातों में योजना की राशि अंतरित की जायेगी। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रत्येक ग्राम एवं वार्डों में लाड़ली बहना सेना का गठन होगा। छोटे गाँव में 11 तथा बड़े गाँव में 21 बहनों की सेना बनेगी।

उन्होंने कहा कि मेरा प्रयास है कि आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूहों की बहनों की आय प्रतिमाह 10 हजार हो। इन प्रयासों के चलते हमारी बहुत सी बहनें लखपति क्लब में शामिल हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि शराब की दुकान के साथ लगे अहाते बंद करने का निर्णय लिया जा चुका है। कक्षा 12वीं में ज्यादा नम्बर लाने वाली बालिकाओं को स्कूटी देने का निर्णय भी लिया गया है। गरीबों को पीएम आवास और जमीन का पट्टा देकर जमीन का मालिक बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती पर आतंकवाद नहीं पनपने दिया जाएगा। आतंकवाद की गतिविधियों में लिप्त लोगों को जेल भेजा गया है। दमोह में एक स्कूल की घटना पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि मामले की जाँच कराई जा रही है, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्ज माफी नहीं होने से जो किसान डिफाल्टर हो गये थे, उनके ब्याज की राशि राज्य सरकार द्वारा भरी जायेगी। केन-बेतवा लिंक परियोजना से बुन्देलखण्ड क्षेत्र में सिंचाई क्रांति आयेगी। जिले के प्रभारी और राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि राज्य सरकार ने छतरपुर के साथ कभी भेदभाव नहीं किया। हमेशा छतरपुर और सागर सहित पूरे बुंदेलखंड के विकास के लिए अनेक योजनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि सागर में केंद्रीय विश्वविद्यालय बनने के बाद छतरपुर में महाराजा छत्रसाल विश्वविद्यालय को राज्य स्तरीय विश्वविद्यालय बनाया गया है। आज 5 करोड़ 12 लाख रुपए की लागत से भवन का लोकार्पण किया गया है।

मप्र सहित चार राज्यों में चुनाव की तैयारियां तेज करने के निर्देश

भोपाल। नवंबर में चार राज्यों में होने वाले मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग ने तैयारी तेज कर दी है। मुख्य सचिव और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि उन अधिकारियों के तबादले किए जाएं, जो गृह जिले में पदस्थ हैं। साथ ही जिन्हें चार वर्ष की अवधि में एक स्थान पर पदस्थ रहते तीन वर्ष हो चुके हैं। इसके दायरे में चुनाव कार्य में संलग्न अधिकारियों के अलावा अन्य समकक्ष अधिकारी भी आएंगे। आयोग के वरिष्ठ प्रमुख सचिव नरेंद्र एन बुटोलिया ने शुक्रवार को मुख्य सचिव और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को दिए निर्देश में कहा कि 31 जनवरी 2024 की स्थिति में जिन अधिकारियों को एक स्थान पर पदस्थ रहते हुए तीन वर्ष हो चुके हैं या गृह जिले में पदस्थ हैं, उन्हें स्थानांतरित किया जाए।

इस दायरे में जिला व उप निर्वाचन पदाधिकारी, रिटर्निंग आफिसर, सहायक रिटर्निंग आफिसर, राजिस्ट्रीकरण व सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के साथ अतिरिक्त, संयुक्त व उप कलेक्टर, तहसीलदार, विकासखंड और समकक्ष श्रेणी के अधिकारी आएंगे। इसके अलावा पुलिस महानिरीक्षक, उप महानिरीक्षक, कमांडेंट, पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक, निरीक्षक, उप निरीक्षक, रक्षित निरीक्षक और समकक्ष श्रेणी के अधिकारियों के भी तबादले किए जाएंगे।

निर्वाचन आयोग ने निर्देश दिए हैं कि एक स्थान पर पदस्थ रहते हुए जिन अधिकारियों को तीन वर्ष हो चुके हैं, उन्हें स्थानांतरित कर पालन प्रतिवेदन 31 जुलाई तक देना होगा। यह प्रतिवेदन मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक द्वारा आयोग को दिया जाएगा। इसके बाद यदि कोई अधिकारी ऐसा पाया जाता है जिसे तीन साल एक स्थान पर पदस्थ रहते हुए हो गए हैं और उसे नहीं हटाया गया है तो आयोग अपने स्तर से उस पर कार्रवाई करेगा। 15वीं विधानसभा का कार्यकाल छह जनवरी 2024 को पूरा हो रहा है। इसके पूर्व चुनाव प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

अंतरराज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश, 250 से अधिक बाइक बरामद और 25 आरोपी गिरफ्तार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के दिशा-निर्देशन में अपराधों पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। डीजीपी सुधीर कुमार सक्सेना के मार्गदर्शन में अंतरराज्यीय बाइक चोर गिरोह के सदस्यों को पकड़ा जा रहा है और चोरी की गई बाइक बरामद की जा रही हैं। इन चोरों तक पहुंचने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस ना केवल तकनीक की मदद ले रही है, बल्कि सघन जांच अभियान चलाकर उन्हें पकड़ रही है। इसी के अंतर्गत राजधानी भोपाल सहित जबलपुर और धार जिले में पुलिस ने तत्परतापूर्वक कार्रवाई करते हुए कई बाइक चोरों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है, जिनमें अंतरराज्यीय गिरोह के सदस्य भी शामिल हैं। पुलिस ने धार, इन्दौर, झाबुआ, अलीराजपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, देवास, उज्जैन, जबलपुर, कटनी, हरदा और नरसिंहपुर सहित प्रदेशभर में कार्रवाई करते हुए ऐसे गिरोह के सदस्यों को पकड़ा है, जो अन्य राज्यों में भी मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। पुलिस ने अलग-अलग गिरोह के 25 से अधिक आरोपियों को पकड़कर उनसे 250 से अधिक बाइक बरामद की हैं।

लाखों रुपये कीमत की मोटरसाइकिलें जब्तः मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा अभियान चलाकर बाइक चोरों की धरपकड़ की जा रही है। जबलपुर जिले के 15 थानों द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान लाखों रुपये कीमत की 125 मोटरसाइकिलें जब्त कर 15 आरोपियों को गिरफ्तार करने में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वहीं धार जिले की पीथमपुर पुलिस ने 50 लाख रुपये कीमत की 81 मोटरसाइकिलें जब्त कर चार आरोपियों को गिरफ्तार करने में व बाग पुलिस ने लगभग 25 लाख रुपये की 40 मोटरसाइकिलें जब्त कर चार आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में आरोपियों ने मध्य प्रदेश के 9 जिलों और गुजरात में बाइक चोरी की वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। इसी तरह राजधानी भोपाल में बाइक चोरों पर कार्रवाई करते हुए ऐशबाग थाना क्षेत्र से 11 लाख रुपये कीमत की 10 बाइक जब्त कर एक आरोपी को व रातीबड़ से 3 बाइक जब्त कर एक आरोपी को पकड़ा है।

इस तरह हुई आरोपियों की गिरफ्तारीः धार जिले के बाग थाना प्रभारी रणजीत बघेल को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि तीन बाइक चोर मोटरसाइकिल से बाग से टांडा जाने वाले हैं। थाने के समीप टांडा बायपास पर वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस को मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए वाले चार लोग दो मोटरसाइकिलों पर आते दिखे। वाहन के कागजात मांगने पर उन्होंने असमर्थता व्यक्त की। पुलिस द्वारा सख्ती से पूछताछ किए जाने पर उन्होंने बाइक चोरी किए जाने की बात कबूल ली। गिरफ्तार करने के पश्चात उन्होंने अन्य बाइक चोरी की वारदातों को अंजाम देना भी स्वीकार किया और बताया कि चुराई गई बाइक मगरदा में हैं। इसी प्रकार धार जिले के पीथमपुर थाने में 8 मई को शाम करीब 8 बजे आरक्षक दिलीप को मुखबिर ने सूचना दी कि पीथमपुर में सेक्टर 3 में मोटरसाइकिल चोरों की टोली देखी गई है। इस संबंध में थाना प्रभारी समीर पाटीदार को अवगत कराने पर उन्होंने तुरंत टीम गठित कर एमपीआरडीसी रोड, जेबीएम कंपनी, खंडहर के पीछे घेराबंदी की और मुखबिर के बताये हुलिये के आधार पर चार बाइक चोरों को गिरफ्तार किया।

डुप्लीकेट चाबी से ताला खोलकर चुराते थे बाइकः जबलपुर में भी बाइक चोरी की शिकायतें मिलने और मुखबिर की सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने सक्रियतापूर्वक कार्रवाई करते हुए सैकड़ों मोटरसाइकिलें बरामद करने में सफलता प्राप्त की। इसके लिए क्राइम ब्रांच जबलपुर व जिले के समस्त थानों के द्वारा वाहन चोरों के विरुद्ध लगातार 1 माह तक अभियान चलाया गया । जबलपुर पुलिस ने जबलपुर जिले सहित कटनी, हरदा और नरसिंहपुर जिले से चोरी हुए वाहनों को जब्त किया है। इस कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में चोरों से बाइक बरामद की गईं। पूछताछ के दौरान चोरों ने बताया कि ये आरोपी सार्वजनिक स्थानों पर खड़े वाहनों को डुप्लीकेट चाबी से खोल कर वाहन चोरी कर लेते थे।

राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का पांच दिवसीय निर्वाचन संबंधी प्रशिक्षण 5 से

भोपाल। विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों को लेकर राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री अनुपम राजन ने बताया कि आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी में प्रदेश के 160 राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को निर्वाचन संबंधी प्रशिक्षण (थीम वाइस) दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण पाँच दिवसीय होगा, जो 5 से 9 जून तक चलेगा। 12 नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर्स द्वारा राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह 80-80 के दो बैच में होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सभी राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को आयोग द्वारा 19 जून से 15 जुलाई के मध्य दो दिवसीय प्रशिक्षण (इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट) दिल्ली में दिया जाएगा। इसके बाद 16 जुलाई से 31 जुलाई के मध्य राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को पुनः 2 दिवसीय थीम वाइस प्रशिक्षण राज्य स्तर पर दिया जाएगा।

स्व. कैलाश नारायण सारंग की जयंती पर मना मातृ-पितृ भक्ति दिवस

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भाजपा के संस्थापक सदस्य पूर्व सांसद स्व. कैलाश नारायण सारंग की जयंती को संपूर्ण देश में मातृ-पितृ भक्ति दिवस के रूप में मनाया गया। नरेला विधानसभा के सभी 17 वार्ड में मंत्री सारंग के साथ कार्यकर्ताओं ने 35 हज़ार से अधिक बुजुर्गों के पांव पखारने के साथ ही आरती उतार कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर सभी वृद्धजन भाव-विभोर नज़र आये। सभी ने मंत्री सारंग द्वारा किये गये सम्मान को सहर्ष स्वीकार कर उन्हें आशीर्वाद दिया। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर भी हैशटैग मातृपितृभक्ति दिवस के साथ खासकर युवा पीढ़ी ने अपने माता-पिता के साथ ही आसपास के वृद्धजनों को सम्मानित कर उनके फोटो-वीडियो फेसबुक, ट्विटर समेत विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड किये। मंत्री सारंग ने नरेला विधानसभा क्षेत्र के वृद्धजनों का सम्मान किया।

स्वच्छ, सुरक्षित जल उपलब्धता में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पर्याप्त मात्रा के साथ स्वच्छ जल की उपलब्धता जल जीवन मिशन का प्रमुख घटक है। सुरक्षित और स्वच्छ जल की उपलब्धता के लिए केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा स्वच्छ जल से सुरक्षा (एसजेएसएस) अभियान चलाया गया। अभियान की रिपोर्ट में मध्यप्रदेश को अग्रणी राज्य में शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर शुद्ध जल पहुँचाने के संकल्प में मध्यप्रदेश सरकार तेज़ी से कार्य कर रही है। स्वच्छ जल से सुरक्षा अभियान की उपलब्धि मध्यप्रदेश के विकास के जन-भागीदारी मॉडल का एक और सशक्त उदाहरण है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में सरकार एवं नागरिक कंधे से कंधा मिलाकर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी राज्य मंत्री बृजेन्द्र सिंह यादव ने इस उपलब्धि पर विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, नागरिकों एवं टेस्टिंग प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करने वाली समस्त महिलाओं को बधाई दी है। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा देशव्यापी अभियान में 2 अक्टूबर, 2022 से 31 मार्च, 2023 की अवधि में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में पानी की गुणवत्ता की निगरानी और निरीक्षण की गतिविधियाँ का मूल्यांकन किया गया। अभियान का लक्ष्य जल गुणवत्ता परीक्षण के लिए ग्राम, जिला एवं राज्य स्तर पर व्यापक जन-भागीदारी और पानी की गुणवत्ता के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना है।

अभियान में रासायनिक मापदंडों और जीवाणुतत्व संबंधी मापदंडों (मानसून के बाद) का पता लगाने के लिए सभी गाँवों में पीडब्ल्यूएस स्रोतों का परीक्षण, गाँवों में घरेलू स्तर पर पानी की गुणवत्ता का परीक्षण, स्कूलों एवं आँगनवाड़ी केंद्रों में पानी की गुणवत्ता का परीक्षण, दूषित नमूनों के लिए किए गए उपचारात्मक कार्य, ग्रामीण स्तर पर एफटीके/एच2एस किट का उपयोग कर जल गुणवत्ता परीक्षण करने के लिए महिलाओं का प्रशिक्षण आदि गतिविधियाँ शामिल हैं।

एम्स में फाइब्रोस्कैन सेवाएं शुरू की

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

हाल ही में अत्याधुनिक फाइब्रोस्कैन मशीन के अधिग्रहण के बाद, एम्स भोपाल गर्व से फाइब्रोस्कैन सेवाओं की शुरुआत की घोषणा करता है । इस उन्नत चिकित्सा उपकरण का उद्घाटन दिनांक 2 जून 2023 को एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक डॉ. अजय सिंह की गरिमामय उपस्थिति में हुआ । यह विकास स्वास्थ्य सेवाओं में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि एम्स भोपाल इस अत्याधुनिक तकनीक को रखने वाला मध्य प्रदेश का पहला सरकारी संस्थान बन गया है। फाइब्रोस्कैन मशीन, जो अब एम्स भोपाल में काम कर रही है, लीवर की विभिन्न बीमारियों के निदान और उपचार में क्रांति लाने के लिए तैयार है । अल्कोहलिक लिवर डिजीज, वायरल हेपेटाइटिस, नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज और मेटाबॉलिक सिंड्रोम से पीड़ित मरीजों को इस इनोवेटिव डायग्नोस्टिक टेस्ट से काफी फायदा होगा । फैटी लीवर और फाइब्रोसिस के चरण के बारे में सटीक जानकारी प्रदान करके, फाइब्रोस्कैन मशीन लीवर बायोप्सी जैसी आक्रामक प्रक्रियाओं के लिए एक गैर-इनवेसिव और समय-कुशल विकल्प प्रदान करती है।

इस नई तकनीक का एक प्रमुख लाभ इसकी लागत-प्रभावशीलता है। जहां निजी अस्पतालों में फाइब्रोस्कैन परीक्षण आमतौर पर लगभग 5000 रु. में होता है, मरीज अब एम्स भोपाल में काफी कम दर पर समान सेवा का लाभ उठा सकते हैं । यह पहल एम्स भोपाल की उन्नत चिकित्सा सुविधाओं को समाज के सभी वर्गों के लिए सुलभ और सस्ती बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

फाइब्रोस्कैन सेवाएं चाहने वाले मरीज किसी भी कार्य दिवस पर एम्स भोपाल में मेडिसिन ओपीडी से परामर्श कर सकते हैं । एम्स भोपाल के विशेषज्ञ चिकित्सा पेशेवर उच्चतम स्तर की देखभाल प्रदान करने और बेहतर रोगी परिणामों के लिए सटीक निदान सुनिश्चित करने के लिए समर्पित हैं ।

उद्यमिता में मेहनत से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा: राज्यपाल

उज्जैन में किया राष्ट्रीय उद्यमिता जागरूकता शिविर का शुभारंभ

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि महिलाओं ने उद्यमिता के क्षेत्र में जो मेहनत की है, उससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। संकल्प और शक्ति हमारी मातृ शक्ति की पहचान है। मातृ शक्ति लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए परिश्रम की पराकाष्ठा कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश, महिलाओं के विकास के विजन को लेकर आगे बढ़ रहा है। इस बार का केंद्रीय बजट भी इसी बात को रेखांकित करता है। महिलाओं को जी-20 से वैश्विक मंच मिल रहा है। आज विकास के मामले में 5 उद्यमियों में से एक उद्यमी महिला उभर कर सामने आ रही है। महिलाओं के आर्थिक विकास के मामले में स्व-सहायता समूह ने उल्लेखनीय कार्य किया है। कई वंचित वर्ग की महिलाओं ने अपने आप को साबित करते हुए न केवल परिवार बल्कि देश की अर्थ-व्यवस्था में योगदान दिया है। स्व-सहायता समूह में जो बेटियाँ और बहनें आगे बढ़ रही हैं वे पारिवारिक जिम्मेदारी का निर्वहन भी कर रही है। केंद्र शासन द्वारा मुद्रा एवं स्टार्टअप योजनाओं से महिलाओं के विकास के नए आयाम खोल दिए हैं। उन्होंने कहा कि उद्यमिता के लिए यह जागरूकता कार्यक्रम सीखने की प्रक्रिया को और तेज करेगा। इसके पहले राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और अतिथियों ने दीप जला कर विक्रम कीर्ति मन्दिर उज्जैन में भारतीय उद्यमिता संस्थान एवं राष्ट्रीय महिला आयोग के एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर की शुरूआत की। केंद्रीय बाल महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्री मुंजपरा महेंद्रभाई ने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं के विकास का एजेंडा लेकर चल रही है। उनके सशक्तिकरण के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। आज आवश्यकता है ऐसा इकोसिस्टम विकसित करने की जिससे महिला उद्यमियों की केपेसिटी बिल्डिंग की जा सके। केंद्र सरकार की मुद्रा योजना, स्टार्टअप योजना और प्रधानमंत्री जन-धन खातों ने महिलाओं को सशक्त करने में उल्लेखनीय कार्य किया है।

अध्यक्ष राष्ट्रीय महिला आयोग सुश्री रेखा शर्मा ने कहा कि देश की आधी आबादी महिलाओं की है, यदि इन्हें हम पीछे छोड़ देंगे तो आर्थिक प्रगति बाधित होगी। आज भारत में स्टार्टअप में महिलाएँ सबसे आगे हैं। यही नहीं 60 प्रतिशत महिलाएँ ऋण लेकर उद्यम चला चला रही हैं। केन्द्र सरकार ने भी महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई योजनाएँ संचालित कर रखी हैं। आवश्यकता है तो महिलाओं के लिए नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म की, जहाँ वे अपनी बात रख सकें। साथ ही उनकी मेंटरशिप की भी अत्यधिक आवश्यकता है। संचालक भारतीय उद्यमिता संस्थान श्री सुनील शुक्ला ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में जिस तरह से भारत का विकास हो रहा है, उसमें महिलाओं की भागीदारी स्पष्ट रूप से दिख रही है। उद्यमिता संस्थान 40 वर्षों से लगातार देश में कार्य कर रहा है। महिलाओं में चेतना आई है। इससे वे उद्यमिता में आगे आ रही हैं। उन्होंने कहा कि उद्यमी पैदा नहीं होते बनाये जाते हैं। इसी उद्देश्य को लेकर उनका संस्थान कार्य कर रहा है। राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य सचिव श्रीमती मीनाक्षी नेगी ने स्वागत भाषण दिया। श्री अमित द्विवेदी ने आभार माना।

स म्पा द की य

अठारह साल बाद मास्टर प्लान

अंतत: अठारह साल बाद राजधानी भोपाल का मास्टर प्लान जारी कर दिया गया। मास्टर प्लान यानि शहर के नियोजन की योजना। कहा तो जा रहा है कि बड़े तालाब, वन क्षेत्र और विशेषकर टाइगर भ्रमण के इलाके को संरक्षित किया जा रहा है, देखना होगा कि इसमें प्रशासन कितना सफल होता है। और शहर के रहसासियों का इसमें कितना सहयोग मिलता है। अभी दावे और आपत्तियों के लिए एक महीने का समय दिया गया है, सो देखना होगा कि दावों-आपत्तियों के बोझ से दबकर कहीं जारी हुआ मास्टर प्लान लागू ही न हो पाए।

भोपाल के मास्टर प्लान-2031 का ड्राफ्ट शुक्रवार को प्रदेश सरकार ने जारी कर दिया है। इसमें वर्ष 2021 में आई आपत्तियों और सुझावों को भी शामिल किया गया है। कलियासोत-केरवा डैम के आसपास के क्षेत्र, जहां टाइगर मूवमेंट और घना वन क्षेत्र है, उस इलाके में निर्माण पर रोक लगी रहेगी। यानी कि इसे ग्रीन बेल्ट के दायरे में रखा गया है। वहीं, 400 हेक्टेयर जमीन भी वन विभाग को दी गई है, ताकि भविष्य में सरकारी भवन भी यहां न बन सके। सतगढ़ी में स्पोर्ट्स सिटी बनाने का प्रस्ताव है। कुछ इलाकों में सड़कों के चौड़ीकरण आदि को लेकर बीच का रास्ता निकाला गया है, ताकि फिर से उसे लेकर आपत्ति

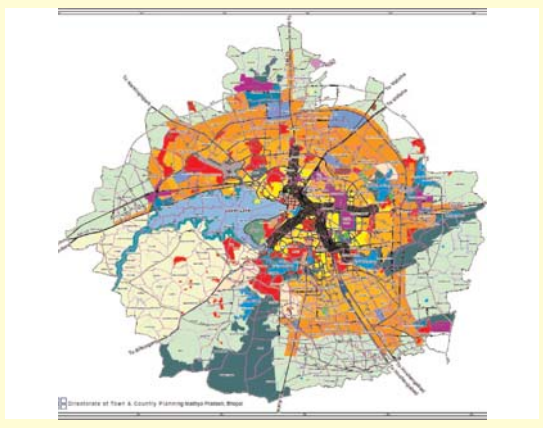

न आए।

पिछले छह महीने से लगातर मास्टर प्लान को लेकर बैठकों का दौर चल रहा था। आखिरकार, शुक्रवार को दिनभर चली सुगबुगाहट के बाद ड्राफ्ट जारी कर दिया गया। दावे-आपत्तियों के लिए 30 दिन का समय दिया गया है। भोपाल का आखिरी मास्टर प्लान 1995 में जारी किया गया था, जो 2005 में समाप्त हो गया था। इसके बाद से मास्टर प्लान का इंतजार किया जा रहा था। हालांकि, बीच में तीन बार मास्टर प्लान को लेकर कवायदें होती रहीं। 2021 में तो इसे लेकर दावे-आपत्ति भी बुलाए गए थे। हालांकि, इसमें कई बड़े संशोधन किए जाने थे। बड़ा तालाब के कैचमेंट एरिया, टाइगर मूवमेंट एरिया, सड़कों आदि को लेकर यह संशोधन थे। इसके चलते यह ड्राफ्ट जारी नहीं हो सका था।

करीब 12 महत्वपूर्ण संशोधन के साथ प्लान तैयार किया गया है। इसमें बड़ा तालाब के संरक्षण, केरवा डेम के जलभराव क्षेत्र समेत शहर की सड़कों की चौड़ाई पर विशेष फोकस किया गया है। शहर के ग्राम मेंडोरा, मेंडोरी, चिचली, खुशालपुरा, महुआखेड़ा, बरखेड़ी, बाज्याफत, रातीबड़, बरखेड़ीखुर्द, भानपुर, केकड़िया, चंदनपुरा, छावनी, खुदागंज, बरखेड़ा नाथू, गौरा में मार्ग को लेकर प्रस्ताव है। इसमें कुछ संशोधन है, क्योंकि कलियासोत-केरवा डैम के पास ग्राम रातापानी से ग्राम मेंडोरा-चंदनपुरा तक वन क्षेत्र फैला है। इस क्षेत्र में बाघों की उपस्थिति होने के कारण यह संवेदनशील क्षेत्र है। बाघों के संरक्षण, वन, ग्रीन बेल्ट आदि को ध्यान में रखते हुए यहां पर निर्माण पर रोक लगाई गई है। यहां की करीब 400 हेक्टेयर जमीन फॉरेस्ट डिपॉर्टमेंट को दे दी गई है। इससे यहां सरकारी बिल्डिंग भी नहीं बन सकेगी। प्राइवेट निर्माण पर भी रोक रहेगी।

लेकिन देखना यह भी होगा कि पहले से संरक्षित क्षेत्रों में जो निर्माण हो चुके हैं, क्या वो सही हैं। वैसे राजनीतिक और प्रशासनिक क्षेत्रों में दखल रखने वाले लोगों ने तो बड़े तालाब और छोटे झाड़ के जंगल वाले क्षेत्रों में भी अनुमतियां ले ली हैं और इस मास्टर प्लान में उन जगहों को भी छोड़ दिया गया है। बनाने वालों के लिए यह कोई बड़ी बात नहीं है और मुश्किल भी नहीं आती। जो चाहें, संशोधन कर लें। और वैसे सही बात तो यही है कि इसी कारण तो अठारह बरस से मास्टर प्लान लागू ही नहीं हो पा रहा था। लागू तो ठीक, बन ही नहीं पा रहा था। बनता, फिर संशोधन के लिए रख लिया जाता।

राजधानी और इसके आसपास के इलाकों में सबसे बड़ी समस्या अतिक्रमण की है। और अधिकांश अतिक्रमण प्रभावशाली लोग करते हैं या करवाते हैं। कह सकते हैं कि अधिकांश अतिक्रमण प्रशासनिक, राजनीतिक और कतिपय व्यवसायियों के नेटवर्क के चलते ही हुए हैं और हो रहे हैं। हाल ही में उन स्थानों पर भी निर्माण की अनुमति विशेष लोगों को दी गई है, जहां दूसरे लोगों को अनुमति नहीं दी गई। और तो और, वहां से लोगों को बलपूर्वक हटाया गया। शाहपुरा तालाब के इर्दगिर्द तो कई कालोनियां ही कैचमेंट में बन गईं, प्रभावशाली लोगों के ही कारण। उन्हें न केवल पैसे मिलते हैं, अपितु प्लाट और मकान भी मिल जाते हैं। एक दर्जन से अधिक प्रशासनिक अधिकारियों के आवास बिना अनुमति के ही ताने गए हैं, उन्हें देखने वाला कोई नहीं।

खैर..फिलहाल नया मास्टर प्लान आ गया है। उम्मीद है कि तीन महीने के भीतर लागू भी हो जाएगा। शायद इस सरकार के कार्यकाल में ही। कहा जा रहा है कि जल्द लागू भी कुछ लोगों के कारण ही हो रहा है, जिनका बड़ा निवेश है। फिर भी, टाइगर और वन क्षेत्र को सुरक्षित छोड़ने पर ही अमल हो जाए, तो कुछ राहत मिले। और बड़े तालाब सहित तमाम अन्य तालाबों, जल संरचनाओं को यदि जीवनदान मिल जाए तो शायद इस शहर को भी नया जीवन मिल सकता है। कुछ तालाब तो राजनीतिक, प्रशासनिक और बिल्डर माफिया की भेंट चढ़ चुके हैं, अब भी चेत जाएं।

जब राजद्रोह राष्ट्रभक्ति की जरूरत बन जाए

ब्रह्मदीप अलूने

सरकार के प्रति अच्छी राय रखने वाले विचारों को ही केवल अस्तित्व में या सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होना चाहिये,क्योंकि गलत राय सरकार और राजशाही दोनों के लिये नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर सकती थी। यह विचार सत्रहवीं सदी मे ब्रिटेन मे राजशाही को मजबूत बनाएं रखने के लिए कानून के रूप मे अधिनियमित किया गया था। बाद मे भारत मे भी अंग्रेजों को इसकी जरूरत 1857 की क्रांति के बाद महसूस हुई। 1870 में संभावित विद्रोह के डर से औपनिवेशिक शासकों द्वारा देशद्रोह कानून को भारतीय दंड संहिता या आईपीसी में शामिल किया गया था।

आजादी के आंदोलन मे इस कानून का अंग्रेजों के खूब दुरुपयोग किया। सरकार की नीतियों के खिलाफ लिखने,बोलने और प्रस्तुत करने के आरोप मे आजादी के कई मतवाले काल कोठरी मे कैद कर दिए गए। बापू अपने विचारों को व्यक्त करने से पीछे नहीं हटते थे। वे कहते भी की बिना अभिव्यक्ति के आजादी निरर्थक है। उन्होंने साप्ताहिक अखबार यंग इंडिया मे अंग्रेजी सरकार की नीतियों की आलोचना की। नतीजा यह हुआ की बिरिटीश पुलिस ने उन्हे गिरफ्तार कर लिया और बाद मे अदालत ने उन्हे लोगों को सत्ता के खिलाफ भड़काने के आरोप मे छह साल की कैद की सजा सुना दी। यह पहली बार नहीं था। इसके पहले 1891 अंग्रेजों ने बंगबासी अखबार के संपादक जोगेंद्र चंद्र बोस के खिलाफ पहला मामला दर्ज किया था। उन्होंने एज आफ कांस्टेंट बिल का विरोध किया था। 1908 मे बालगंगाधर तिलक ने चापेकर बंधुओं को फांसी की सजा देने पर अंग्रेज सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए निंदा की थी,नतीजा उन्हे देशद्रोही बताया गया था। इसी प्रकार 1921 मे स्वर्ण मंदिर के मामलों में अंग्रेजों के बढ़ते हस्तक्षेप के खिलाफ राजनेता और धार्मिक संगठन के प्रमुख मास्टर तारा सिंह के भाषण को राजद्रोह माना गया था।

देश का संविधान लिखा जा रहा था तब इस कानून पर खूब बहस हुई। यह कहा गया की धारा 124 औपनिवेशिक विरासत का अवशेष है और एक लोकतंत्र में अनुपयुक्त है। यह वाक् और अभिव्यक्ति की संवैधानिक गारंटीकृत स्वतंत्रता के वैध अभ्यास में एक अवरोध है। फिर भी इस कानून को हटाने पर सर्वसम्मति नहीं बन पाई। फिर अदालत ने इस पर संज्ञान लिया। 1950 के दशक में दो अलग-अलग उच्च न्यायालयों ने धारा 124ए को स्वतंत्रता का उल्लंघन मानते हुए निरस्त कर दिया था। एस.जी. वोम्बटकेरे बनाम भारत संघ मामले में में दिये गए एक संक्षिप्त आदेश में सर्वोच्च न्यायालय की तीन-न्यायाधीशों की खंडपीठ ने भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए के कार्यान्वयन को प्रभावी ढंग से निलंबित

कर दिया। लेकिन 1962 में केदारनाथ सिंह बनाम बिहार राज्य मामले में सर्वोच्च न्यायालय की पाँच न्यायाधीशों की पीठ ने इन फैसलों को उलट दिया। न्यायालय ने पाया कि धारा 124ए लोक व्यवस्था के आधार पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर एक वैध प्रतिबंध के रूप में बचाव-योग्य है।

देशद्रोह को अपराध घोषित करने वाले इस प्रावधान का इस्तेमाल आज़ादी के बाद के क्रमिक शासनों द्वारा लोकतांत्रिक असंतोष के दमन के लिये किया गया है। लोकतान्त्रिक और आजाद भारत मे देशद्रोहिता के आरोप मे जो मुकदमे दर्ज किए गए,वे भी बड़े दिलचस्प है। पाटीदार आंदोलन को हवा देने वाले हार्दिक पटेल राजद्रोह के जिम्मेदार ठहराएं गए तो 2003 में राज्य सरकार के खिलाफ भाषण देने पर राजस्थान सरकार ने विहिप नेता प्रवीण तोगडिया के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज कर लिया। महाराष्ट्र में राज्य सरकार के खिलाफ विरोध करने और मातोश्री के सामने हनुमान चालीसा पाठ करने को लेकर सांसद नवनीत राणा व विधायक पति रवि राणा के खिलाफ राज्य सरकार ने इसी धारा के तहत केस दर्ज किया था। तमिलनाडु के कुंडकुलम में एक गाँव पर इसलिये देशद्रोह कानून थोप दिया गया था, क्योंकि वे वहाँ परमाणु सयंत्र बनाए जाने के पक्ष में नहीं थे। इतना ही नहीं,2014 में झारखंड में तो विस्थापन का विरोध कर रहे आदिवासियों पर भी देशद्रोह कानून चलाया गया था।

देश मे राजद्रोह कानून की वर्तमान में स्थिति यह है की यह भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए के तहत राजद्रोह एक अपराध है। यह कानून राजद्रोह को एक ऐसे अपराध के रूप में परिभाषित करता है जिसमें किसी व्यक्ति द्वारा भारत में कानूनी तौर पर स्थापित सरकार के प्रति मौखिक,लिखित,संकेतों या दृश्य रूप में घृणा या अवमानना या उत्तेजना पैदा करने का प्रयत्न किया जाता है। विद्रोह में वैमनस्य और शत्रुता की सभी भावनाएँ शामिल होती हैं। हालाँकि इस खंड के तहत घृणा या अवमानना फैलाने की कोशिश किये बिना की गई टिप्पणियों को अपराध की श्रेणी में शामिल नहीं किया जाता है। राजद्रोह गैर-जमानती अपराध है। राजद्रोह के अपराध में तीन वर्ष से लेकर उम्रकैद तक की सज़ा हो सकती है और इसके साथ जुर्माना भी लगाया जा सकता है। इस कानून के तहत आरोपित व्यक्ति को सरकारी नौकरी प्राप्त करने से रोका जा सकता है। आरोपित व्यक्ति को पासपोर्ट के बिना रहना होता है,साथ ही आवश्यकता पड़ने पर उसे न्यायालय में पेश होना ज़रूरी है। दो साल पहले यह कानून तब फिर चर्चा मे आया जब सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई थी,जिसमें देशद्रोह कानून पर फिर से विचार करने की मांग की गई थी। न्यायालय ने कहा,सरकार के प्रति असंतोष की असंवैधानिक रूप से अस्पष्ट परिभाषाओं के आधार पर स्वतंत्र अभिव्यक्ति का अपराधीकरण करने वाला कोई भी कानून भारतीय संविधान मे उल्लेखित अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार पर अनुचित प्रतिबंध है और संवैधानिक रूप से अनुमेय भाषण पर दृरुतशीतन प्रभाव का कारण बनता है।

अब विधि आयोग ने इस विवादित क़ानून को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी बताया है. यहीं नहीं रिपोर्ट मे यह भी कहा गया है की भारत की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित रखने के लिए यह कानून ज़रूरी है। आयोग ने कहा है कि ये क़ानून हटाने के लिए सिर्फ़ ये वजह काफ़ी नहीं है कि ये क़ानून औपनिवेशिक दौर का है। भारतीय लोकतंत्र मे आंतरिक सुरक्षा के लिए इस कानून को बनाएं रखने का अर्थ यह है की सत्ता के खिलाफ लिखने, बोलने या दृश्य फिल्म की प्रस्तुति पर राजद्रोह हो सकता है। आधुनिक लोकतंत्र मे यह विश्वास किया जाता है की संविचार की स्वतंत्रता का अधिकार,अंतरात्मा की स्वतंत्रता का अधिकार और असंतोष का अधिकार को स्वस्थ्य और परिपक्व लोकतंत्र में महत्त्वपूर्ण स्थान मिलना चाहिए। इस प्रकार की व्यवस्थाओं के बाद ही लोकतंत्र में लोगों की सहभागिता बढ़ेगी। इसके साथ ही समाज के लिये अप्रासंगिक विचारों को निकाल देना देश की शासन व्यवस्था का उतरदायित्व है। आजादी के बाद कई सरकारें बनी और ध्वद्यद्व गई। लेकिन वे इसव कानून को समाप्त करने का साहस नहीं जुटा पाई। भारत मे राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 प्रचलित है। यह कानून केंद्र या राज्य सरकार को अधिकार देता है कि वह किसी व्यक्ति को राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रतिकूल किसी भी तरह से कार्य करने से रोकने के लिये उसे हिरासत में ले सकता है।झ सरकार किसी व्यक्ति को सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित करने से रोकने या समुदाय के लिये आवश्यक आपूर्ति और सेवाओं के रखरखाव के लिये भी हिरासत में ले सकती है।

जाहिर है आंतरिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने वाले कानूनों की मौजूदगी के बाद भी राजद्रोह के औपनिवेशिक कानून पर संशय चिंता का विषय है। अंग्रेजों को कानून मे सुधार करने के लिए बार बार मजबूर करने वाले आजादी के मतवालों ने राजद्रोहिता नहीं की होती तो वे शायद ही देशभक्त कहलाते। फिर लोकतान्त्रिक देश मे राजद्रोहिता को देशद्रोहिता से जोड़ना किसी अभिशाप से कम नहीं है।

मोबाइल फ़ोन और टेलीविजन की बढ़ती क़ीमतें

राकेश दुबे

भारत जैसे विकासशील देश में भी अब मोबाइल फ़ोन और टेलीविजन अमीरी की निशानी न होकर आवश्यक उपकरण हो गये है। दुर्भाग्य से सरकार का इन उपकरणों और इनमें प्रयुक्त होने वाले पुर्ज़ों की क़ीमतों पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। ये दोनो उपकरण इनमें इस्तेमाल होने वाले ओपन सेल की कीमतें चढ़ने से विनिर्माता अब अपने उत्पादों के दाम बढ़ाने लगे हैं। लैपटॉप और स्मार्टफोन की कीमतों में इजाफा हो सकता है। टीवी बनाने वाली कंपनियों का कहना है कि ओपन सेल के दाम औसतन 15 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं।

मोबाइल फ़ोन और टीवी में ओपन सेल प्रमुख पुर्जा होता है औरइन उपकरणो की कुल लागत में इसकी हिस्सेदारी 60 से 65 प्रतिशत होती है। मोबाइल फोन में भी इसका उपयोग होता है, और फ़ोन की लागत में इसकी हिस्सेदारी टीवी के मुकाबले कम होती है। महंगे फोन में मार्जिन ज्यादा होता है, जिससे कंपनियां लागत में बढ़ोतरी का बोझ सह सकती हैं।पिछले साल 2022 ओपन सेल के दाम कम थे, लेकिन 2023 की शुरुआत से इसमें तेजी देखी जा रही है। जनवरी से अब तक इसके दाम 15 से 17 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं।

32 इंच के टीवी में इस्तेमाल होने वाला ओपन सेल करीब 27 डॉलर प्रति पैनल का पड़ता है। जो कम्पनी ठेके पर टीवी बनाती है। उसने तो बढ़ी हुई लागत का पूरा भार अपने ग्राहकों पर डाल दिया है। सरकार चुप है चीन में 4 से 5 पैनल विनिर्माताओं के बीच गठजोड़ के कारण यह कीमतें बढ़ी हैं।

कोडक ब्रांड की लाइसेंसी कंपनी सुपर प्लास्ट्रॉनिक्स भी जून से टीवी के दाम 10 ?प्रतिशत बढ़ा रही है। टीवी और मोबाइल फ़ोन निर्माताओं का कहना है कि ,'पैनल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं और अब तक इसकी कीमत 25 से 30 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है। इसके अलावा आपूर्ति की भी किल्लत है। इसलिए निर्माता जून से अपने ब्रांड के टेलीविजन 10 प्रतिशत तक महंगे कर रहे हैं।'

कीमतों में यह औसत वृद्धि 15प्रतिशत तक होने के आसार दिख रहे है। इन कम्पनियों को 43 इंच से बड़े स्क्रीन वाले टीवी की बिक्री अधिक होने की उम्मीद है, जिससे कीमतें और भी बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि आगामी त्योहारी सीजन तक कीमतों में तेजी जारी रहने के आसार हैं क्योंकि ओपन सेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

यह सही है ग्राहकों को कीमतों में वृद्धि का झटका तत्काल नहीं लगेगा क्योंकि खुदरा विक्रेताओं के पास 30 से 60 दिनों का स्टॉक मौजूद है।इस क्षेत्र में काम करने वाले छोटे दुकानदार साफ़ कह रहे हैं ,'कीमत बढ़ोतरी का असर अगले एक या दो महीनों में दिखने लगेगा।'कारण पैनल (ओपन सेल) के दाम लगातार बढ़ रहे हैं मगर बाजार में टीवी की कीमतें अभी नहीं बढ़ी हैं और बाज़ार प्रतीक्षा में है।इस बात की पूरी सम्भावना है कि 'कंपनियां निकट भविष्य में कीमतें बढ़ाकर पुर्जों की कीमतों में तेजी के कारण बढ़ी हुई लागत का कुछ बोझ ग्राहकों के कंधों पर डाल सकती हैं। मगर उसका असर वैसा नहीं होगा जैसा पिछले साल दिखा था।'

कहने को सरकार स्मार्टफोन और टीवी के पुर्जों के लिए आयात शुल्क घटाकर बढ़ी हुई लागत की कुछ हद तक भरपाई का प्रयास कर सकती है। सरकार ने इस साल के आरंभ में बजट पेश करते समय टीवी पैनल के ओपन सेल के कुछ हिस्सों पर बुनियादी आयात शुल्क 5 प्रतिशत से घटाकर 2.5 प्रतिशत करने की घोषणा की थी।

पुर्जों की कीमतों में आई और सम्भावित तेजी से स्मार्टफोन अथवा लैपटॉप की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका नहीं है। इंटरनैशनल डेटा कॉरपोरेशन (आईडीसी) के आंकड़ों के अनुसार 2022 के दौरान देश में स्मार्टफोन की आपूर्ति इससे पिछले साल के मुकाबले 10 प्रतिशत घटकर 14.4 करोड़ रह गई थी। ऐसा मुख्य तौर पर मुद्रास्फीति में तेजी और पुर्जों के दाम बढ़ने के कारण हुआ था।

विश्व साइकिल दिवसः साइकिल चलाना स्वास्थ्य के लिए अच्छा

योग गुरु महेश अग्रवाल

विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर कहा कि आज हम सब संकल्प लें की ज्यादा से ज्यादा साइकिल चलाने का प्रयास करेंगे, दुनियाभर में आज यानी 03 जून को विश्व साइकिल दिवस मनाया जा रहा है। डेली लाइफ में साइकिल के इस्तेमाल को बढ़ावा देने और इसको लोकप्रिय बनाने के लिए विश्व भर में साइकिल दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मकसद लोगों को ये समझाना है कि साइकिल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए कितना बेहतर है। इसके साथ-साथ ये इको फ्रेंडली है। साइकिल से पर्यावरण प्रदूषित नहीं होता है। ये आपके देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी सही है। साइकिल चलाने के कई फायदे हैं, ये बाकी साधनों के मुकाबले सस्ती है, विश्वसनीय है, ये स्वच्छ और पर्यावरण के लिए अनुकूल परिवहन है।

असल में साइकिल चलाना एक व्यक्ति की शारीरिक फिटनेस सुनिश्चित करता है। यह अधिक टिकाऊ है। इसके अलावा दो शताब्दियों से अधिक समय से लोग इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। यह वयस्कों और बच्चों दोनों के लिए उपयोगी है। साइकिल समावेशिता को भी बढ़ावा देती है क्योंकि यह बहुत महंगा नहीं है और समाज के अमीर और गरीब दोनों लोगों द्वारा वहन किया जा सकता है।साइकिलिंग कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने में योगदान देता है क्योंकि इसमें आंतरिक शून्य-उत्सर्जन मूल्य होता है। साइकिल चलाना स्वास्थय के लिए अच्छा होता है,साइकिल चलाने से हृदय की फिटनेस, मांसपेशियों की ताकत और लचीलेपन में वृद्धि होती है। यह जोड़ों की गतिशीलता में सुधार करता है और तनाव को कम करने में मदद करता है।साइकिल चलाने से पैसे की बचत होती है, ये बहुत ही सस्ता होता है और इसको चलाने के लिए किसी लाइसेंस की कोई जरूरत नहीं होती है। स्थानीय पर्यावरण साइकिल चलाने से पर्यावरण स्वच्छ रहता है।

साइकिल को हम जिंदगी का सबसे पहला एडवेंचर कह सकते हैं। गिरते-पड़ते हम साइकिल चलाना सीखते हैं। उम्र के अनुसार साइकिल का भी अलग - अलग महत्व है। बचपन में साइकिल शौकिया तौर पर चलाते हैं, फिर धीरे - धीरे साइकिल का उपयोग स्कूल जाने के लिए करते हैं, तो कई लोग साइकिल से अपने काम पर जाते हैं। लेकिन वक्त के साथ साइकिल की उपयोगिता भी बदल गई और महत्व भी बदल गया है। एक वक्त था जब साइकिल को परिवार में साधन का हिस्सा माना

जाता था लेकिन अब यह सिर्फ एक्सरसाइज के तौर पर प्रयोग की जाती है। साइकिल का दौर 1960 से लेकर 1990 तक काफी अच्छा चला है। इसके बाद समय परिवर्तित होता गया। आज एक्सरसाइज के साथ ही साइकिल का उपयोग एक एथलेटिक्स द्वारा भी किया जाता है। साइकिल सबसे सस्ता वाहन है। इसके एक नहीं अनेक फायदे हैं। पेट्रोल की खपत नहीं होती, पर्यावरण दृष्टि से सुरक्षित है, एक्सरसाइज करने के लिए बेस्ट है, इम्युनिटी भी बढ़ती है।रोज साइकिल चलाने से फैट जल्दी कम होता है, बॉडी फिट रहती है। करीब 30 मिनट रोज साइकिल चलाना चाहिए। साइकिल चलाने से इम्यून सिस्टम अच्छा तो होता है साथ ही इम्यून सेल्स भी एक्टिव हो जाते हैं। इससे बीमारी का खतरा भी कम होता है।

एक उम्र के बाद घुटने की समस्या नहीं हो इसलिए साइकिल रोज चलाना चाहिए। इससे किसी प्रकार के जोड़ों में दर्द नहीं होगा।साइकिल चलाने से दिमाग ज्यादा एक्टिव रहता है। ब्रेन पावर बढ़ता है, 15 से 20 फीसदी अधिक दिमाग सक्रिय होता है। बचत की नजर से यह काफी अच्छा और सस्ता साधन है। देखा जाएं तो आज वक्त में युथ फीट और एक्सरसाइज के लिए साइकिल खरीद रहे हैं। इसके प्रयोग से पृथ्वी के लिए गम्भीर होते जा रहे वायु प्रदूषण की समस्या पर लगाम लगाई जा सकती है।बुजुर्ग, जवान और बच्चें हर आयु वर्ग के के लोग साइकिल की सवारी कर खुद को चुस्त और दुरस्त रख सकते हैं। साइकिल की सवारी मनुष्य को मानसिक और शारीरिक रूप से मज़बूत बनाने का कार्य करती है । इसमें अन्य व्यायामों की तरह ना चोटिल होने का डर है और ना ही इसे चलाने न में किसी विशेष तकनीकी ज्ञान की जानकारी की आवश्यकता। रोज़ाना साइकिल चलाने से शरीर की मांसपेशियां मज़बूत होती हैं और शरीर में वसा भी नहीं बनती। उच्च रक्तचाप और हृदय रोगों को साइकिल की सवारी पीछे छोड़ देती है। शोध में सामने आया है कि निरंतर साइकिल चलाने वालों को मधुमेह और हृदयाघात का खतरा अन्य लोगों से कम रहता है। यह सच है कि साइकिल को वक्त ने चुनौती दी है।

सड़क पर दौड़ती बसें, ट्रक, कार, महंगी मोटरसाइकिल साइकिल चलाने वाले को रफ़्तार में कहीं पीछे छोड़ देती हैं। इस तेज़ रफ़्तार के साथ चल रही जिंदगी में हर किसी को वक्त की कमी है। मनुष्य ने विकास के पीछे अंधी दौड़ लगायी हुई है। उसमें साइकिल के सफ़र में लगता ज्यादा समय मनुष्य को चुभने लगता है। पर कोरोना ने दिखा दिया है कि कैसे प्रकृति मनुष्य की रफ़्तार को कभी भी रोक सकती है और वैसे भी मेट्रो स्टेशनों की भीड़, बसों की दमघोंटू भीड़ और असुरक्षित तेज दौड़ती साइकिल दूर एक साइकिल के सफ़र का आनन्द ही कुछ और है। साइकिल चलाते ना ऑटो का कानफोडू संगीत है ना एक दूसरे को घूरते सफ़र करते लोगों के बनावटी चेहरे । वहां है तो सिर्फ आपका सुधरता स्वास्थ्य और आपकी खुद से होती बात जो आज के सामाजिक परिदृश्य में कहीं खो सी गई है । साइकिल सवारों के लिए मुख्य सड़क से अलग लेन का निर्माण इस सफर को सड़क पर तेज दौड़ते वाहनों से सुरक्षित बना सकता है। साइकिल सवारी के दौरान हेल्मेट का प्रयोग अनिवार्य करना चाहिए और इस विश्व साइकिल दिवस के दिन सरकार को बिना किसी देरी के साइकिल की सवारी को शान की सवारी बनाने पर गम्भीरता से विचार करना शुरू कर देना चाहिए।

(आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के संचालक योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से नि:शुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है, वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग प्रशिक्षण के दौरान साधकों को साइकिल चलाने के अभ्यास करवाते हुए उसके अनेक प्रकार के फायदों के बारे में बताया जाता है एवं साइकिल चलाने के लिए प्रेरित किया जाता है।)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

गुमशुदा बच्ची के माता पिता के चेहरे पर लौटी मुस्कान

दमोह थाना कोतवाली पुलिस को मिली बडी सफलता प्रोफेसर कालोनी दमोह से गुम हुई 03 साल की बच्ची को चंद घण्टो मे किया दस्तयाव गुमशुदा बच्ची के माता पिता के चेहरे पर लौटी मुस्कान घटना का संक्षिप्त विवरण पुलिस अधीक्षक दमोह द्वारा नाबालिक गुमसुदा बालक बालिकाओं की दस्तयावी हेतु विशेष रुचि लेकर गुमशुदा की तलाश हेतु सभी थाना प्रभारीगणो को निर्देशित किया गया था। दिनांक 01.06.23 को थाना कोवताली दमोह में 03 साल बच्ची की गुम होने की सूचना प्राप्त हुई जो थाना कोतवाली पुलिस द्वारा तत्काल मामले की गंभीरता को देखते हुये थाना कोतवाली में अपराध 476/23 धारा 363 ताहि. का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। एंव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दमोह एंव नगर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरी. विजय राजपूत द्वारा टीम गठित की गयी मामले को गंभीरता से लेते हुये नाबालिक बच्ची की तलाश हेतु टीम को तत्काल रवाना किया गया जो कोतवाली पुलिस द्वारा लगातार तलाश करते हुये चंद घण्टो मे ही बच्ची को दस्तयाब कर परिजनो को सुपुर्द किया। सराहनीय भूमिका -कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विजय राजपूत, उप निरीक्षक रोहित द्विवेदी, उनि. आर. पी. चौधरी प्रधान आरक्षक डेलन प्रधान आरक्षक अनिल गौतम, आरक्षक प्रमोद, आरक्षक राजेश, आरक्षक राजेन्द्र, महिला आरक्षक रितिका, महिला आरक्षक विभा का विशेष योगदान रहा।

मृतकों के परिवार को 4-4 लाख रुपए मुख्यमंत्री सहायता कोष से दिए

ओबैदुल्लागंज -समाज के तीन युवाओं जिनमे स्व सौरभ नागर पिता संतोष नागर उम्र 22 वर्ष निवासी दीवाटिया, स्व प्रियांशु नागर पिता महेश नागर उम्र 17 वर्ष निवासी ओबेदुल्लागंज, स्व हर्ष नागर पिता भगवत सिंह नागर ,उम्र 19 वर्ष निवासी इटाया जिनकी विगत कुछ दिनो पहले असमय नर्मदा नदी में डूबने से मृत्यु हो गई थी इस दुखद और ह्रदय विदारक घटना की जानकारी *अखिल भारतीय किरार क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती साधना सिंह चौहान भाभीजी को समाज के समाज सेवी गौरीशंकर नागर द्वारा दी गई* उन्होंने अविलंब तीनों दिवंगत आत्माओ के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की एवम तीनों शोकाकुल परिवार जनों को *मुख्यमंत्री स्वेक्षानुदान से 4 -4 लाख रुपए की राशि स्वीकृत कराई गई* । समाज अध्यक्ष मोहन पटेल पारखेड़ी नारायण सिंह पटेल अशोक पटेल, माखनसिंह तहसीलदार कालूराम नागर रामेश्वर नागर, चंदर सिंह नागर, संतोष नागर, भूपेंद्र नागर नरेंद्र नागर, डॉक्टर नंदू नागर ,कैलाश डब्बू नागर, राजमल नागर ,सामाजिक बरिष्ठजनों ने स्वेक्षानुदार राशि पत्र शोकाकुल परिवार जनों को सोपा गया एवम श्रीमती साधना सिंह जी चौहान द्वारा शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की गई.

कलेक्टर ने की लाडली बहना योजना की समीक्षा

नर्मदापुरम। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की जनपद एवं निकायवार समीक्षा की। उन्होनें महिला हितग्राहियों के लंबित डीबीटी इनेबल का कार्य अगले 3 दिनों में पूर्ण कराने के निर्देश सभी जनपद सीईओ एवं सीएमओ को दिए। उन्होंने बैंकवार भी समीक्षा कर सभी बैंकों के प्रतिनिधियों को लंबित प्रकरणों का गंभीरता से निराकरण कर डीबीटी सक्रिय करने के निर्देश दिए। उन्होनें कहा कि लाडली बहना योजना के लिए खाता खोलने और डीबीटी सक्रिय के लिए विशेष रूप से शनिवार और रविवार भी बैंक खुले रहेंगे। सभी जनपद सीईओ एवं सीएमओ को निर्देश दिए कि लंबित डीबीटी के प्रकरणों की जानकारी निर्धारित फॉर्मेट में सभी बैंकों को भी प्रेषित की जाए। प्रत्येक बैंक के लिए एक कर्मचारी की भी ड्यूटी लगाएं, जो हितग्राहियों को बुलाकर डीबीटी सक्रिय कराने में सहयोग करें। डीबीटी इनेबल के ज्यादा लंबित आवेदन वाले क्षेत्रों में हितग्राहियों को वाहन की व्यवस्था कर बैंक तक लाया जाए। महिला एवं बाल विकास का विभाग का अमला भी इस कार्य में पूरी सक्रियता से काम करें। सभी एसडीएम भी सतत मॉनिटरिंग करें।

मेला बढ़ाने के लिए मंत्री के नाम नपाध्यक्ष को दिया ज्ञापन

शिवपुरी - प्रसिद्ध सिद्धेश्वर मेले की समयावधि बढ़ाने के लिए मेले के दुकानदारों ने प्रदेश की कैबिनेट मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया के नाम नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा को ज्ञापन सौंपा है। विदित हो कि मेले की समयावधि 30 मई तक ही थी, नियमनुसार मेले की अवधि पूर्ण हो चुकी है,इस मामले में सिद्धेश्वर मेले की दुकानदार ने मौसम के कारण मेले में आर्थिक नुकसान का हवाला देते हुए समय बढ़ाने की मांग रखी है। मेला का शुभारंभ 26 अप्रैल को हुआ था। किंतु तब से लगातार बारिश हो रही है। दुकानदारों का कहना है कि बारिश और तूफान व तेज आंधी आने के कारण हम मेले में लगी दुकानों की टीन शेड व पर्दे व अन्य सामान तहस नहस हो गया। जिसमें सभी दुकानदारों के लगभग 5-6 दिन खराब हो गये। सभी दुकानदारों को आंधी तूफान और बारिश के कारण आर्थिक हानि व नुकसान उठाना पड़ा। सिद्धेश्वर मेले में मध्यप्रदेश के कई जिलों व अन्य राज्यों के दुकानदार अपनी दुकान लगाने आये हैं। 30 दिन की स्वीकृति प्रदान होने के बाद जब लगभग 10 से 15 दिन समस्याओं से जूझना पड़ा इसलिए समस्त दुकानदार चाहते है कि उक्त मेले की समय अवधि 10 दिन और बढ़ाई जाए ताकि बारिश एवं आंधी तूफान के कारण हुए नुकसान की भरपाई कर सके।

प्रियंका गांधी के जबलपुर आगमन पर स्वागत की अपील

सिवनी- अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महासचिव श्रीमति प्रियंका गांधी का दिनांक 12 जून 2023 को जबलपुर आगमन हो रहा है। जहॉ श्रीमति गांधी जी एक रोड़ शो के बाद विशाल जनसभा को भी सम्बोधित करेंगी। श्रीमति प्रियंका गांधी के आगमन की तैयारियों के संबंध में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष (पूर्व मुख्यमंत्री) कमलनाथ के निर्देशानुसार दिनांक 4 जून 2023 दिन रविवार को अपराहंत 3 बजे कांग्रेस कार्यालय इंदिरा भवन में बैठक रखी गयी है। जिसमें विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी, प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि, समस्त ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष, समस्त मोर्चा संगठन एवं प्रकोष्ठ व विभागो के अध्यक्ष गण, तथा जिला, जनपद पंचायत एवं नगरपालिका, नगरपरिषद के कांग्रेस पक्ष के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष एवं सदस्य गण बैठक में आमंत्रित है।

यातायात व्यवस्था में सुधार को लेकर कलेक्टर एसपी ने किया निरीक्षण

सिवनी- कलेक्टर क्षितिज सिंघल एवं पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने मॉडल रोड के साथ-साथ प्राइवेट बस स्टैंड, छिंदवाड़ा चौक, बाहुबली चौक, सर्किट हाउस चौक पहुँचकर सभी स्थानों पर सड़क के चौड़ीकरण के निर्देश दिये। उन्होंने सम्बन्धित विभागों को अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक चौक-चौराहों पर सड़क का चौड़ीकरण किया जाये ताकि नगरवासियों को सुविधाजनक आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो। उन्होंने मुख्य मार्ग एवं चौक-चौराहों के निकट स्थित अस्थायी दुकानों एवं ठेलों को भी व्यवस्थित करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका यातायात एवं परिवहन विभाग के

लाडली बहना के प्रमाण पत्र वितरित किए जबेरा विधायक ने

जबेरा विधानसभा क्षेत्र की जनपद पंचायत तेंदूखेड़ा की ग्राम पंचायत भैंसा,फुलर, मनगुवां,में जबेरा विधायक धर्मेंद्र सिंह लोधी ने ग्राम में पहुंचकर लाडली बहना योजना में पात्र बहनों को स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए एवं बहनों सरकार की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी इसी दौरान जबेरा विधायक धर्मेंद्र सिंह लोधी जी ने कहा कि मध्य प्रदेश यशस्वी मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी जी के द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एवं अपने आवश्यकता के लिए भाजपा सरकार ने तय किया कि लाडली बहनों को प्रतिमाह एक ?1000 देने का संकल्प प्रदेश सरकार ने किया है जिससे आप सभी बहनें सशक्त बनेगी !

विधायक लोधी ने 357 प्रमाण पत्रों को ग्राम पंचायत भैंसा ग्रामों में वितरित किए !

इसी दौरान ग्राम फुलर के लोगों के द्वारा पानी की समस्या को विधायक के समक्ष रखा है इस दौरान विधायक ने सभी को आश्वासन दिया है कि जल्द से जल्द हो रही पानी की समस्या का निराकरण किया जाएगा जिससे आप सभी को पानी के लिए हवा हनी भटकना नहीं होगा विधायक ने पंचायत स्तर के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जल्द से जल्द पानी की समस्या का निवारण किया जाए किसी भी प्रकार से आवश्यकता पड़ने पर मुझे जानकारी दी जाए में हर संभव मदद करने का प्रयास करूंगा !

संत भगवान के प्रतिनिधि के रूप में देश, धर्म और संस्कृति जागरण का कार्य करते है

रतलाम । संत भगवान के प्रतिनिधि के रूप में देश, धर्म और संस्कृति जागरण का कार्य कथाओं के माध्यम से करते है। इसी क्रम में रतलाम में चेतन्य काश्यप फाउंडेशन द्वारा आयोजित ज्ञान यज्ञ धर्म जागरण का अभिनव अनुपम और अनुकरणीय आदर्श स्थापित कर चुका है। पानी जब सिर से ऊपर निकल जाता है, तब भगवान अवतरित होते हैं। संत महात्माओं का कर्तव्य है कि समाज को धर्म के प्रति जागृत करें। भगवान का अवतार भक्तों के लिए होता है। बिना भक्ति, ज्ञान व बोध के भगवान समझ नहीं आएंगे। भगवान सर्वत्र है, लेकिन दिखाई नहीं देते हैं। लकड़ी के संघर्षण से जैसे अग्नि प्रकट होती है, उसी तरह से तप, तपस्या और चिंतन करने से भगवान प्रकट होते हैं।यह उद्गार महामण्डलेश्वर स्वामी श्री चिदम्बरानंद सरस्वतीजी महाराज ने चेतन्य काश्यप फाउंडेशन एवं श्री हरिहर सेवा समिति द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के पांचवे सत्र में भगवान श्री कृष्ण की मनोहारी बाल सुलभ लीलाओं का भजन संकीर्तन के साथ जीवंत वर्णन किया। जिस पर भक्तों ने झूमते, नाचते, गाते हर्ष व्यक्त किया। कथा में मुख्य अतिथि सांसद सुधीर गुप्ता, स्वामी श्री देवस्वरूपानंद महाराज, सुजान महाराज, बाबा सत्यनारायण मौर्य रहे। इनके द्वारा स्वामीजी का स्वागत अभिनंदन किया गया। सांसद गुप्ता ने विधायक श्री चेतन्य काश्यप का सम्मान किया। इस दौरान मोहनलाल भट्ट, मनोहर पोरवाल, गोविंद काकानी, श्रवण काश्यप आदि उपस्थित रहे। स्वमीजी ने कहा कि भगवान हमारे दिल, दृष्टि, संबंध, प्रवृत्ति, सोच, विचार में है। भगवान कहते हैं तुम जैसी सोच और दृष्टि रखोगे, मैं उस संबंध को निभाने के लिए तुम्हारे सामने आ जाऊंगा। जीवन में तन, मन, वचन से कोई भी काम करो तो आप सफल होंगे।

कॉम्बिंग गश्त - रातभर सड़क पर रही बरेली पुलिस, 21 पुलिसकर्मी ने 34 बदमाशों को किया गिरफ्तार

बरेली 7 रायसेन पुलिस अधीक्षक विकास कुमार शाहवाल के निर्देशा पर 1 जून की रात्रि को बदमाशों की धरपकड़ हेतु रायसेन जिले में संपूर्ण पुलिस बल कांबिंग गश्त पर अलर्ट मोड पर रही 7 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमृत के मार्गदर्शन में एसडीओपी राजीव जंगले एवं थाना प्रभारी आशीष सप्रे के द्वारा फरार स्थाई गिरफ्तारी वारंटियों की धरपकड़ हेतु रात्रि को 3 टीम बनाकर कांबिंग गश्त अभियान चलाकर कर 33 स्थाई वारंटी एवं 1 गिरफ्तारी वारंटी को गिरफ्तार किया गया एसडीओपी राजीव जांगले ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में बरेली अनुविभाग में रात्रि में कांबिंग गश्त कर फरार वारंटीओं की धरपकड़ कर गिरफ्तार कर बरेली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है वहीं लंबे समय से फरार चल रहे हैं बरेली अनुविभाग क्षेत्र में बरेली उदयपुरा देवरी थाना पुलिस ने 49 आरोपियों की गिरफ्तारी कर सभी वारंटियों को न्यायिक अभिरक्षा में न्यायालय बरेली में पेश किया गया 7

वारंटिओं की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी आशीष सप्रे, उप निरीक्षक सुनंदा खरे, उप निरीक्षक शेरसिंह सुल्या, उप निरीक्षक दीपक वर्मा,उप निरीक्षक सुभाष सिंह, सहायक उपनिरीक्षक रमेश रैकवार, गुलाब तिवारी, शिव कुमार शुक्ला, कल्लू सिंह धुर्वे, रानी चौहान, प्रधान आरक्षक श्याम सिंह, सोमित्र सोनी, आरक्षक मुकेश पटेल, राजेश राजपूत, कुलदीप रघुवंशी, नारायण भार्गव, मोहनीश मिश्रा, महेन्द्र राजावत, सतेन्द्र सिंह, विक्रम सिंह, चिंटू मेघवाल के फरार चल रहे बदमाशों को पकड़ने में विशेष महत्वपूर्ण भूमिका रही 7

बैरिकेड तोड़कर मुख्यमंत्री को मेडिकल संघर्ष मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

छतरपुर। मेडिकल कालेज के निर्माण हेतु मेडिकल संघर्ष मोर्चा कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। आज शुक्रवार को जब मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था बहुत सख्त थी तब मेडिकल संघर्ष मोर्चा के सदस्य हरि अग्रवाल एवं उनके साथी बैरिकेड तोड़ते हुये मुख्मयंत्री के पास पहुंच गये और उन्हें मेडिकल संघर्ष मोर्चा का ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में एक ओर जहां मेडिकल कालेज के पुनर्टेंडर जारी करने के लिये मुख्यमंत्री को साधुबाद दिया गया है तो वहीं दूसरी ओर संघर्ष मोर्चा द्वारा इसी सत्र में डीन की नियुक्ति कर मेडिकल की कक्षायें किसी सरकारी भवन में प्रारंभ कराये जाने की मांग की गयी है। मुख्यमंत्री को सौंपे गये ज्ञापन में मेडिकल संघर्ष मोर्चा ने बताया है कि 2015 से 2018 तक लगातार मेडिकल कालेज संघर्ष मोर्चा द्वारा संघर्ष किये जाने के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 30 सितम्बर 2018 को मेडिकल कालेज के लिये भूमिपूजन कर शिलान्यास किया गया था किन्तु चुनाव में सरकार बदल जाने के कारण कांग्रेसी शासन में 15 माह तक निर्माण कार्य नहीं हो सका। इसके बाद दोवारा शिवराज सिंह के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने पर मेडिकल कालेज हेतु टेंडर बुलाये गये और गुजरात की जेपी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी को टेंडर मिला। उन्होंने निर्माण कार्य शुरू कर दिया किन्तु कोरोना एवं कोर्ट के स्टे के कारण कार्य रूक गया और जब सारी बाधायें दूर हुयीं तो ठेकेदार ने रेट बढ़ाये जाने की मांग को लेकर काम करने से इंकार कर दिया जिससे मजबूर होकर मेडिकल कालेज संघर्ष मोर्चा को आंदोलन करना पड़ा।

अंतर्राज्यीय ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, एक गिरफ्तार

शिवपुरी - पुलिस अधीक्षक रघुवंश कुमार सिह जी के द्वारा जिले मे अपराधों के प्रति चलाये जा रहे ज़ीरो टॉलरेंस अभियान के तहत जिले के करैरा अनुविभाग में अंतर्राज्यीय स्तर पर ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया गया है।गिरोह ने पिछले दिनों शहर के एक व्यक्ति को 13 लाख की चपत लगाई थी।

17 अप्रैल को फरियादी उदयनारायन शर्मा पुत्र श्री कालीचरन शर्मा उम्र 48 साल निवासी महुअर कालोनी ने अज्ञात आरोपी द्वारा ऑनलाइन ठगी कर फरियादी के खाते से 13 लाख रुपये निकल जाने की रिपोर्ट की थी जिसकी रिपोर्ट पर से अप.क्र. 210/23 धारा 420 भादवि अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस कप्तान भदौरिया के निर्देश व अति0 पुलिस अधीक्षक प्रवीण भूरिया के मार्गदर्शन में प्रकरण के अज्ञात आरोपी को ट्रेस कर आरोपी मोहम्मद फिरदोश रहमान पुत्र हमीदुरहमान नि. मालदा पश्चिम बंगाल को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया।पूछताछ में उसने ठगी कुबूलते हुए बताया कि अपने साथियों के साथ मिलकर 13 लाख रुपये की जो ठगी की रकम उसने अलग अलग खातो में ट्रांसफर करा दिये है। विवेचना के दौरान जिन खातों में पैसे गये उन खातों को सायबर के माध्यम होल्ड लगा दिया गया है आरोपी के अन्य साथी झारखण्ड, पश्चिम बंगाल के रहने वाले है आरोपी के द्वारा इनके साथ मिलकर कई ऑनलाइन ठगी की गई है। उक्त आरोपी व उनके साथियों का झारखण्ड, पश्चिम बंगाल आदि राज्यो में नेटवर्क फैला हुआ है जो ऑनलाइन ठगी कर

पैसो के अलग अलग खातों में ट्रांसफर कर लेते है । आरोपी का पुलिस रिमाण्ड लिया जाकर झारखण्ड, पश्चिम बंगाल में शेष आरोपियों की गिरफ्तारी की जावेगी ।

राष्ट्रीय फ्लोरोसिस निवारण एवं नियंत्रण कार्यक्रम पर विकासखंड स्तरीय समन्वय बैठक

श्रीमान जिलाधीश महोदय धार के निर्देशानुशार एवं श्रीमान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी महोदय धार के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय फ्लोरोसिस निवारण एवं नियंत्रण कार्यक्रम तथा सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम हेतु बैठक का आयोजन

दिनांक 2 जून 2023 शुक्रवार को अनुविभागीय अधिकारी श्रीमान भूपेंद्र सिंह रावत एसडीएम साहब की अध्यक्षता में हुई। जिसमें विकासखंड मनावर , बाकानेर , उमरबन , गंधवानी एवं धरमपुरी के अधिकारियों जिसमें स्वास्थ्य विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग पीएचई विभाग तथा

शिक्षा विभाग के अधिकारियों की अंतर विभागीय समन्वय बैठक का आयोजन किया गया इस बैठक में फ्लोरोसिस निवारण एवं नियंत्रण कार्यक्रम के जिला फ्लोरोसिस कंसलटेंट डॉ एमडी भारती के द्वारा फ्लोराइड से प्रभावित गांव की जानकारी दी गई जिसमें धामनोद ब्लॉक के 65 ग्राम , वाकानेर ब्लॉक के 70 ग्राम ,मनावर ब्लॉक के 54 ग्राम एवं गंधवानी ब्लॉक के 101 ग्राम फ्लोराइड से प्रभावित है द्य डॉ भारती के द्वारा मीटिंग में सभी को फ्लोरोसिस बीमारी से बचने के उपाय बताएं एवं मैदानी कार्यकर्ताओं द्वारा समस्त संभावित फ्लोरोसिस मरीजों को कैल्शियम एवं विटामिन सी की दवाइयां समय-समय पर उपलब्ध करवाने हेतु कहा गया है एवं आम जनता को फ्लोरोसिस के प्रति जागरूक करने को कहा गया है द्य

वर्तमान में पीएचई विभाग के द्वारा समस्त स्वास्थ्य कर्मचारियों एवं आशा कार्यकर्ताओं को पानी में फ्लोराइड के टेस्ट के लिए फ्लोराइड किट उपलब्ध कराए गए जो कि प्रत्येक ग्राम के पेयजल फ्लोराइड की जांच करेंगे और स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से उसकी एसडीएम साहब को प्रस्तुत करेंगे। इस मौके पर एसडीएम भूपेंद्र रावत के द्वारा सभी विकासखंड अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी लोग फ्लोराइड से होने वाली फ्लोरोसिस बीमारी को गंभीरता से समझे और फ्लोराइड की जांच करवाएं और समय-समय पर आशा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से नल जल योजना एवं सभी पेयजल स्रोतों की जांच कराएं पीएचई विभाग यह सुनिश्चित करें की कोई भी नल जल योजना मैं 1 पीपीएम से ज्यादा फ्लोराइड वाले पानी की सप्लाई ना करें और पानी की जांच कर ही सप्लाई करें इस मौके पर सिकल सेल एनीमिया के नोडल अधिकारी डॉक्टर संदीप श्रीवास्तव एवं मनावर अनुभाग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत विकास खंड चिकित्सा अधिकारी सीडीपीओ विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं बीईई बीपीएम बीसीएम आदि उपस्थित थे

भाजपा का लोकसभा स्तर पर विशेष जनसंपर्क अभियान,विभिन्न सम्मेलन के प्रभारी नियुक्त

धार । देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सरकार के सफलतम 9 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। केंद्र और प्रदेश की योजनाओं के माध्यम से गरीबों का जीवन बदल रहा है। इन 9 वर्षों में गरीब कल्याण की अनेक योजनाएं चल रही हैं, इन योजनाओं का लाभ हर वर्ग को मिल रहा है। भाजपा ने 30 मई से 30 जून के बीच विशेष जनसंपर्क अभियान के माध्यम से मोदी सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्यक्रम तय किया है। इस अभियान के तहत भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी ने लोकसभा क्षेत्र स्तर पर होने वाले विभिन्न सम्मेलन के प्रभारी नियुक्त किए है ।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि विभिन्न सम्मलेन प्रभारी इस प्रकार है।

सूची संकलन प्रभारी श्याम नायक प्रकाश धाकड़, मानिटरिंग नवीन बानिया प्रमोद मानेकर, व्यापारी सम्मेलन - अनंत अग्रवाल मोहित तातेड़, जगदीश मुद्रा कमलेश जयसवाल, मानिटरिंग- विकास मेहरवाल, ओपी पाटीदार, प्रबुद्ध सम्मेलन प्रभारी - नीना वर्मा प्रभु राठौर राजेंद्र सराफ ज्ञानेंद्र त्रिपाठी,मानिटरिंग- मुकेश पाटीदार, सुनीता नारायण सोनी, संयुक्त मोर्चा सम्मेलन- जयदीप पटेल वीरेंद्र बघेल,मानिटरिंग- आशीष गोस्वामी, जितेंद्र जाट, सोशल मीडिया सम्मेलन- राजवर्धन सिंह दत्तीगांव जयसूर्या प्रशांत शर्मा सोनू रघुवंशी,मानिटरिंग - धर्मेंद्र शर्मा, अशोक सोनी, जीवन रघुवंशी,जनसभा सम्मेलन - छतर सिंह दरबार रंजना बघेल मोहन घायल करण सिंह पवार मुकाम सिंह किराड़े शिवपाल आर्य, मानिटरिंग- शांतिलाल पाटीदार, रामेश्वर पाटीदार, बलवंत सिंह मंडलोई,हितग्राही सम्मेलन- विनोद शर्मा सावित्री ठाकुर राजीव यादव संजय बघेल,मानिटरिंग- जमना भूरिया, संजय पाटीदार, रंजना कनाशे,करण सिंह वसुनिया, योग दिवस कार्यक्रम - विक्रम डूडी श्याम नायक मनीष प्रधान विश्वास पांडे तरुण सिसोदिया,विक्रम पटेल,पवन कुशवाह को बनाया गया है।उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

ग्राम सेमरी कलां में श्री सप्त दिवसीय पंचकुण्डीय रूद्र महायज्ञ पूर्णाहुति के साथ सम्पन्न

बैरसिया।। सर्व दांगी समाज ग्राम सेमरी कलां ग्रामवासियों द्वारा नवनिर्माण मंदिर में भगवान राम रामेश्वर की प्रतिमाओं के प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष में सप्त दिवसीय पंचकुण्डीय रूद्र महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा था। यज्ञ 27 मई को प्रारंभ होकर शुक्रवार 2 जून पूर्णाहुति और महाप्रसादी के साथ सम्पन्न हुआ। यज्ञ आर्चाय पंडित विष्णु प्रसाद भारद्वाज कोल्हूखेडा नारायणपुर एवं पंडित हरिओम शास्त्री विद्या धाम गुप्त काशी इंदौर द्वारा पंचकुंड आत्मक यज्ञ पर विराजमान 35 यजमान (जोड़ों) को वेद मंत्रों के उच्चारण विधि-विधान से हवन पूजन कराया गया। वही यज्ञ में प्रतिदिन शिवमहापुराण कथा का वाचन पंडित सुनील पांडे सेमरा दांगी जिला सीहोर के मुखारविंद से श्रोताओं ने आनंद लिया। यज्ञ में आस पास के क्षेत्रों से प्रतिदिन हजारों की संख्या में धर्मप्रेमी बंधूओ ने आकर यज्ञशाला परिक्रमा, और भगवान शिवमहापुराण का श्रवण कर धर्म लाभ लिया। यज्ञ में प्रतिदिन आने वाले श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध पेयजल व भोजन की सम्पूर्ण व्यवस्था आयोजक ग्राम वासियों द्वारा रखी गई थी। जिसमें प्रतिदिन श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। समापन अवसर पर पहुंचे विधायक विष्णु खत्री ने भव्य और सुंदर तरीके से सफल हुए आयोजन पर आयोजक समिति को शुभकामनाएं दी। विदित हो कि शनिवार 27 मई से भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुए सप्त दिवसीय पंचकुण्डीय रूद्र महायज्ञ का शुक्रवार 2 जून को पूर्णाहुति एवं महा प्रसादी के साथ समापन हुआ।

REQUIREMENT
Gyan Jyoti Higher Secondary School Nainpur
Invite applications from Qualified and Eligible Candidates for the following:
Trained Graduate/ Post Graduate teacher for teaching in: Pre-Primary # Primary #Middle High & Higher Classes#Sports Teacher #Music Teacher #Yoga Teacher #Lab Assistant #Clerk

WRITTEN TESTS:	(Local Candidates)	07/06/2023 (Wednesday)	Time: 10:00 am To 11:30 am
	(Outstation Candidates)	08/06/2023 (Thursday)	Time: 10:00 am To 11:30 am
PERSONAL INTERVIEWS:			
Local Candidates:		08/06/2023 (THURSDAY)	Time: 8:30 am Onwards
Outstation Candidates:		08/06/2023 (THURSDAY)	Time: 1:30 pm Onwards

> M.ED/B.ED/D.ED/D.EL.ED COMPULSORY # ENGLISH MEDIEM CANDIDATES WILL BE GIVEN PREFERENCE.TEACHERS FROM OTHER TOWNS / CITIES WILL GET HOUSE RENT ALLOWANCES' IN ADDITION.

Contact:
Principal: 72709-72709,99814-54533
Secretary: 78796-78910, 98937-46561
Gyan Jyoti Higher Secondary School, Nainpur, Dic. Mandla
e-mail: gyan.jyoti.1985@gmail.com
Web: http//gyaniyotinainpiur.in/contact-us

SECTION 1
Notice Inviting Tenders
OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION, BHOPAL
Zone-19 Engineering Department Shvama Prasad Mukharjee Nagar, Kolar
(FIRST CALL)
Number 89/ES/BMC/Z19/2023 Date: 31.05.2023
Offline Percentage rate bids for the following works are invited on Tender form, Appendix 2.10 from registered Contractors and Reputed firms:

S.N	NIT No.	Name of Work	Probable Amount of Contract	Earnest Money Deposit	Cost of Bid Document	Period of Completion
1	07/ES/BMC/Z 19/2023	CONSTRUCTION OFSHED AT TOLA SAMARDHA WARD-85, ZONE-19.	108281/-	2166/-	1000/-	15 days
2	08/ES/BMC/Z 19/2023	CONSTRUCTION OF SHED AT SIGNATURE RESIDENCY COLONY WARD-84, ZONE-19.	127096/-	2542/-	1000/-	15 days
3.	09/ES/BMC/Z 19/2023	CONSTRUCTION OF SARVAJANIK SHED AND CHABUTRA AT DHOLI KHADAN WARD-84, ZONE-19.	847231/-	8472/-	2000/-	30 days
4	10/ES/BMC/Z 19/2023	STONE WORK AT COMMUNITY HALL OF RADHAPURAM COLONY WARD-85, ZONE-19.	373591/-	3736/-	2000/-	30 days

1. The Bid Document can be purchased offline from (date) 31.05.2023 to (date) 15.06.2023 and bid submission last date till 17.06.2023 time up to 3.00pm, bid open (date) 17.06.2023 time after 3.00pm
2. Amendments to NIT, if any, would be published on only in newspaper.

T.N. 408/023/024
ASSISTANT ENGINEER
ZONE-19 CIVIL MUNICIPAL CORPORATION BHOPAL

अर्थव्यवस्था में तेजी : लगातार 14वें महीने 1.40 लाख करोड़ से ज्यादा जीएसटी संग्रह, यह अब तक का सर्वाधिक स्तर

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर बेहतरी जारी है। लगातार 14वें महीने संग्रह 1.40 लाख करोड़ रुपये के पार हुआ है। वहीं, साल 2017 से लेकर अब तक पांच बार जीएसटी संग्रह 1.50 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बताया कि आर्थिक गतिविधियों में तेजी और चोरी रोकने का असर दिखा है। मई में जीएसटी संग्रह 1.57 लाख करोड़ रहा है। इससे पहले अब तक का रिकॉर्ड संग्रह अप्रैल, 2023 में रहा है जो 1.87 लाख करोड़ रुपये था।

आंकड़ों के मुताबिक, मार्च, 2023 में 1.60 लाख करोड़ रुपये, जनवरी में 1.57 लाख करोड़ रुपये, अक्तूबर में 1.51 लाख करोड़ रुपये, अप्रैल में 1.87 लाख करोड़ और अप्रैल, 2022 में 1.67 लाख करोड़ रुपये का संग्रह मिला था। देश के जिन राज्यों में जीएसटी संग्रह मई में सबसे ज्यादा रहा है, उनमें महाराष्ट्र में 23,536 करोड़, कर्नाटक में

10,317 करोड़, गुजरात में 9,800 करोड़ और तमिलनाडु में 8,953 करोड़ रुपये हैं।

एसयूवी और दोपहिया के दम पर वाहनों की बिक्री तेज- मजबूत आर्थिक गतिविधियों के बल पर मई में वाहनों की बिक्री भी तेज रफ्तार में रही। एसयूवी और दोपहिया वाहनों की बिक्री में जबरदस्त उछाल आया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा की एसयूवी में 23 फीसदी की तेजी आई है जबकि मारुति की एसयूवी में 65 फीसदी की तेजी आई है। मारुति ने इस दौरान 1.78 लाख वाहन बेचे हैं जो एक साल पहले की तुलना में 10 फीसदी अधिक है।

कंपनी ने बताया, घरेलू बाजार में बिक्री 13 फीसदी बढ़कर 1.51 लाख रही। यात्री वाहनों की बिक्री 15 फीसदी बढ़ी। छोटी कारों की बिक्री हालांकि 30 फीसदी गिर कर 12,236 इकाई रही। कापैक्ट कारों में 5 फीसदी का इजाफा रहा। कंपनी का निर्यात 3 फीसदी गिरकर 26,477 इकाई रहा।

बजाज ऑटो -मई में 29 फीसदी बढ़कर 3.55 लाख इकाई रही जो एक साल पहले 2.76 लाख रही थी। दोपहिया वाहनों की बिक्री 3.08 लाख रही जो एक साल पहले 2.50 लाख थी। निर्यात 1.53 लाख से घटकर 1.13 लाख पर रहा। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 80 फीसदी बढ़ी।

टाटा मोटर्स - बिक्री 2 फीसदी गिरकर 74,973 इकाई रही। यात्री ईवी की बिक्री 3,505 से 66 फीसदी बढ़कर 5,805 रही। वाणिज्यिक बिक्री में 12 फीसदी घटी है।

बिजली खपत बढ़ी- मई में बिजली खपत 1.04 फीसदी बढ़कर 136.56 अरब यूनिट पर पहुंच गई है।

कार्डिएक केयर में तकनीकी प्रगति के साथ निदान और उपचार में काफी सुधार हुआ है : डॉ. मिलन चाग

अहमदाबाद, एजेंसी। हाल के वर्षों में, भारत में आबादी के बीच दिल की बीमारियों में खतरनाक वृद्धि हुई है, जहां कोरोनरी धमनी रोग जिसे इस्केमिक हृदय रोग के रूप में भी जाना जाता है, दूसरों के बीच सबसे प्रचलित हृदय रोग है। कोरोनरी धमनी हृदय को रक्त, ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की आपूर्ति करती है। सीएडी तब विकसित होता है जब धमनियों में पट्टिका का निर्माण होता है, जिससे रक्त प्रवाह कम हो जाता है और सांस की तकलीफ और सीने में दर्द जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी में पाया गया है कि दुनिया की लगभग 1.72 प्रतिशत आबादी इस्केमिक हृदय रोग से प्रभावित है, जिसकी व्यापकता दर प्रति 1,00,000 जनसंख्या पर 1,655 है और वर्ष 2030[1] में यह प्रसार दर बढ़कर प्रति 1,00,000 लोगों पर 1,845 से अधिक होने की उम्मीद है।

एचडीएफसी बैंक ने मध्य भारत और महाराष्ट्र में मेगा कार लोन मेले का शुभारंभ किया

मुंबई, एजेंसी। एचडीएफसी बैंक, भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक ने आज मध्य भारत और महाराष्ट्र में एक मेगा कार लोन मेला शुरू करने की घोषणा की। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तरी महाराष्ट्र और विदर्भ में 650 से अधिक बैंक शाखाएं प्रमुख ऑटोमोबाइल ब्रांडों और कार डीलरशिप के साथ साझेदारी में 2 और 3 जून को कार लोन अभियान की मेजबानी की। कार डीलर अपने ऑटोमोबाइल मॉडल दिखाने के लिए एचडीएफसी बैंक की शाखाओं में मौजूद रहेंगे और ग्राहकों को वाहनों की टेस्ट ड्राइव लेने की सुविधा भी दी गई। बैंक पात्र ग्राहकों को ऑन-द-स्पॉट कार लोन की स्वीकृति प्रदान करेगा। एचडीएफसी बैंक सभी ग्राहकों को सस्ती ब्याज दरों पर ऋण प्रदान करता है। कार-लोन मेला की लक्ष्य ग्राहकों को ऑटोमोबाइल फाइनेंस तक आसान पहुंच प्रदान करने के लिए की गई है।

लाखों डेरी किसानों ने भारत को विश्व की डेरी बनाने का संकल्प लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व दुग्ध दिवस पर आज लाखों डेरी किसानों ने भारत को विश्व की डेरी बनाने का संकल्प लेते हुए कहा कि ग्रामीण भारत से गरीबी उन्मूलन और सामाजिक-आर्थिक बदलाव भारत को वैश्विक डेरी क्षेत्र में अग्रणी बनाकर ही संभव हो सकता है। इस अवसर पर 22 दुग्ध उत्पादक कंपनियों (सहकारिता के समान सिद्धांतों पर परिचालित किसान उत्पादक संगठन) ने हाथ से हाथ मिलाकर विश्व उत्पादन में भारत का हिस्सा बढ़ाकर भारत को

विश्व की डेरी बनाने, देश के दूर-दराज के क्षेत्रों से भी दूध इकट्ठा कर उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण दूध और दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराने, दुग्ध संचय की निष्पक्ष एवं पारदर्शी व्यवस्था के माध्यम से किसान सदस्यों को प्रतिस्पर्द्धी मूल्य उनके बैंक खाते में देने और नस्ल उन्नतिकरण और बेहतर पशु प्रबंधन से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करने के संकल्प लिये।

अब होगा 'कर्म या काण्डे' का मुकाबला शुरू! एमटीवी रोडीज़- कर्म या काण्डे का हिम्मोत से भरा रोमांचक सफर शुरू हुआ!

मुंबई, एजेंसी। कर्म तो बहुत हो गया! अब है काण्डम की बारी! एमटीवी रोडीज़- कर्म या काण्ड , बेमिसाल यूथ एडवेंचर रियलिटी टेलीविजन शो का यह नया सीजन जबर्दस्तअ ऐक्शन, हिम्मोत और बिजली की फुर्ती जैसे कॉम्पीलटिशन के साथ मनोरंजन को नई परिभाषा देने के लिये तैयार है! जबरदस्ती दांव के साथ, इस मशहूर सफर में प्रतियोगी जीत के रास्तेप पर चलते हुए भारी-भरकम चुनौतियों और आकस्मिक ट्विस्ट्सक और टर्न्स से गुजरेंगे, जिसकी शुरूआत कुरुक्षेत्र की ऐतिहासिक रणभूमि से होकर काज़ा के पवित्र मैदानों तक जाएगी! मेजबान सोनू सूद और गैंग लीडर्स प्रिंस नरुला, गौतम गुलाटी और रिया चक्रबोर्ती देश को बेजोड़ मनोरंजन देने के लिये तैयार हैं ।

स्वस्थ भविष्य की थीम के साथ वेस्टीज मार्केटिंग ने पूरे किए अपने सफर के 19 साल

नई दिल्ली, एजेंसी। हेल्थ, वेलनेस और पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स की श्रेणी में विस्तृत पोर्टफोलियो के साथ भारत की सबसे बड़ी डायरेक्ट सेलिंग कंपनियों में शुमार वेस्टीज मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड ने 2004 में अपनी शुरुआत के बाद से 19 साल का सफर पूरा कर लिया है। हेल्थ के अपने मुख्य कारोबार को विस्तार देते हुए वेस्टीज ने स्वस्थ भविष्य (फ्यूचर हेल्दी) की थीम के साथ अपने सफर के दूसरे दशक में कदम रखा है। स्वास्थ्य इसका मुख्य कारोबार है, जो इसके उत्पादों, लोगों और साझेदारों समेत पूरे इकोसिस्टम को जोड़ता है।

वेस्टीज मार्केटिंग लगातार वेलनेस सेक्टर के विकास में योगदान दे रही है। हेल्थ एवं वेलनेस कैटेगरी में अपने श्रेष्ठ उत्पादों की रेंज के साथ वेस्टीज उपभोक्ताओं को स्वस्थ जीवनशैली प्रदान करने के लिए अपने प्रयासों को बढ़ावा दे रही है। वेस्टीज ने बेहतर कल के लिए पूरे भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में लाखों डिस्ट्रीब्यूटर्स को हेल्थ एवं वेलनेस प्रोडक्ट्स तक पहुंच देते हुए उनकी जिंदगियों को सशक्त किया है।

आरबीआई की बैठक से पहले बैंक ऑफ इंडिया आईसीआईसीआई व पीएनबी के कर्ज हुए महंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। इस महीने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की बैठक से पहले ही बैंकों ने कर्ज महंगा करना शुरू कर दिया है। आईसीआईसीआई बैंक, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और बैंक ऑफ इंडिया का एक जून से कर्ज महंगा हो जाएगा।

हालांकि, पीएनबी कुछ अवधि के लोन को सस्ता भी कर दिया है। पिछले साल मई से लेकर अब तक आरबीआई ने 2.5 प्रतिशत ब्याज दरें बढ़ाई हैं। आरबीआई की बैठक अगले हफ्ते से होनी है, जिसमें रेपो दर पर फैसला होना है। हालांकि, अप्रैल की बैठक में केंद्रीय बैंक ने इसे जस का तस रखा था।

आईसीआईसीआई बैंक- इसने 6 माह के कर्ज की दर बढ़ाकर 8.75 फीसदी कर दी है, जबकि एक साल वाले कर्ज की दर 8.85 फीसदी होगी।

पीएनबी- इसने सभी अवधि के कर्ज की दर में 0.10 फीसदी का इजाफा किया है। इसकी एक साल की दर 8.60 फीसदी और तीन साल के कर्ज की दर 8.90 फीसदी होगी।

बैंक ऑफ इंडिया- इस बैंक ने सभी अवधि के कर्ज की दर में 0.05 फीसदी का इजाफा किया है। एक साल की दर अब 8.65 फीसदी और 6 महीने की दर 8.45 फीसदी होगी।

दुनिया की सबसे बड़ी सोलर कंपनी ने शुरू किया प्राइस वार

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन स्थित दुनिया की सबसे बड़ी सोलर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लोंगी ग्रीन एनर्जी टेक्नोलॉजी ने प्रमुख उपकरणों के दाम 31 प्रतिशत तक घटा दिए हैं।

कंपनी का कहना है कि इस सेक्टर में मैन्युपैक्चरिंग क्षमता लगातार बढ़ रही है। इसके चलते लागत प्रतिस्पर्धा भी बढ़ रही है।

वेफर्स सिलिकॉन से बने चौकोर टुकड़े होते हैं, जिन्हें सोलर पैनल में लगाया जाता है। इस कटौती से पहले ही फरवरी से अब तक सोलर सिलिकॉन के दाम 50 प्रतिशत से ज्यादा घट गए थे। मामले से जुड़े जानकारों के मुताबिक, बीते साल इंडस्ट्री में सप्लाई चेन का संकट पैदा हो गया था। इसके चलते कुछ मटेरियल की शॉर्टज हो गई थी लेकिन कुछ नई फैक्ट्रियों ने उत्पादन बढ़ाया। इसकी वजह से ये किल्लत कम हो गई और कीमतों में कमी आई।

बीते सप्ताह लोंगी के प्रेसिडेंट ली जेंगुओ ने चेतावनी दी थी कि सोलर सप्लाई चेन में तेज विस्तार की वजह से मैन्युफैक्चरिंग क्षमता में काफी बढ़ोतरी हो सकती है। इसके चलते कुछ वर्षों में इस सेक्टर की आधे से ज्यादा कंपनियां बिजनेस से बाहर हो सकती हैं। कीमतें कम होने के बाद लोंगी के शेयरों में 2 प्रतिशत से ज्यादा गिरावट आई।

यूपीआई ने बनाया नया रिकॉर्ड, मई में 14.3 लाख करोड़ रुपये का हुआ लेनदेन

नई दिल्ली, एजेंसी। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस लेनदेन ने मई में मूल्य के मामले में 14.3 लाख करोड़ रुपये और वॉल्यूम के मामले में 9.41 अरब का नया रिकॉर्ड हासिल किया है। यह अप्रैल की तुलना में मूल्य में 2 प्रतिशत (14.07 लाख करोड़) व वॉल्यूम में 6 प्रतिशत (8.89 अरब) की बढ़ोतरी है।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के आंकड़ों के मुताबिक, मई के आखिरी दस दिनों में करीब 3.96 लाख करोड़ का लेनदेन हुआ। 2022-23 में मई की तुलना में लेनदेन की मात्रा में 58 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि मूल्य में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आईएमपीएस से लेनदेन अप्रैल में 5.21 लाख करोड़ की तुलना में लगभग 1 प्रतिशत बढ़कर 5.26 लाख करोड़ हो गया। फास्टैग लेनदेन के वॉल्यूम में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अप्रैल में यह 30.5 करोड़ से मई में 33.5 करोड़ पहुंच गई। मई में 6 प्रतिशत बढ़कर 5,437 करोड़ रुपये हो गया।

तीसरी औद्योगिक नीति के लिए विचार-विमर्श जारी- सरकार नई औद्योगिक नीति बनाने के लिए अंतर-मंत्रालयी विचार-विमर्श कर रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, नई औद्योगिक नीति का उद्देश्य वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी कारोबारी माहौल तैयार करना है, ताकि विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा दिया जा सके। यह तीसरी औद्योगिक नीति होगी। पहली औद्योगिक नीति साल 1956 में तथा दूसरी औद्योगिक नीति साल 1991 में बनी थी।

किसानों से केंद्र सरकार ने अब तक खरीदे 262 लाख टन गेहूं- केंद्र सरकार ने किसानों से इस साल अब तक 262 लाख टन गेहूं की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर की है। इसके एवज में किसानों को 47,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। सरकार ने चालू सीजन में 341.5 लाख टन खरीद का लक्ष्य रखा है। मंत्रालय के मुताबिक, रबी सीजन की गेहूं खरीद आगे भी जारी रहेगी। 30 मई तक जो खरीद हुई है, वह पिछले साल की 188 लाख टन खरीद से 74 लाख टन ज्यादा है। इससे 21.27 लाख किसानों को अच्छा फायदा हुआ है। खरीद में सबसे अधिक योगदान पंजाब का रहा है। यहां से 121.27 लाख टन, मध्यप्रदेश से 70.98 लाख टन और हरियाणा से 63.17 लाख टन गेहूं खरीदा गया है।

कैसियो सिमोस बने टेट्रा पैक साउथ एशिया के प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रणी खाद्य प्रसंस्करण और पैकेजिंग समाधान कंपनी, ट्रेट्रा पैक ने साउथ एशिया मार्केट के लिए कैसियो सिमोस को प्रबंध निदेशक के पद पर नियुक्त करने की घोषणा की है। सिमोस 1 जून, 2023 से नया पद संभालेंगे, वो आशुतोष मनोहर का स्थान लेंगे, जो टेट्रा पैक में 20 साल के कार्यकाल सहित चार दशकों से अधिक के शानदार कॉरपोरेट करियर के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

कैसियो के पास टेट्रा पैक में पिछले 20 वर्षों में विभिन्न व्यवसायों में विभिन्न भूमिका निभाने का समृद्ध अनुभव है। हाल ही में, वह टेट्रा पैक एंडीना के प्रबंध निदेशक थे। ग्रोथ के लिए कस्टमर्स इन्नोवेट में मदद करने के एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, उनकी विशेषज्ञता साउथ एशिया रीजन, जिसमें भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल और भूटान शामिल हैं, में कंपनी के विकास और विस्तार में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

आशुतोष ने कहा, विकास के इस अगले चरण में टेट्रा पैक साउथ एशिया का नेतृत्व करने के लिए कैसियो का स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। उनका व्यापक अनुभव और नेतृत्व कौशल हमारे लिए महत्पूर्ण होगा, क्योंकि हम साउथ एशिया में खाद्य प्रसंस्करण और पैकेजिंग समाधान के अग्रणी प्रदाता के रूप में अपनी स्थिति को और अधिक मजबूत बनाना जारी रखेंगे। मुझे पूरा भरोसा है कि उनके नेतृत्व में, हम अपने ग्राहकों को बेहतरीन मूल्य प्रदान करेंगे, पूरे क्षेत्र में उपभोक्ताओं को सुरक्षित रूप से भोजन उपलब्ध कराएंगे और इसे पूरी तरह से पर्यावरण हितैषी तरीके से अंजाम देंगे। अपनी नियुक्ति पर बोलते हुए, कैसियो ने कहा कि वह अपने पूर्ववर्ती आशुतोष मनोहर द्वारा तैयार की गई नींव पर निर्माण करने और साउथ एशिया में खाद्य और पेय पदार्थ ग्राहकों के लिए मूल्य प्रदान करने का अवसर पाकर अपने आप को बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। कैसियो ने कहा, मैं कंपनी के इतिहास में ऐसे गतिशील और परिवर्तनकारी समय में टेट्रा पैक साउथ एशिया को ज्वॉइन करने पर काफी उत्साहित हूं।

सैमसंग ने न्यूरल क्वाण्टम प्रोसेसर 4के के साथ लॉन्च किया मेड इन इंडिया ओलएईडी टीवी

सैमसंग ओएलईडी डिलीवर करता है गहरे काले, साफ सफेद और जीवंत रंग

गुरुग्राम, एजेंसी। पिछले 17 वर्षों से लगातार दुनिया के नंबर एक टीवी ब्रांड सैमसंग ने आज न्यूरल क्वाण्टम प्रोसेसर 4के के साथ अपनी ओलएईडी टीवी रेंज को भारत में लॉन्च करने की घोषणा की जो गहरे काले, साफ सफेद और जीवंत रंग डिलीवर करती है। सैमसंग ओलएईडी टीवी रेंज के सभी मॉडल भारत में ही तैयार किए जाएंगे। सैमसंग की ओलएईडी टीवी रेंज में दो सीरीज होंगे- एस95सी और एस95सी । दोनों ही सीरीज तीन आकारों 77-इंच, 65-इंच और 55-इंच में आ रहे हैं, जिनकी शुरुआत 169,990रुपये से है। ओलएईडी टीवी की यह रेंज आज से भारत के सभी प्रमुख रिटेल स्टोर, और ऑनलाइन सैमसंग.कॉम पर उपलब्ध होगी। सैमसंग इंडिया के कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स बिजनेस में सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मोहनदीप सिंह ने कहा,हम ओलएईडी टीवी की हमारी नई रेंज के साथ इनोवेशन की सीमाओं का और विस्तार कर रहे हैं। हमने बेजोड़ पिक्चर क्वालिटी डिलीवर करने के लिए न्यूरल क्वाण्टम प्रोसेसर 4के और ओएलईडी पैनल की खासियतों को एक साथ जोड़ दिया है और इससे ओलएईडी टीवी और बेहतर हो गया है।

फ्लिपकार्ट की बिग एंड ऑफसीजन सेल शुरू करने की घोषणा

फ्लिपकार्ट की बिग एंड ऑफसीजन सेल के बहाने फैशन और लाइफस्टाइल कैटेगरी का अब तक का सबसे बड़ा उत्सव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की स्वदेशी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने अपनी बहुप्रतीक्षित बिग एंड ऑफसीजन सेल शुरू करने की घोषणा की, जिससे करीब 2,00,000 विक्रेताओं और 10,000 से ज्यादा ब्रैंड एक साथ आएंगे, ताकि देश भर के लाखों ग्राहकों को फैशन, ब्यूटी और लाइफस्टाइल से जुड़े उत्पादों की व्यापक श्रृंखला उपलब्ध कराई जा सके। 1 जून, 2023 से शुरू होने वाले और एक सप्ताह तक चलने वाले इस आयोजन के दौरान ग्राहकों को खरीदारी का अलग तरह का खरीदारी का अनुभव मिलेगा। इसके लिए इमेज सर्च, वीडियो कैटलॉग, वर्चुअल ट्राई-ऑन, वीडियो कॉमर्स और टॉप फिल्टर्स जैसे टैक्नोलॉजी आधारित प्रयासों का इस्तेमाल किया गया। इसके अलावा, फ्लिपकार्ट को अपने डिजिटल फर्स्ट ब्रैंड्स को लेकर लोगों की बढ़ती दिलचस्पी देखने को मिल रही है। ऑनलाइन फैशन कैटेगरी को पसंद करने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। फ्लिपकार्ट को अकेले समर सीजन सेल के दौरान इस कैटेगरी में लाखों ऑर्डर

मिले हैं जिससे फैशन के प्रति लोगों की दिलचस्पी का पता चलता है। आज के समय में फैशन कैटेगरी फ्लिपकार्ट की वृद्धि को गति देने वाले प्रमुख कारकों में से एक बन गई है, क्योंकि 40 फीसदी से ज्यादा नए ग्राहक इसी कैटेगरी के माध्यम से आ रहे हैं। इस आयोजन के बारे में अभिषेक मालू, सीनियर डायरेक्टर, फ्लिपकार्ट फैशन ने कहा, फ्लिपकार्ट में ष्एंड ऑफसीजन सेलष् हमारे लिए सही मायनों में एक त्योहार की तरह है और यह अवसर हमारे ईकोसिस्टम के सभी पक्षों के लिए खुशी का मौका होता है। एक के बाद एक हर सीजन में इस आयोजन को पूरे भारत के ग्राहकों से काफी सराहना मिली है जिससे हमारे मार्केटप्लेस पर विक्रेताओं और ब्रैंड्स को जबरदस्त वृद्धि करने का मौका मिला है। हमारी लगातार कोशिश टैक्नोलॉजी आधारित खरीदारी का आसान अनुभव उपलब्ध कराकर नए फैशन परिधानों, फुटवियर और ऐक्सेसरीज की व्यापक रेंज लोगों तक पहुंचाना है। श्रेणी के लिहाज से सर्वश्रेष्ठ लॉन्च के अलावा, स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध इंटरफेस से हमारी वृद्धि को गति मिलती है और हमने यह पाया है कि देशभर के ग्राहक स्थानीय भाषा में उपलब्ध हमारे इंटरफेस का इस्तेमाल करते हुए ब्राउजिंग करने में ज्यादा समय बिता रहे हैं।

सोनालीका ने अपने हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर रेंज के साथ नया बिक्री रिकॉर्ड बनाया

मई में अब तक की सर्वाधिक 13,702 ट्रैक्टरों की बिक्री हासिल करते हुए 11.42 प्रतिशत की घरेलु वृद्धि दर्ज की और उद्योग वृद्धि (अनुमानित 2.7 प्रतिशत) को पीछे किया

नई दिल्ली एजेंसी। भारत से नंबर 1 ट्रैक्टर निर्यात ब्रांड, सोनालीका ट्रैक्टर्स हमेशा सक्रिय रूप से इनोवेशन करने और अपने जोश और गुणवत्ता वाले कृषि उपकरणों के साथ भारतीय किसानों का समर्थन करने में लगा हुआ है। कृषि परिस्थितयों के प्रति सोनालीका के असाधारण दृष्टिकोण के बल पर कंपनी ने मई 2023 में 13,702 ट्रैक्टरों की अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की है। इसमें 11.42 प्रतिशत घरेलू वृद्धि शामिल है जो उद्योग वृद्धि (अनुमानित 2.7 प्रतिशत) का 4 गुना है। इसी के साथ कंपनी ने मई%22 के अपने 12,615 ट्रैक्टरों की बिक्री का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सोनालीका ट्रैक्टर्स हमेशा

से ही भारत में कृषि मशीनीकरण को अपनाने में बढ़ोतरी पर ध्यान केंद्रित किए हुए है क्योंकि भारत में अब तक लगभग 45 प्रतिशत खेती ही मशीनीकृत है। कंपनी लगातार हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर डिज़ाइन करती आई है जो देश के हर राज्य की विविध मिट्टी में बेजोड़ प्रदर्शन, कम रख रखाव और दक्षता प्रदान करने के लिए तैयार किए गए हैं। गुणवत्ता और इनोवेशन के लिए सोनालीका की प्रतिबद्धता इसके विश्व के नंबर 1 इंटीग्रेटेड ट्रैक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट से जानी जाती है, जो उच्च टेक्नोलॉजी वाले ट्रैक्टरों को तैयार करता है, जिन पर 150 देशों में 14+ लाख किसान भरोसा करते हैं। उन्नत तकनीक और एक मज़बूत वितरण नेटवर्क द्वारा, सोनालीका का लक्ष्य किसानों को खुशियां प्रदान करना और प्रत्येक कृषि संचालन में जटिलताओं को कम करना है।

नई उपलब्धि पर अपने विचार साझा करते हुए, श्री रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, मई में अब तक की सर्वाधिक 13,702 ट्रैक्टरों की बिक्री करके हम गर्व महसूस कर रहे हैं, और हमने घरेलू उद्योग की वृद्धि से 4 गुना ज़्यादा वृद्धि दर्ज की है।

बैंकों में लावारिस पड़े हैं हजारों करोड़ रुपए, आरबीआई ने शुरू किया 100 डेज 100 पे अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के बैंकों में लावारिस पड़े हजारों करोड़ रुपए की जानकारी हासिल करने और उनके निपटारे के लिए रिजर्व बैंक ने शुक्रवार से 100 दिन 100 पे का अभियान का शुरू किया है। आरबीआई यह अभियान बैंकिंग प्रणाली में लावारिस जमा की मात्रा को कम करने और ऐसी जमा राशि को उनके सही मालिकों/दावेदारों को वापस करने के लिए कर रहा है। आरबीआई के इस अभियान के तहत 100 दिनों के अंदर भारत के हर एक जिले में हर एक बैंक में जमा 100 अनक्लेम्ड डिपॉजिट रकम का पता लगाकर उनका निपटारा किया जाएगा। रिजर्व बैंक ने अपने इस अभियान के बारे में कहा कि इस तरह से बैकिंग सिस्टम में जमा लावारिस रकम की मात्रा को कम किया जा सकेगा और डिपॉजिट को उनके सही मालिकों और दावेदारों तक पहुंचाया जा सकेगा।

कितना है अनक्लेम्ड डिपॉजिट

अनक्लेम्ड डिपॉजिट उन्हें कहा जाता है, जिसे 10 साल या उससे भी अधिक समय से किसी तरह का ट्रांजेक्शन नहीं किया गया हो। बैंकिंग सिस्टम में इसे इनएक्टिव डिपॉजिट माना जाता है। पब्लकि सेक्टर के बैंकों ने फरवरी, 2023 तक बिना दावे वाली करीब 35,000 करोड़ रुपए की राशि रिजर्व बैंक को ट्रांसफर की थी, यह राशि उन खातों में जमा थी जिनमें 10 साल या उससे अधिक समय से कोई लेन-देन नहीं हुआ। ये रकम अलग-अलग बैंकों के 10.24 करोड़ खातों से संबंधित थी। आरबीआई ने कहा कि ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जब किसी डिपॉजिटर के मृत्यु के बाद उनके नामिती/कानूनी उत्तराधिकारी संबंधित बैंक(बैंकों) पर दावा करने के लिए आगे नहीं आते हैं।

वर्तमान में, देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के पास लावारिस जमा राशि सबसे ज्यादा है। एसबीआइ के पास 8,086 करोड़ रुपए की लावारिस जमा राशि है। दूसरे नंबर पर पंजाब नेशनल बैंक है जिसके पास 5,340 करोड़ रुपए का लावारिस जमा है। इसके बाद केनरा बैंक 4,558 करोड़ रुपए और उसके बाद बैंक ऑफ बड़ौदा है, जिसके पास 3,904 करोड़ रुपए का लावारिस जमा है।

तंग गली फसी गाय का 3 घंटे रेस्क्यू कर निकाला

छिंदवाड़ा। शहर के मध्य क्षेत्र में आज प्रात 9 बजे के करीब खिरकापुरा मौहल्ले, गुरुद्वारे के सामने, घरों के सक्रीय तंग गलियों में एक गाय बुरी तरह से फस गई थी। गऊ माता का दर्द देख बढ़ता जा रहा उसे देखते हुए समाज सेवी संस्थाओं ने बड़ी माता सेवादार, बजरंग दल, we care for all, क्षेत्रवासियों एवं नगर निगम, पशु चिकित्सक की टीम सभी के सफलता पूर्वक अथक प्रयास से करीब 3 घंटे में गाय का रेस्क्यू किया गया। इसके उपरांत गाय में पशु चिकित्सक की टीम ने गाय का ट्रीटमेंट किया गया। साथ ही सक्रीय तंग गलियों में छोड़े स्थान को नगर निगम टीम ने हिदायत दी कि भविष्य में इन गलियों में कोई भी पशु चरीगा दुबारा ना इस प्रकार फसे, इसलिए उक्त स्थान में बाउंड्री बाल उठाने की लिए बोला गया। सभी नगर निगम, पशु चिकित्सक अधिकारी की टीम समय में कुछ ही देर में मौके में उक्त स्थान में उपस्थित हो कर उक्त कार्यों का संज्ञान लिया।

भारिया विकास अभिकरण अध्यक्ष का किया स्वागत

अमरवाड़ा। विश्राम गृह अमरवाड़ा में आज भारिया जाति

विकास अभिकरण के नवनियुक्त अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त दिनेश अंगारिया जी के आगमन पर भाजपा नेताओं द्वारा स्वागत किया गया द्य छिंदवाड़ा जाते हुए अल्प प्रवास पर अमरवाड़ा रुके अंगारिया ने भाजपा कार्यकर्ताओं से चर्चा की और संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी ली द्य पत्रकारों से चर्चा करते हुए दिनेश अंगारिया ने कहा भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी ने भारिया एवं आदिवासी समाज के विकास और क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के लिए जो जिम्मेदारी सौंपी है उससे पूरा करूंगा और पार्टी की अपेक्षाओं पर खरा उतरूंगा।

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री टीकाराम चंद्रवंशी, पूर्व जिला मंत्री नितिन तिवारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र पटेल, जनपद अध्यक्ष नीलेश कंगाली, नगर पालिका सभापति विनोद साहू इंडिया, मुकेश यादव, युवा मोर्चा अध्यक्ष अमित वर्मा, चरणदास वर्मा, दिनेश चौधरी, गुरु प्रसाद वर्मा एवं अधिकारी, कर्मचारी भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बूथ विजय संकल्प अभियान अंतर्गत भाजपा चौरई ग्रामीण मंडल में हो रहे शक्तिकेन्द्र सम्मेलन

चौरई। भाजपा ग्रामीण मंडल चौरई के अंतर्गत आने वाले विभिन्न शक्ति केंद्रों के क्लस्टर बनाकर बूथ विजय संकल्प अभियान के सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में फुटेरा और औरिया शक्ति केंद्र का सम्मेलन हरदुआ में, वही पांजरा और लोनिकला शक्ति केंद्र का लोनी वर्ग में, पलटवाड़ा समसवाडा और बींझावाड़ा शक्ति केंद्र का अन्नपूर्णा लॉन चौरई में आयोजित किया गया। जिला विस्तारक अशोक यादव और विस विस्तारक अलकेश रजक के मार्गदर्शन मे कार्यकर्ताओं को कब्बडी, रस्सा खींच जैसे पारंपरिक खेल खिलाकर, बूथ के सभी कार्यकर्ताओं को चुनाव में जीत का मंत्र दिया जा रहा है। भाजपा के मंडल अध्यक्ष और पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष शैलेंद्र रघुवंशी ने बताया की भाजपा मंडल चौरई ग्रामीण के सभी शक्तिकेन्द्र का सम्मेलन आयोजित किया गया है जिसमे सभी मतदान केन्द्र के कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर बूथ जीतने का संकल्प लिया है।

हर गांव,बूथ में युवाओं को जोड़ेंगे

छिंदवाड़ा। कमलनाथ, नकुल नाथ के निर्देशानुसार जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष एकलव्य यहके और उमेश चौहान – जिला युवा कांग्रेस कार्य. अध्यक्ष नेतृत्व में परासिया विधानसभा के दीघाबानी क्षेत्रीय युवा कांग्रेस कमेटी के युवक कांग्रेस के सकरी कार्यकर्ताओं क्षेत्रीय स्तर पर बैठक ली गई जिसमें युवाओं को क्षेत्रीय लेवल पर हर गांव हर बूथ में जाकर युवाओं को जोड़ने के निर्देश दिए गए और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए निर्देशित किया गया और 18 साल से शिवराज सरकार द्वारा जो युवा विरोधी नीति रोजगार नहीं दिया जा रहा है और युवाओं के साथ शोषण किया जा रहा है उस से अवगत कराया गया शिवराज सिंह शासन काल में आज किसान परेशान है महिला उत्पीड़न में प्रदेश नंबर वन है युवा बेरोजगारी की दर दर ठोकरे खा रहा है मजदूर वर्ग गरीब वर्ग, हर वर्ग परेशान है इस से अवगत कराया गया और माननीय कमलनाथ जी द्वारा जो 15 महीने में छिंदवाड़ा जिले का जो स्वर्णिम विकास किया गया जिसमें मेडिकल कॉलेज सिम्स हॉस्पिटल विश्वविद्यालय सिंचाई परियोजना फ्लाईओवर ग्रामीण सड़क विकास योजना लिफ्ट इरिगेशन के माध्यम से सिंचाई परियोजना पर्यटक स्थल का विकास जेल कॉम्प्लेक्स का विकास स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत छिंदवाड़ा को जोड़ने और युवाओं को स्किल डेवलपमेंट सेंटर के माध्यम से रोजगार प्रदान करने के लिए जो योजनाएं चलाई जा रही है।

ग्रामों में धर पकड़ कर देशी एवं विदेशी शराब पकड़ाई

अमरवाड़ा। थाना प्रभारी मोहन सिंह मस कोले उप निरीक्षक आरपी चौधरी सहायक उपनिरीक्षक के क बघेल ने ग्राम धसनवाड़ा निवासी इंदर पिता भूरा वर्मा उम्र 60 वर्ष जो की दुकान लगाकर शराब बेचने की शिकायत पर सहायक उपनिरीक्षक के के बघेल ने छापामार कार्रवाई कर आरोपी के पास से देशी मसाला देशी मसाल 50 नग एवं 28 बोतल अंग्रेजी शराब की बरामद किया वही ग्राम छुई निवासी बदना के पास से 10 लीटर कच्ची देसी शराब तथा ग्राम सुखारी निवासी चंद्र काली के पास 6 लीटर कच्ची देसी शराब उप निरीक्षक आरपी चौधरी ने जप्त कर आबकारी अधिनियम 34 डु में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लियाप्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया

हल्के बादल रहने एवं हल्की बारिश होने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (03 जून द्य 07 जून 2023) मध्यम से हल्के बादल रहने एवं हल्की बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 40–41 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 23–24 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है।

शिक्षक बच्चों को अच्छी गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदाय करें: श्रीमती पटले

कलेक्टर ने किया सीसीएलई प्रशिक्षण कार्यक्रम का आकस्मिक निरीक्षण

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा आज शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिंदवाड़ा में संचालित 4 दिवसीय सीसीएलई प्रशिक्षण कार्यक्रम का आकस्मिक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान एमटी व उपस्थित 250 से अधिक सहभागियों द्वारा प्रार्थना गीत का गायन किया गया। कलेक्टर श्रीमती पटले ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षक बच्चों को अच्छी गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदाय करें, स्कूल में समय पर पहुँचे और शिक्षा से संबंधित अकादमिक व शैक्षिक बातों पर ज्यादा ध्यान दें। उन्होंने अपने स्कूल के दिनों के अनुभव साझा करते हुये सभी स्कूलों के प्राचार्यो व शिक्षकों को स्कूल में साफ-सफाई रखने, स्वच्छता बनाये रखने व बच्चों का नियमित अध्यापन बनायें रखने के निर्देश दिये । उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस प्रशिक्षण से शिक्षकों द्वारा बच्चों की प्रतिभा एवं क्षमता को विकसित करने का प्रयास किया जायेगा । उन्होंने शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय छिंदवाड़ा द्वारा प्रकाशित पुस्तक नई दिशाएं का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी जी.एस.बघेल ने सीसीएलई प्रशिक्षण के उपयोग एवं उपयोगिता का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुये बताया कि विद्यार्थियों में 21वीं सदी के कौशल का विकास इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है । प्रशिक्षण में विद्याथियों में 12 प्रकार के कौशल विकसित करने के लिये शिक्षकों व प्राचार्यो को यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है । इस अवसर पर एडीपीसीए श्री गिरीश शर्मा, प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय अवधूत काले, प्राचार्य दिलीप ढोक, सभी एमटी और अन्य स्टाफ उपस्थित था ।

सेवा, सुशासन गरीब कल्याण के मोदी सरकार 9 वर्ष पूर्ण युवा मोर्चे का महा जनसंपर्क अभियान प्रारंभ

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता युवमोर्चा के ज़िला अध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप राणा ने बताया कि सेवा, सुशासन ग़रीब कल्याण के भाजपा की मोदी सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा पूरे देश में महा जनसंपर्क अभियान के तहत अनेकों कार्यक्रम करने जा रही है उसी के तहत मध्यप्रदेश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वी.डी शर्मा, युवा मोर्चा संभाग प्रभारी कविता पाटीदार व युवामोर्चा प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार ने निर्देश पीरी पूरे प्रदेश में युवामोर्चा नवमतदाता सम्पर्क वि सम्मेलन, मोटर साइकल रैली, भाजपा सरकार के योजनाओं के लाभार्थिओ का सम्मेलन व ऑनलाइन प्रश्नोतरी प्रतियोगीता युवाओं के मध्य कराएगी ये समस्त कार्यक्रम 31 मई से 30 जून लगातार कराये जाएँगे, इसी संबंध में छिन्दवाड़ा युवामोर्चा के सभी 33 मंडलो में आज मंडल कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न हुई वि कार्यक्रमों को मंडल वि विधानसभा स्तर पर कराने के लिए समिति बनाई गई साथ ही युवामोर्चा पदाधिकारियो को कार्यविभाजन किया गया, युवामोर्चा ने ज़िला बैठक कर ज़िले स्तर पर 7 सदस्यीय संचालन समिति व सभी 33 मंडलो के प्रभारी नियुक्त किए है जो मंडल अध्यक्षों के साथ पूरे कार्यक्रमो का सफल संचालन करेंगे। ज़िला समिति में बल्लू नागी, विक्रम शक्करवार, गोपाल यदुवंशी, पंकज मूँगिया, कुबेर सूर्यवंशी, सचिन चौरसिया,पवन गोस्वामी है मंडल के प्रभारी विनय साहू, अंकुश मेहरा, अतुल सराठे, सौरभ सक्सेना, आशीष ठाकरे, उत्तम झा, पवन गोस्वामी, गोपाल यदुवंशी, विष्णु पाल, हरीश दुर्गे, लक्ष्मण बाथव, रिंकु साहू, पंकज मूँगिया, बल्लू नागी, कुबेर सूर्यवंशी, विक्रम शकरवार, शिखर पाण्डे, अंकित जैन,जगन्नाथ यदुवंशी, मित सेठ, विशाल मालवी, अरविंद पन्द्रे, राजू साहू, चेतन चौरागड़े, अनुज चौधरी, आनंद ठाकुर, राहुल राय, संजय पराड़कर, शुभम सावले, अंशुल जैन, हरीश नाथ, अभिषेक परतेती बनाए गए।

मारपीट करने वाले आरोपीगण को 1 वर्ष का कारावास एवं जुर्माना

अमरवाड़ा। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अमरवाड़ा श्रीमान परमानंद सनोडिया के न्यायालय द्वारा प्रकरण क्र. 288/2020 थाना अमरवाड़ा के अपराध क्रमांक 656/2020 के आरोपी 1. गोलू पिता बलराम टेखरे उम्र 29 वर्ष 2. नरेश पिता नेतराम टेखरे 58 वर्ष 3. नयन पिता हरेश टेखरे उम्र 21 वर्ष 4. ललित पिता नरेश टेखरे उम्र 26 साल सभी निवासी ग्राम – बड़ेगांव थाना अमरवाड़ा में प्रत्येक आरोपीको धारा 456 भा.द.वि. में 1-1 वर्ष साधारण कारावास ? 200-200 अर्थदंड धारा 323 भा.द.वि में 3-3 माह का साधारण कारावास एवं ?200-200 अर्थदंड तथा धारा 427 भा.द.वि में 3-3 माह का कारावास एवं ?200-200 अर्थदंड़ से दण्डित किया गया। प्रकरण में म.प्र.राज्य की ओर से सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी कुलदीप सिंह बैस के द्वारा पैरवी की गई। घटना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है ः- कि चौकी सिंगोड़ी थाना अमरवाड़ा में दिनांक 30/09/2020 को फरियादी द्वारा इस आशय की रिपोर्ट दर्ज कराई की कि दिनांक 30/09/2020 को उसके लड़के मंसूर की पत्नी रवीना की कहासुनी हो गई उसी बात पर से शाम करीब 7ः30 बजे गांव के ललित टेकरे अपने दोस्त गोलू टेकरे, नरेश टेकरे और नयन के साथ आये और कहा कि तुम लोगों ने ललित के सिर पर पत्थर मार दिया और मेरे बेटे मंसूर एवं मंजूर को घर के सामने मारपीट करने लगे। मारपीट के डर से वह दोनों भाग गए। फरियादी ने लड़ाई करने से मना किया तो उसे भी आरोपीगण ने अश्लील गालियां दी, गालियां देने से मना किया तो चारों ने फरियादी के घर के अंदर घुसकर घरेलू सामान कुर्सी, कूलर तोड़फोड़ किए। बहु आई तो गोलू ने धक्का-मुक्की कर हाथ - थप्पड़ से मारपीट किया। उसे ललित टेकरी ने मारपीट किया और नयन धक्का देकर गिरा दिया था। सभी ने मिलकर उनके घर के खपड़ों को तोड़ फोड़ दिया था। मारपीट से बहु सुलोचना एवं फरियादी को भी चोट आई। प्रार्थी की उक्त रिपोर्ट पर थाना अमरवाड़ा मे अपराध पंजीबद्ध कर, अनुसंधान कर माननीय न्यायालय के समक्ष अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया।

माचागोरा के शुध्द पेयजल से बुझेगी 711 ग्रामों की प्यास

छिंदवाड़ा। जल ही जीवन है तथा राज्य शासन आम जन को त्वरित व शुध्द पेयजल उपलब्ध कराने के लिये कृत संकल्पित है । इसी दिशा में छिंदवाड़ा जिले के 7 विकासखंडों के 711 ग्रामों की लगभग 8.50 लाख की आबादी को लाभान्वित करने की दृष्टि से कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मार्गदर्शन में जल निगम की परियोजना क्रियान्वयन ईकाई सिवनी द्वारा पेंच व्यपवर्तन बहुउद्देशीय परियोजना के माध्यम से लगभग 848.29 करोड़ रूपये लागत की माचागोरा समूह जल प्रदाय योजना तैयार की गई है जिसे राज्य शासन द्वारा स्वीकृति प्रदान कर दी गई है ।जिले में 16 मार्च 2023 से इस योजना का क्रियान्वयन प्रारंभ कर दिया गया है । छिंदवाड़ा जिले में इस योजना को स्वीकृति प्रदान कर इसका क्रियान्वयन प्रारंभ कराये जाने पर प्रदेश के किसान कल्याण और कृषि विकास एवं छिंदवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री श्री कमल पटेल द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त किया गया है।

योजना पूर्ण होने पर जिले के 7 विकासखंडों के 711 ग्रामों की लगभग 8.50 लाख की आबादी की शुध्द पेयजल से प्यास बुझ सकेगी और वे लाभान्वित हो सकेंगे ।जल निगम की परियोजना क्रियान्वयन ईकाई सिवनी के महाप्रबंधक श्री आर.सी.पवार और प्रबंधक श्री बसंत कुमार बेलवंशी ने बताया कि माचागोरा समूह जल प्रदाय योजना का निर्माण कार्य 16 मार्च 2023 से मेसर्स एल.सी.इंफ्रास्ट्रक्चर प्रायवेट लिमिटेड अहमदाबाद द्वारा प्रारंभ कर दिया गया है ।

वृद्धों के प्रति श्रृद्धा नहीं तो श्राद्ध करने का क्या मतलब: प्रो. सिंह

अमरवाड़ा कॉलेज में पुस्तक विमोचन और प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

बुढ़ापा मस्ती की हस्ती में जीने का स्वर्णिम काल होता है: प्रो. सिंह

वृद्ध संवाद,सम्मान व समझ के भूखे हैं, खैरात के नहीं: प्रो. सिंह

अमरवाड़ा। शासकीय स्नातक महाविद्यालय अमरवाड़ा के सभागृह आयोजित प्राचार्य डॉ. एस. सी. मेश्राम की अध्यक्षता में पुस्तक विमोचन और प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रो.ज्योति सूर्यवंशी द्वारा संपादित वृद्ध विमर्श- परंपरा और आधुनिकता का द्वंद्व नामक पुस्तक के विमोचन समारोह में प्रमुख वक्ता बतौर बोलते हुए चांद कॉलेज के प्रेरक वक्ता डॉ. अमर सिंह ने वृद्धों के प्रति बढ़ती असम्मानजनक लापरवाही को रेखांकित करते हुए कहा कि जब वृद्धों के प्रति श्रृद्धा नहीं तो श्राद्ध का क्या मतलब होता है। बुजुर्गों को दी गई चीजें मय ब्याज के लौटती हैं। वृद्ध संवाद, सम्मान और समझ के भूखे हैं, धन दौलत और खैरात के नहीं। बुढ़ापा मस्ती की हस्ती में जीने का स्वर्णिम काल होता है। प्रो. विजय कलमधार ने कहा कि वृद्ध अनुभव के गौरव ग्रंथ होते हैं, जो उन्हें पढ़ पाए वह पढ़ ले। वृद्धजनों को किसी से शिकायत नहीं होनी चाहिए क्योंकि जो मस्त हैं,उन्हीं के पास समस्त है। प्रो.सुरेंद्र झारिया ने कहा कि वृद्ध अपनी विगत की कर्मकीर्ति की स्मृतियों में जिएं। वृद्ध कोई जीर्ण शीर्ण भवन नहीं हैं, जिसका कोई प्रयोजन न हो। प्रो. ज्योति सूर्यवंशी ने कहा कि वृद्धावस्था जीवन की शाम है, अंधेरी रात नहीं। वृद्ध अपनी उदासी, अवसाद व भय को रचनात्मक कार्यों में लगाकर दूर कर सकते हैं। जर्जर नींव पर महल खड़ा नहीं होता है। वृद्धजन वृद्धमन नहीं होते हैं। उनके पास यादों के जीवन के सबबों का अद्भुत, अनमोल व अकूत खजाने होते हैं। जनभागीदारी अध्यक्ष प्रदीप साहू ने कहा कि भविष्य में हमारे साथ वही होना है जो आज हम अपने बुजुर्गों के साथ कर रहे हैं। विडंबना यह है कि जहां जहां लक्ष्मी है, वहीं वृद्धाश्रम खुले हैं। सदस्य देवेंद्र जैन ने कहा कि गरीब का बच्चा बच्चा नहीं होता, बल्कि पैदाइशी वृद्ध होता है। जिन्होंने हमें दिशा दी, हमने उनकी दुर्दशा कर दी। प्रो.आर. एन. झारिया ने कहा कि साहित्य हमें बेहतरी की ओर ले जाता है। बच्चों में कल्पनाशीलता बुजुर्गों की कहानियों से आती है। प्राचार्य श्री मेश्राम ने कहा कि जहां बुजुर्ग नहीं वह जगह नरक समान होती है। सांस्कृतिक विरासत बड़ों के कारण ही संरक्षित है। मशीनें हमारी संवेदनशीलता सोखती जा रही हैं। सम्मान समारोह में प्राचार्य डॉ. मेश्राम द्वारा अमरवाड़ा की माध्यमिक बोर्ड की परीक्षाओं में प्रदेश में उल्लेखनीय स्थान प्राप्त प्रतिभावान छात्राओं मौली नेमा, अनन्या जैन, प्रतिभा वर्मा और स्वाति वर्मा का प्राचार्य द्वारा प्रशस्ति पत्र, उपहार और सम्मान राशि देकर अभिनंदन किया गया।

पातालकोट क्षेत्र की ग्राम पंचायत रातेड में मिलेट्स फ़सलों और प्राकृतिक खेती पर संगोष्ठी

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मार्गदर्शन में आज ज़िले के आदिवासी विकासखंड तामिया के पातालकोट क्षेत्र की ग्राम पंचायत रातेड में मिलेट्स फ़सलों (श्री अन्न) और प्राकृतिक खेती पर संगोष्ठी संपन्न हुई । संगोष्ठी में मिलेट्स फ़सलों पर तकनीकी जानकारी देने के साथ ही प्राकृतिक खेती पर चर्चा की गई और आदिवासी किसानों को नि:शुल्क उन्नत बीज का वितरण किया गया। संगोष्ठी में उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ.एच.जी.एस. पक्षवार द्वारा किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई । इस अवसर पर उप संचालक कृषि जितेन्द्र कुमार सिंह, उप संचालक उद्यानिकी एम.एल.उईके, कृषि अनुसंधान केन्द्र के सह संचालक डॉ. विजय पराड़कर, एसडीओ कृषि प्रमोद उट्टी एस.ए.डी.ओ., बीटीएम व एटीएम सहित विभिन्न बीज कंपनियों के प्रतिनिधि सहित किसान उपस्थित थे ।

स्किल सेंटर्स को दिलवाये एक करोड़ पैतीस लाख रुपये

निर्धन छात्रों को हुनरमंद बनाने, कमलनाथ की बड़ी सौगात

छिन्दवाड़ा। सम्पूर्ण देश व प्रदेश में केवल एक मात्र छिन्दवाड़ा जिले में स्थापित दर्जनों स्किल डेव्लपमेंट सेंटर (कौशल उन्नय केन्द्रों) को हसरत भरी निगाहों से देखने वाले वे निर्धन छात्र जो यहां प्रवेश पाकर अपना भविष्य निर्धारित करना चाहते हैं परन्तु आर्थिक तंगी के कारण उनका यह सपना पूरा नहीं हो पा रहा है। ऐसे छात्रों के सपनों को पंख लगाते हुये प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व छिन्दवाड़ा विधायक श्री कमलनाथ ने अपने नगर व जिले के निर्धन छात्रों को हुनरमंद बनाने के लिये अपने व्यक्तिगत प्रयासों से पर्याप्त निधि की व्यवस्था करवाई है। गरीब छात्रों की पढ़ाई और उनके तकनीकी प्रशिक्षण में होने वाले व्यय की राशि डब्ल्यूसीएल द्वारा सीएसआर मद से भरी जायेगी। कमलनाथ के प्रयासों से प्राप्त एक करोड़ पैतीस लाख रुपयों की राशि से छिन्दवाड़ा में संचालित पांच स्किल सेंटर निर्धन छात्रों को हुनरमंद बनायेंगे।

सांसद कार्यालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार नगर व जिले में कमलनाथ द्वारा स्थापित कराये गये अनेकों स्किल सेंटर में से पांच सेंटर को यह राशि उपलब्ध कराई गई है यह सर्वविदित है कि केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा स्किल इंडिया का नारा दिये जाने के पंद्रह वर्ष पूर्व ही कमलनाथ ने एक सांसद व विभिन्न मंत्रालयों में केन्द्रीय मंत्री रहते हुये अपने छिन्दवाड़ा में सीआईआई, एटीडीसी, एनआईआईटी, आईएलएण्ड एफएस एजिस कॉल सेंटर, रूरल कॉल सेंटर, अशोक लिलैंड, ड्राइविंग स्कूल व एफडीडीआई सहित अनेकों उन्नयन केन्द्र ना केवल स्थापित करवाये अपितु इनके संचालन, एससीएसटी वर्ग के छात्रों की फीस व अन्य सुविधायें भी उपलब्ध् करवाई जिसके परिणाम स्वरूप आज जिले के हजारों युवा विभिन्न केन्द्रों से प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार व स्वरोजगार से जुड़ चुके हैं।

इन पांच केन्द्रों को उपलब्ध करवाई राशि- कमलनाथ ने निर्धन व जरूरतमंद छात्रों के भविष्य निर्धारण हेतु अमरवाड़ा में संचालित अम्बुजा सीमेंट फाउंडेशन को 18 लाख पचास हजार रुपये, अपैरल ट्रेनिंग एण्ड डिजाइन सेंटर (ञ्ज्रष्ठष्ट) को 19 लाख 96 हजार रुपये, सीआईआई (भारतीय उद्योग परिसंध) को 33 लाख 92 हजार रुपये, सीआईआई, फुटवेयर डिजाइन (स्न्रष्ठष्ठढ्ढ) को 49 लाख 56 हजार रुपये व अशोक लीलैंड इंस्टीट्यूट फॉर ड्राइविंग सेंटर को 13 लाख रुपये की राशि सीएसआर मद से उपलब्ध करवाई है। जिले के सांसद नकुलनाथ ने नगर व जिले के वे निर्धन छात्र जो तकनीकी शिक्षा व प्रशिक्षण पाने को उत्सुक है सभी से अपील की है कि वे कमलनाथ जी द्वारा उपलब्ध सुविधाओं का लाभ लेते हुये अपने आपको हुनरमंद बनाकर आत्मनिर्भर बनायें।

कमलनाथ की यह सौगात दूरबीन वाले भी देखें ओक्टे : कमलनाथ द्वारा सदैव से नगर व जिले की अर्द्ध शिक्षित, शिक्षित व पूर्ण शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिये रोजगार व स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जाते रहेहैं। जनहित व छात्रहित में दिल्ली, भोपाल व अन्य महानगरों के औद्योगिक घरानों व शासकीय संस्थानों के अधिकारियों से सतत सम्पर्क व पत्राचार से यह सुविधायें उपलब्ध होती है इन प्रयासों को दूरबीन से नहीं देखा जा सकता लेकिन यदि सच्चाई देखने का साहस हो तो नगर व जिले के विकास को बिल्कुल करीब से बिना दूरबीन के भी देखा जा सकता है।

कांग्रेस और भाजपा का वार्ड नं. 42 में सीधा मुकाबला

छिन्दवाड़ा। रिटर्निंग ऑफिसर (नगरपालिक निगम) छिंदवाड़ा श्रीमती शीतला पटले द्वारा नगरीय निकाय उप निर्वाचन 2023 (पूर्वार्धृद) के अंतर्गत आज नगरपालिक निगम छिंदवाड़ा के वार्ड क्रमांक-42 से पार्षद पद के लिये श्री जगदीश झांझोट और श्री दयानंद चौरसिया द्वारा अभ्यर्थिता वापस लेने के बाद शेष 2 अभ्यर्थियों को प्रतीक चिन्हों का आवंटन कर दिया गया है ।रिटर्निंग ऑफिसर (नगरपालिक निगम) छिंदवाड़ा श्रीमती पटले ने बताया कि नगरपालिक निगम छिंदवाड़ा के वार्ड क्रमांक-42 से पार्षद पद के अभ्यर्थियों में इंडियन नेशनल कांग्रेस के राजेन्द स्वामी को हाथ और भारतीय जनता पार्टी के संदीप सिंह चौहान (छोटू) को कमल चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया है।

ग्राम पंचायत तामिया में सरपंच पद के 7 अभ्यर्थियों को प्रतीक चिन्ह आवंटित

छिन्दवाड़ा। रिटर्निंग ऑफिसर (पंचायत) तामिया ने बताया कि पंचायत उप निर्वाचन 2023 (पूर्वार्धृद) के अंतर्गत जनपद पंचायत तामिया की ग्राम पंचायत तामिया में आज अभ्यर्थिता वापसी के बाद सरपंच पद के 7 अभ्यर्थियों को प्रतीक चिन्हों का आवंटन कर दिया गया है। रिटर्निंग ऑफिसर (पंचायत) तामिया ने बताया कि पंचायत उप निर्वाचन 2023 (पूर्वार्धृद) के अंतर्गत जनपद पंचायत तामिया की ग्राम पंचायत तामिया में सरपंच पद के अभ्यर्थियों में अभ्यर्थी बिसनिया अनिल गांधी को चश्मा, चन्द्रकला ध्यानशाह धुर्वे को कांच का गिलास, कमली उईके को फलों सहित नारियल का पेड़, लक्ष्मी सुनील धुर्वे को हस्तचलित पंप, नीलिमा संतोष उईके को ताला और चाबी, प्रिया महादेव (शम्भु धुर्वे) को अनाज बरसाता हुआ किसान तथा उषा हिरदेश धुर्वे को सब्जियों की टोकरी चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया है।

आज से होगा संगीत समारोह

छिंदवाड़ा। संगीत समारोह की जानकारी देते हुए समिति के सचिव राजेशा विश्वकर्मा ने यह बताया कि इस वर्ष संगीत समारोह में दिनांक 03 जून 2023 दिन शनिवार को सुखी सुनिमित चटर्जी एवं देवेंद्रिया चटर्जी (मुम्बई) पं . हरीप्रसाद चौरसिया की शिष्या गरी मुगलदादी एवं सतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त तबला वादक पं . नवन घोष , ईशान घोष (मुम्बई) तबला युगल प्रस्तुत करेंगे । शिनाक 25 जून 2023 दिन रविवार को अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शास्त्रीय गायक में अजय पोहनकर (मुम्बाई गायन)आयोजन शाम 7ः30 बजे से स्थान राजमाता सिंधिया गर्ल्स कॉलिन रुचारा चौक किदवार में आयोजित होगें । दिनांक 05 जून 2023 दिन सोमवार शाम 5ः00 बजे भी शालियन ठिकमी अवार्ड 2009 (द्वतीय वर्ष) का फाईनल रहेना । जिसमें गायन , वादन , जून्य एवं चित्रकला का प्रदर्शन प्रतिभागी करेंगे । इस समारोड के पूर्व की ख्यातियों की जानकारी देते हुए सचिव राजेश दिगत 57 वर्षों में स्व पहम विभूषण पंजसराज पहन भूषण अनुगमित्र साजन मित्र , पहम भूषण वेगम परवीन सुल्ताना इत्यादि संगीत जगत की महान ने यह भी बताया हम भूषण र राजन विभूलिया अपनी प्रस्तुतिया दे चुके हैं । जो कि अपने हिन्दवाडा जिले के लिये बडे ही गौरव की बात है । समिति के सभी सदस्यों ने आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में संगीत प्रेमी इस कार्यक्रम में उपस्थित हो।

किसानों को यूरिया, डीएपी खाद उपलब्ध कराने की मांग

कांग्रेस सेवादल का प्रतिनिधि मंडल कृषि अधिकारी से मिला

छिंदवाड़ा। कांग्रेस सेवादल का प्रतिनिधि मंडल ने जिले के कृषि अधिकारी से मिलाकर एक ज्ञापन के माध्यम से यह मांग कि गई कि आने वाले खरीब कि बोनी के समय किसानों को सोसायटी केन्द्रो एवं विपणन केन्द्रों पर प्रर्याप्त मात्रा में यूरिया डीएपी खाद वितरण कि सरल व्यवस्था बनाई जाये किसानों को जितनी चाहे उतनी खाद उपलब्ध कराई जाये। जिला कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष सुरेश कपाले ने बताया कि आने वाले समय के मोसम में जिलेभर के किसानों को यूरिया, डीएपी खाद सोसायटी एवं विपणन वितरण केन्द्रों पर प्रर्याप्त मात्र में खाद उपलब्ध कराई जाये साथ ही साथ खाद वितरण केन्द्रों पर किसानों के बैठने कि और पीने के पानी कि व्यवस्था सहित चाम पान कि प्रर्याप्त व्यवस्था कराई जाये। वर्तमान मे खाद वितरण केन्द्रों पर किसानों को कड़ी धूप में खड़ा रहना पड़ रहा है ओर घंटों लाईन लगाना पड़ा रहा है। इन वितरण केन्द्रों पर प्रर्याप्त बैठने पानी पीने कि कि कोई व्यवस्था नहीं है। साथ ही साथ दिन भर किसानों को भूखे प्यासे खड़ा रहना पड़ रहा है। संगठन के माध्यम से यहाँ मांग कि गई है कि खाद विक्रय निजी दुकानों में यूरिया एवं डीएपी सहित अन्य खाद निजि दूकानों में तय रेट से अधिक दामों में बेची जा रही है जिस पर खाद विभाग कि किसी भी प्रकार कि कोई कानूनी कार्रवाई नहीं कि जा रही है। जिलेभर में खाद कि कालाबाजारी हो रही है। इस कालाबाजारी पर शीघ्र ही अंकुश लगाया जाये। इन्ही सभी मांगों को लेकर जिला कांग्रेस सेवादल के पदाधिकारियों ने कृषि विभाग के अधिकारीयों से मिलकर जिलेभर के केन्द्रो पर प्रर्याप्त मात्रा में यूरिया-डीएपी सहित अन्य खाद-बीज उपल्बध कराई जाने कि मांग कि गई है। इस अवसर पर राकेश मरकाम, चंद्रभान (चन्दू) ठाकरे, पंचम अमरोदे, कन्हईराम सियुनिया, डॉ. शबाना यास्मीन खान, रमजान खान, अखलेश पवार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

ग्रीष्मकालीन समर कैंप के माध्यम से बच्चों की शिक्षा में सुधार के प्रयास में सहयोगी बने गाँव के स्वयंसेवक

छिन्दवाड़ा। कहते है जीवन में सफलता की पहली सीढ़ी है, बच्चों का बौद्धिक एवं शैक्षिक विकास द्य शिक्षा की चाबी से सफलता के द्वारा खोले जा सकते है द्य परन्तु अभी भी बहुत सा तबका ऐसा है जो बुनियादी शिक्षा में कमजोर है द्य एनुअल स्टेटस ऑफ़ एजुकेशन रिपोर्ट (असर) 2022 के अनुसार प्रदेश के 35.6 फीसदी बच्चे ही कक्षा दूसरी स्तर के पाठ पढ़ने में सक्षम है, शेष बचे 64.4 फीसदी बच्चे अभी भी अपनी कक्षा की दक्षता में पारंगत होए बगैर अपनी अगली कक्षा में पहुँच रहे है द्य आगे की कक्षा में यह बच्चे पिछड़ सकते है एवं पढ़ाई के प्रति उदासीन हो सकते है द्य 2 साल के कोरोना महामारी ने भी बच्चों की पढ़ाई को काफी पीछे ढकेल दिया है द्य तमान कोशिश के बाद भी बच्चे अभी अपनी सीखने की प्रवर्ती से दूर है द्य इस गहरी खाई को कम करने का प्रयास में जिला का शिक्षा विभाग तंत्र प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के सहयोग से जिला प्रदेश के प्रत्येक गाँव में समर कैंप का आयोजन करवा रहा है, जिसमे गाँव के ही स्वयंसेवक अपने गाँव के कक्षा 6वीं के बच्चों को समर कैंप के माध्यम से माह मई से जून में करेंगे बुनियादी पढ़ने, समझने और अंक गणितीय सुधार का प्रयास कर रहे है । प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के जिला समन्वयक प्रान्जुल तिवारी एवं पल्लवी दावंडे द्वारा जिला के समस्त जनपद शिक्षा केंद्र में समस्त जन शिक्षक को समर कैंप संचालन का प्रशिक्षण दिया गया ।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स क्षेत्र उद्यान में कदंब, बरगद और खिरनी के पौधे लगाए। उनके साथ समितियों के पदाधिकारियों ने भी पौधारोपण किया।

आज विश्व साइकिल दिवस पर भोपाल में कई संस्थाओं ने साइकिल चलाकर लोगों को प्रदूषण मुक्ति एवं स्वस्थ रहने का संदेश दिया।

शाजापुर में डंपर और बाइक की टक्कर में दो लोगों की मौत, एक घायल

शाजापुर। शाजापुर शहर में शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। डंपर और मोटरसाइकिल की टक्कर में मोटरसाइकिल सवार दो लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल सवार दो लोगों के शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गए। हादसे की सूचना लगते ही यातायात थाना प्रभारी सत्येंद्र सिंह राजपूत तत्काल मौके पर पहुंचे और घायल को जिला अस्पताल पहुंचाने के साथ शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाए।

हादसे के बाद सड़क खून फैल गया, जिसे फायर ब्रिगेड से धुलवाना पड़ा। कोतवाली थाना टीआई संतोष वाघेला ने बताया कि सड़क हादसे में भगवान सिंह पुत्र बापू सिंह उम्र 70 साल निवासी जलोदा थाना सुनेरा और मोहनलाल पुत्र भैरूलाल राठौड़ उम्र 50 साल निवासी गुलाना की मृत्यु हुई है। वही दुलीचंद पुत्र भंवरलाल राठौर उम्र 55 साल निवासी गुलाना घायल हुआ है। घायल का उपचार ट्रामा सेंटर शाजापुर में चल रहा है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई थी। जिसे यातायात थाना की टीम ने मौके पर पहुंचकर सुचारू कराया।

पुलिस कर्मचारियों की विभागीय जाँच के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

म.प्र.एवं छत्तीसगढ़ के पुलिस कर्मियों को बनाया निशाना

भोपाल । राजधानी में आज क्राईम ब्रांच पुलिस द्वारा फर्जी पुलिस अधिकारी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है । यह आरोपी पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को स्थानांतरण और विभागीय जांच का झांसा और धमकी देकर रुपए ठगने का प्रयास कर रहा था। मध्यप्रदेश पुलिस मे उप निरीक्षक ने शिकायत में बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति अपने आप को पुलिस विभाग का अधिकारी बताकर सस्पेंड करने व स्थानांतरण करवाने के नाम पर पैसो की मांग कर रहा है। जिस्की जांच पर अपराध क्रमांक 58/23 धारा 170, 419, 420, 384 भादवि का कायम कर विवेचना मे लिया गया।

मामले की गम्भीरता को देखते हुये क्राईम ब्रांच थाना प्रभारी अनूप कुमार उइके के दिशा निर्देशन में दल द्वारा पुलिस विभाग अधिकारी बनकर स्थानांतरण व निलंबन के नाम पर फर्जी फोन कॉल करने वाले आरोपी को पकड़ने एवं कार्यवाही करने हेतु टीम का गठन किया गया। उक्त टीम द्वारा आरोपी बुद्धसेन मिश्रा निवासी जिला रीवा को गिरफ्तार किया उसने पूछताछ में स्वयं को पुलिस विभाग का अधिकारी बनकर स्थानांतरण व निलंबन के नाम पर फर्जी फोन कॉल कर पैसो की मांग करना स्वीकार किया, परंतु किसी कर्मचारी द्वारा पैसे नही दिये गये। आरोपी के पास से दो मोबाइल एवं तीन सीम कार्ड जप्त किये गये हैं। आरोपी से अन्य मामलों मे पूछताछ की जा रही है।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस की तरफ से सुंदरकांड का पाठ करेंगे कथावाचक

भोपाल। कांग्रेस के साफ्ट हिंदुत्व की चर्चा सबसे पहले मध्य प्रदेश से ही शुरू हुई थी। बजरंग बली की आराधना और हनुमान चालीसा का पाठ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ करते-कराते रहे हैं। अब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की तरफ से ख्यात कथावाचक विधानसभा क्षेत्रों में सुंदरकांड का पाठ करेंगे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पहली बार प्रदेश में धर्म उत्सव प्रकोष्ठ का गठन किया है जिसमें साधु, संतों और कथावाचकों को प्रकोष्ठ का पदाधिकारी बनाया गया है। इसके बैनर तले धार्मिक अनुष्ठान कराए जाएंगे। इनमें सिर्फ धर्म की बात होगी।

कर्नाटक चुनाव में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने के मामले में जब राजनीति तेज हुई तो मप्र में युवा कांग्रेस ने पूरे प्रदेश में हनुमान चालीसा का पाठ करवाया। अब संगठन का धर्म एवं उत्सव प्रकोष्ठ सभी विधानसभा क्षेत्रों में सुदंरकांड का पाठ कराने जा रहा है। इसके लिए प्रकोष्ठ ने अपनी जिला इकाइयों को निर्देश भी दिए हैं। संगठन की अध्यक्ष ऋचा गोस्वामी का कहना है कि कांग्रेस का प्रकोष्ठ जरूर है पर इसमें राजनीति जैसी कोई बात नहीं है।

हमारा काम वोट मांगना नहीं है और न ही हम मांगेंगे। हम राजनीति से जुड़ा कोई संकल्प भी नहीं दिलाते हैं। यह तो अनुष्ठान है और पहले भी रासलीला, भागवत कथा और रूद्राभिषेक कर चुके हैं। पांच जून से भोपाल दक्षिण-पश्चिम के विधायक पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, तुलसी नगर में भागवत कथा करा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ से सुंदरकांड के पाठ के आयोजन को लेकर चर्चा हुई थी। उन्होंने निर्णय हम पर छोड़ा था। हमने संगठन में चर्चा के बाद कार्यक्रम निर्धारित किए हैं। मोर्चा-प्रकोष्ठों के प्रभारी उपाध्यक्ष जेपी धनोपिया का कहना है कि कांग्रेस कभी धर्म और धार्मिक मामलों को राजनीति के बीच में नहीं लाती है।

नौतपा की ठंडी विदाई, बादल छाने और वर्षा से नहीं चली लू, आज भी कुछ क्षेत्रों में पड़ सकती हैं बौछारें

भोपाल। मौसम प्रणालियों के असर से छाए बादल और प्रदेश के तमाम क्षेत्रों में वर्षा का क्रम बने रहने से इस बार नौतपा (25 मई से दो जून) की राहत भरी विदाई हो गई। लू न चलने से लोगों ने राहत की सांस ली। शुक्रवार को प्रदेश में सबसे अधिक 41.5 डिग्री सेल्सियस तापमान खंडवा में दर्ज किया गया। सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक सागर में आठ मिलीमीटर वर्षा हुई। इस बार नौतपा के नौ दिनों में प्रदेश में कहीं भी लू नहीं चली। 31 मई को छोड़कर आठ दिन प्रदेश में कहीं-कहीं वर्षा हुई। नौतपा में सबसे अधिक 43.8 डिग्री सेल्सियस तापमान 25 मई को नरसिंहपुर में दर्ज किया गया था। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक वर्तमान में अलग-अलग स्थानों पर तीन मौसम प्रणालियां बनी हुई हैं। उनके असर से फिर बादल छाने लगे हैं। शनिवार-रविवार को भोपाल, नर्मदापुरम, उज्जैन, इंदौर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा हो सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ जम्मू के आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में मौजूद है। उसके प्रभाव से पंजाब पर एक प्रेरित चक्रवात बना है। दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान पर भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है।

अब स्नातक पास ही बन सकेंगे मप्र में अधिमान्य पत्रकार

भोपाल। राज्य शासन ने मप्र में पत्रकार अधिमान्यता संबंधी नियमों में बदलाव किया है। प्रदेश में अधिमान्य पत्रकार के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता संभवतया पहली बार तय की गई है। राज्य एवं जिला स्तरीय अधिमान्यता के लिए संबंधित को कम से कम स्नातक शिक्षा प्राप्त होना अनिवार्य होगा।

राज्य के जनसंपर्क विभाग ने इस आशय की अधिसूचना जारी की। अधिमान्यता संबंधी नियमों में आंशिक बदलाव करते हुए अधिमान्य पत्रकार के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता एवं पत्रकारिता का अनुभव अनिवार्य किया गया है। राज्य एवं जिला स्तरीय अधिमान्यता के लिए न्यूनतम स्नातक की डिग्री या समकक्ष व पत्रकारिता का न्यूनतम दस वर्ष का अनुभव आवश्यक होगा।

इसी प्रकार जिला स्तरीय व तहसीय अधिमान्यता के लिए क्रमशः 5 एवं 3 वर्ष का न्यूनतम अनुभव अनिवार्य किया गया है। अनुभव प्रमाण पत्र संबंधित संस्थान द्वार प्रदान किया जाएगा। तहसील स्तरीय अधिमान्यता के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हाईस्कूल या समकक्ष तय की गई है।

दिल्ली में भी मिलेगी अधिमान्यता

मप्र के पत्रकारिता संस्थानों के प्रतिनिधियों को नईदिल्ली में भी मप्र शासन की ओर से अधिमान्यता प्रदान की जाएगी। इसके लिए संबंधित पत्रकार, कैमरामैन का अपने कार्य का न्यूनतम पांच साल का अनुभव जरूरी होगा। यह अधिमान्यता जनसंपर्क विभाग के द्वारा दिल्ली में पदस्थ प्रभारी अधिकारी की अनुशंसा से ही दिया जाएगा।

ये भी होंगे पात्र

पत्रकारिता का न्यूनतम बीस वर्ष का अनुभव रखने वाले जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत अधिकारी को भी राज्य स्तरीय अधिमान्यता प्रदान की जा सकेगी।

50 साल की आयु वाले ही बन सकेंगे स्वतंत्र पत्रकार

स्वतंत्र पत्रकार अधिमान्यता के लिए भी नियम प्रक्रिया तय की गई है। अधिसूचना अनुसार उक्त श्रेणी की अधिमान्यता के लिए संबंधित की न्यूनतम आयु 50 वर्ष या पत्रकारिता का 20 वर्ष का अनुभव होना आवश्यक होगा। साथ ही संबंधित की पूर्व में भी अधिमान्यता रही हो।

ईश्वर नगर में अतिक्रमण की कार्यवाही, अमूल्य गार्डन पर चली नगर निगम की जेसीबी

भोपाल। आज राजधानी में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई जो बावडिया कलां में स्थित ईश्वर नागा क्षेत्र में अमूल्य गार्डन को तोड़ने जेसीबी से अतिक्रमण हटाया गया। यह कार्यवाही जिला प्रशासन, नगर निगम के संयुक्त अभियान से संभव हो पा रही है। यहयह वर्षों से अतिक्रमण कर अवैध रूप से गार्डन का संचाला किया जा रहा था।

जिला प्रशासन और नगर निगम आज सुबह 11 बजे संयुक्त रूप से भोपाल में बावड़ियां ब्रिज के पास (ईश्वर नगर) अमूल्य गार्डन एवम ढाबा के अतिक्रमण को हटाने की करवाई की गई।

होटल बिना किसी अनुमति के संचालित हो रहा है और लगातार अवैध गतिविधियां संचालित हो रही थी। इसके पूर्व भीं अमूल्य गार्डन संचालक को अतिक्रमण हटाने नगर निगम और

जिला प्रशासन के द्वारा अनेक बार नोटिस जारी कर चुके थे। कार्यवाही के दौरान एसडीएम, तहसीलदार, नगर निगम, पुलिस और आबकारी अमला मौके पर मौजूद रहा। दिल्ली निवासी अम्या कुमार दत्ता की जमीन पर अमूल्य गार्डन में संचालक विजय कुमार मिश्रा जमीन किराए पर लेकर रेस्टोरेंट कम ढाबा चला रहा था। इस ढाबे में शराब का अवैध विक्रय, शराब पिलाना और अन्य गतिविधियां संचालित हो रही थी।

युवक की चाकू से गोदकर हत्या

जुन्नारदेव। स्थानीय नेहरू स्टेडियम मे शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी देर रात नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड 3 के रहवासी और रामलीला मंच के पीछे अंडा ब्रेड का छुटपुट व्यापार करने वाले आशीष चौरसिया की चाकू से गोदकर हत्या कर देने का मामला प्रकाश मे आया है सर्वप्रथम शव देखने से मामला हत्या का प्रतीत होता है ! जुन्नारदेव पुलिस के द्वारा युवक की शिनाख्त कर लिए जाने की भी जानकारी है प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग का होने के कयास लगाए जा रहे है ! थाना प्रभारी बृजेश मिश्रा ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए रवाना कर दिया है एफ एस एल टीम भी सक्रिय है ! तहसील जुन्नारदेव चौरसिया समाज ने एस डी ओ पी केके अवस्थी को ज्ञापन देकर शीघ्र से शीघ्र मृतक आशीष चौरसिया के हत्यारो को गिरफ्तार करने की मांग की !

वन कर्मचारियों पर हमला करने वाले वन माफियाओं के ऊपर रासुका लगाई जाए

वन कर्मचारी मंच के वन मंत्री को ज्ञापन सौंपा

भोपाल। विदिशा जिला लटेरी वन क्षेत्र मे वन माफियाओं ने कल वन कर्मचारियों के ऊपर प्राणघातक हमला किया है हमले में 4 वन कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हुए हैं लेकिन पुलिस ने घटना की एफआईआर तक दर्ज नहीं करी है वन कर्मचारी मंच ने वन मंत्री को ज्ञापन सौंपकर मांग करी है कि वन कर्मचारियों के ऊपर हमला करने वाले वन माफियाओं को तत्काल गिरफ्तार किया जाए तथा उनके विरुद्ध रासुका लगाने की कार्रवाई की जाएं।

वन कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि प्रदेश में वन कर्मचारियों के ऊपर निरंतर वन माफिया हमले कर रहा है लेकिन सरकार वन कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए कोई ठोस नीति नहीं बना रही है नाही शस्त्र चलाने का अधिकार दे रही है बल्कि वन माफियाओं को मुआवजा और अनुकंपा नियुक्ति की सौगात दे रही है जिस कारण बन माफिया के हौसले निरंतर बुलंद होते जा रहे हैं 9 माह पूर्व 16 अगस्त 2022 को बंद कर्मचारियों ने अपनी सास की बंदूकें भी विभाग के माल खाने में जमा कर दी है जिस कारण वन कर्मचारी निहत्थे है कल विदिशा के लटेरी में वन माफियाओं ने सागौन की बड़ी मात्रा में कटाई की है जिसको रोकने विदिशा बन मंडल के वन कर्मचारी लटेरी के वन क्षेत्र में पहुंचे तो उनके ऊपर वन माफियाओं ने गैंग बनाकर प्राणघातक हमला कर दिया किसी तरह गुना वन मंडल के वन कर्मचारियों ने घटनास्थल लटेरी गुना का बॉर्डर मक्सूदनगढ़ पहुंचकर विदिशा वन मंडल के वन कर्मचारियों की वन माफिया से जान बचाई तथा दो सागौन तस्करों को बंदी भी बना लिया लेकिन पुलिस प्रशासन ने इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद भी वन माफियाओं के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज नहीं करी है बल्कि वन माफियाओं को संरक्षण दे रही है जिससे वन कर्मचारियों का मनोबल गिर गया है एक तरफ 9 अगस्त 2022 को लटेरी कांड की घटना की सरकारी आयोग जांच कर रहा है वही सरकार लटेरी के जंगलों को वन माफियाओं से बचाने के प्रति गंभीर नहीं है नाही वन कर्मचारियों की सुरक्षा की चिंता सरकार को है वन कर्मचारी मंच ने निर्णय लिया है कि यदि सात दिवस में सरकार ने वन कर्मचारियों पर हमला करने वाले वन माफियाओं को गिरफ्तार करके उनके विरुद्ध रासुका लगाने की कार्रवाई नहीं करी तथा 1 कर्मचारियों की सुरक्षा की नीति नहीं बनाई तो वन कर्मचारी मंच आंदोलन का रास्ता अपना आएगा।